वर्ष-14 - अंक 129
पृष्ट-08 मूल्य : 02 रुपया

सीतापुर
मंगलवार, 18 अगस्त 2026

RNI.No. UHIN/2012/43078

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

swatantraprabhat.com

epaper.swatantraprabhat.com

जो लिखेगा, वही टिकेगा

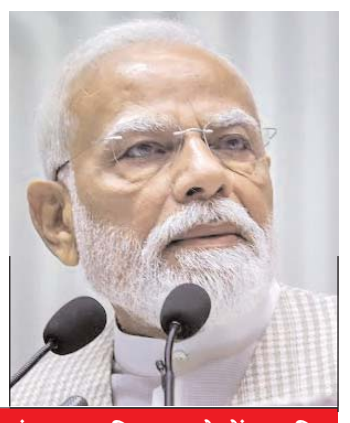

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून गाज़ियाबाद , दिल्ली ,पंजाब , हरियाणा ,चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

80वां स्वतंत्रता दिवस ग्रामीण क्षेत्र में हर्षोल्लास के साथ 3

होर्मुज पर अमेरिका-ईरान आमने-सामने, जुबानी जंग ने बढ़ाई 4

कोटेदारों का कमीशन 90 से बढ़ाकर 125 रुपये प्रति क्विंटल..... 08

राम मंदिर दान में कथित हेराफेरी पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

एसआईटी को जांच में तेजी लाने का निर्देश, दो सप्ताह में सीलबंद लिफाफे में स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने को कहा

नई दिल्ली(एजेंसी)। अयोध्या स्थित राम मंदिर के लिए मिले दान में कथित हेराफेरी के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को सख्त रुख अपनाते हुए विशेष जांच दल (एसआईटी) को जांच में तेजी लाने का निर्देश दिया। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची तथा न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने एसआईटी से अब तक की जांच की प्रगति की स्टेटस रिपोर्ट दो सप्ताह के भीतर सीलबंद लिफाफे में दाखिल करने को कहा है। सुप्रीम कोर्ट ने एसआईटी को निर्देश दिया कि जांच की गुणवत्ता और पारदर्शिता बनाए रखने के लिए विभिन्न याचिकाकर्ताओं की ओर से दिए गए सुझावों पर निष्पक्षता से विचार किया जाए। अदालत ने संकेत दिया कि मामले की जांच में किसी तरह की कमी नहीं रहनी चाहिए और कथित हेराफेरी से जुड़े सभी पहलुओं की प्रभावी तरीके से पड़ताल की जानी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि एसआईटी की रिपोर्ट मिलने के बाद मंदिर में श्रद्धालुओं की ओर से दिए जाने वाले दान के प्रबंधन को बेहतर और अधिक पारदर्शी बनाने के लिए आवश्यक निर्देश जारी किए जा सकते हैं। यानी अदालत का फोकस केवल कथित हेराफेरी की जांच तक सीमित नहीं है, बल्कि भविष्य में दान व्यवस्था को अधिक व्यवस्थित और पारदर्शी बनाने पर भी है। इससे पहले 27 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने राम मंदिर में दान की कथित हेराफेरी की जांच के लिए आईजीपी किरण एस. की अध्यक्षता में गठित चार सदस्यीय एसआईटी का संज्ञान लिया था। अदालत ने उत्तर प्रदेश सरकार से जांच टीम में एक फोरेंसिक ऑडिटर को शामिल करने को भी कहा था। सुनवाई के दौरान अदालत ने मामले में सुधारात्मक कदम उठाने की जरूरत पर जोर दिया था। पीठ ने स्पष्ट किया था कि दान के प्रबंधन में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। इससे पहले 20 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार से पूछा था कि दान में कथित हेराफेरी की जांच के लिए विशेष जांच दल गठित करने की क्या संभावना है। अदालत की पहल के बाद राज्य सरकार की ओर से कार्रवाई आगे बढ़ी और एसआईटी का गठन किया गया। वहीं, 13 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश पुलिस को मामले की जांच की स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया था। साथ ही दान की कथित चोरी की निष्पक्ष और समयबद्ध जांच की मांग करने वाली याचिकाओं पर श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को नोटिस जारी किया गया था। राम मंदिर में दान प्रबंधन में कथित अनियमितताओं के आरोपों के बाद आरजेडी सांसद सुधाकर सिंह समेत कई याचिकाकर्ताओं ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। याचिकाकर्ताओं ने मामले की जांच सीबीआई से कराने और मंदिर ट्रस्ट के वित्तीय रिकॉर्ड का फोरेंसिक ऑडिट कराने की मांग की है।

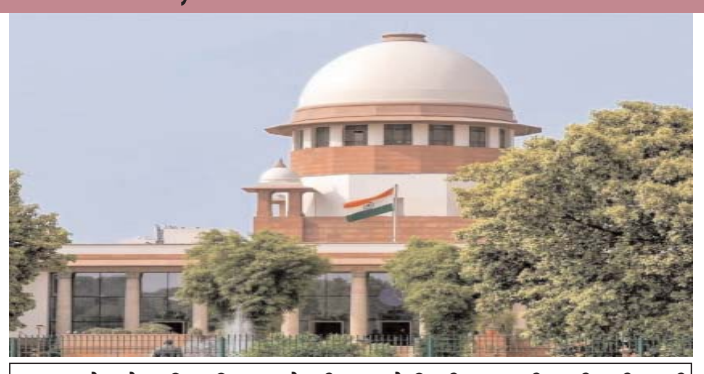

अदालत ने संकेत दिया कि मामले की जांच में किसी तरह की कमी नहीं रहनी चाहिए और कथित हेराफेरी से जुड़े सभी पहलुओं की प्रभावी तरीके से पड़ताल की जानी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि एसआईटी की रिपोर्ट मिलने के बाद मंदिर में श्रद्धालुओं की ओर से दिए जाने वाले दान के प्रबंधन को बेहतर और अधिक पारदर्शी बनाने के लिए आवश्यक निर्देश जारी किए जा सकते हैं। यानी अदालत का फोकस केवल कथित हेराफेरी की जांच तक सीमित नहीं है, बल्कि भविष्य में दान व्यवस्था को अधिक व्यवस्थित और पारदर्शी बनाने पर भी है।

शहजाद भट्टी नेटवर्क के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, 200 से अधिक गिरफ्तार : अमित शाह

14 राज्यों में समन्वित अभियान, आईईडी, ग्रेनेड, पिस्तौल और जासूसी उपकरण बरामद करने का दावा

नई दिल्ली(एजेंसी)। स्वतंत्रता दिवस से पहले सुरक्षा एजेंसियों ने आईएसआई समर्थित बताए जा रहे शहजाद भट्टी नेटवर्क (एसबीएन) के खिलाफ बड़ी बहु-राज्यीय कार्रवाई की है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सीमा-पार आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत 14 राज्यों में एक साथ अभियान चलाया गया। इस दौरान 253 लोगों को हिरासत में लिया गया और नेटवर्क से जुड़े 200 से अधिक लोगों की गिरफ्तारी की गई है। अमित शाह ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि सुरक्षा बलों ने स्वतंत्रता दिवस से पहले इस नेटवर्क के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उसके कथित आतंकी मंसूबों को विफल किया। उन्होंने इसे आतंकवाद के प्रति सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति का उदाहरण बताया। गृह मंत्री के अनुसार, 12 अगस्त को राज्य पुलिस बलों के साथ वास्तविक समय में खुफिया जानकारी साझा करने वाली व्यवस्था के माध्यम से समन्वित अभियान चलाया गया। कार्रवाई के दौरान उत्तर प्रदेश में 62, हरियाणा में 52, दिल्ली में 51, पंजाब में 44, राजस्थान में 15, महाराष्ट्र में आठ, उत्तराखंड में पांच तथा कर्नाटक, गुजरात और बिहार में तीन-तीन लोगों को गिरफ्तार किए जाने की जानकारी दी गई है। इसके अलावा तेलंगाना, हिमाचल

प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और केरल में दो-दो लोगों की गिरफ्तारी की बात कही गई है। दिल्ली और कर्नाटक में नेटवर्क से जुड़े नए मामले भी दर्ज किए गए हैं। सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार, अब तक शहजाद भट्टी नेटवर्क के खिलाफ 80 से अधिक प्राथमिकी दर्ज की जा चुकी हैं और 200 से ज्यादा गिरफ्तारियां हुई हैं। अधिकारियों के मुताबिक, इन मामलों में गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (यूएपीए), भारतीय न्याय संहिता, शस्त्र अधिनियम, मादक पदार्थ अधिनियम और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम सहित विभिन्न कानूनी प्रावधानों के तहत कार्रवाई की गई है। गृह मंत्री ने दावा किया कि कार्रवाई के दौरान आईईडी, पाकिस्तान आयुध कारखाने की पहचान वाले ग्रेनेड, पिस्तौल, कारतूस और निगरानी के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले सीसीटीवी कैमरे समेत कई आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई है। सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार, शहजाद भट्टी नेटवर्क पाकिस्तान स्थित आईएसआई के समर्थन से संचालित होने वाला कथित आतंकी सिंडिकेट है। आरोप है कि यह नेटवर्क भारत में ग्रेनेड, आईईडी और पेट्रोल बम हमलों तथा लक्षित हत्याओं की साजिश में शामिल रहा है। जांच एजेंसियों के मुताबिक, नेटवर्क से जुड़े लोग स्थानीय सहयोगियों को धन देकर पुलिस प्रतिष्ठानों, रक्षा से जुड़े ठिकानों और धार्मिक स्थलों की रेकी करवाते थे। इसके अलावा निगरानी और जासूसी के लिए विभिन्न स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगवाए जाने की बात भी सामने आई है। सुरक्षा एजेंसियां बरामद सामग्री और आरोपियों से मिले कथित सुरागों के आधार पर नेटवर्क के सीमा-पार संपर्कों की जांच कर रही हैं। अधिकारियों का कहना है कि बरामद हथियारों और अन्य सामग्री की फोरेंसिक जांच तथा आरोपियों से पूछताछ के आधार पर नेटवर्क के संचालन, वित्तीय स्रोतों और स्थानीय सहयोगियों की भूमिका के बारे में और जानकारी जुटाई जा रही है। स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर चलाए गए इस अभियान को सुरक्षा एजेंसियों की बड़ी कार्रवाई माना जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार, देश में संभावित आतंकी गतिविधियों को रोकने और सीमा-पार नेटवर्क से जुड़े स्थानीय सहयोगियों की पहचान करने के लिए अभियान आगे भी जारी रहेगा।

संक्षिप्त ख़बरें

बैंक खाता फ्रीज होने पर हाईकोर्ट पहुंचे अभिषेक बनर्जी

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद अभिषेक बनर्जी ने एक निजी बैंक द्वारा कथित तौर पर अपना बैंक खाता फ्रीज किए जाने को लेकर सोमवार को कलकत्ता हाईकोर्ट का रुख किया। उन्होंने बैंक की कार्रवाई को चुनौती देते हुए मामले की तत्काल सुनवाई की मांग की है। अभिषेक बनर्जी की ओर से अदालत में पेश वकील अयान भट्टाचार्य ने दावा किया कि निजी बैंक ने निर्धारित प्रक्रिया का पालन किए बिना उनके मुवक्किल का निजी बैंक खाता फ्रीज कर दिया। उन्होंने अदालत से मामले पर जल्द सुनवाई करने का अनुरोध किया। सुनवाई के दौरान बनर्जी के वकील ने बताया कि टीएमसी सांसद चिकित्सा कारणों से जल्द विदेश जाने वाले हैं। उनके मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट ने अभिषेक बनर्जी को विदेश यात्रा की अनुमति भी दी है। ऐसे में बैंक खाते पर लगी रोक के कारण उन्हें व्यावहारिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। डायमंड हार्बर से सांसद अभिषेक बनर्जी की ओर से अदालत में बैंक प्राधिकरण की कथित कार्रवाई को चुनौती देते हुए तत्काल राहत की मांग की गई।

कोलकाता से पाकिस्तानी जासूसी नेटवर्क चलने का शक, राणा रऊफ का सहयोगी गिरफ्तार

कोलकाता। पश्चिम बंगाल पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) ने सोमवार को कथित पाकिस्तानी खुफिया एजेंट राणा रऊफ के एक संदिग्ध सहयोगी को गिरफ्तार किया। एसटीएफ के अनुसार, आरोपी की पहचान इमरान के रूप में हुई है और उसे कोलकाता के टॉपसिया इलाके स्थित एक फ्लैट से पकड़ा गया। यह गिरफ्तारी राणा रऊफ से जुड़े कथित जासूसी नेटवर्क की जांच के सिलसिले में की गई है।

एक वरिष्ठ एसटीएफ अधिकारी के मुताबिक, इमरान पर आरोप है कि उसने राणा रऊफ को कथित तौर पर जाली दस्तावेजों के जरिए भारतीय पासपोर्ट हासिल करने के प्रयास में मदद की। जांच एजेंसी को आशंका है कि इस नेटवर्क में कई अन्य लोग भी शामिल हो सकते हैं। उनकी भूमिका और रऊफ के साथ संबंधों की जांच की जा रही है। अधिकारी के अनुसार, प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि इमरान कथित रूप से राणा रऊफ के लिए भारतीय पासपोर्ट से संबंधित दस्तावेज जुटाने में मदद कर रहा था। एसटीएफ अब इमरान के संपर्कों और नेटवर्क के अन्य सदस्यों के साथ उसके कथित संबंधों की पड़ताल कर रही है।

ई-20 के साथ ई-10 पेट्रोल भी उपलब्ध कराने का सुझाव

नई दिल्ली(एजेंसी)। देश में बड़ी संख्या में पुराने दोपहिया वाहनों के इस्तेमाल को देखते हुए मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन ने पेट्रोल पंपों पर ई20 के साथ ई10 पेट्रोल का विकल्प दोबारा उपलब्ध कराने का सुझाव दिया है। उनका कहना है कि इससे पुराने वाहनों के इंजन पर एथेनॉल मिश्रित ईंधन के संभावित प्रभाव को कम करने के साथ ही ई20 पेट्रोल को लेकर लोगों की चिंताओं को दूर करने में मदद मिलेगी। नागेश्वरन ने 'द इंडियन एक्सप्रेस' में प्रकाशित एक लेख में कहा कि ई20 पेट्रोल से वाहनों के इंजन को व्यापक नुकसान पहुंचने के दावों का मौजूदा वैज्ञानिक और परीक्षण संबंधी प्रमाण समर्थन नहीं करते। उन्होंने कहा कि ई20

को लेकर सोशल मीडिया पर कई तरह की आशंकाएं और दावे सामने आए हैं, लेकिन उपलब्ध आंकड़े इन दावों से अलग तस्वीर पेश करते हैं। मुख्य आर्थिक सलाहकार के अनुसार, एथेनॉल में पेट्रोल की तुलना में करीब दो-तिहाई ऊर्जा होती है। ऐसे में ई20 पेट्रोल के इस्तेमाल से वाहन की ईंधन दक्षता पर कुछ असर पड़ सकता है। उन्होंने यह प्रभाव करीब सात प्रतिशत तक होने की बात कही। उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका में किए गए विभिन्न परीक्षणों में ई20 के लिए प्रमाणित नहीं किए गए वाहनों में इंजन घिसाव या यांत्रिक क्षति में उल्लेखनीय वृद्धि के प्रमाण नहीं मिले हैं। हालांकि, उन्होंने पुराने वाहनों के मामले में अलग तरह की व्यावहारिक चिंता की ओर ध्यान दिलाया है। नागेश्वरन के मुताबिक, भारत में करीब 7.5 से 8 करोड़ पुराने दोपहिया वाहन अभी भी सड़कों पर चल रहे हैं। इनमें बड़ी संख्या ऐसे वाहनों की है, जो भारत स्टेज-4 उत्सर्जन मानकों से पहले बनाए गए थे और जिनमें कार्ब्यूरेटर तकनीक का इस्तेमाल होता है। उन्होंने बताया कि कार्ब्यूरेटर एथेनॉल मिश्रित ईंधन में मौजूद अतिरिक्त ऑक्सीजन के अनुरूप खुद को समायोजित नहीं कर पाता। ऐसे में ई20 के इस्तेमाल से इंजन को जरूरी अनुपात में ईंधन नहीं मिल पाने की स्थिति पैदा हो सकती है और इंजन अपेक्षाकृत अधिक गर्म होकर चल सकता है। इसके अलावा पुराने वाहनों में इस्तेमाल होने वाले कुछ रबर सील और अन्य पुर्जे लंबे समय तक एथेनॉल के संपर्क में रहने से प्रभावित हो सकते हैं। कार्ब्यूरेटर पेट्रोल इंजन का एक प्रमुख हिस्सा होता है, जो इंजन के लिए हवा और ईंधन का उचित मिश्रण तैयार करता है। मुख्य आर्थिक सलाहकार ने बताया कि सरकार के शुरुआती एथेनॉल मिश्रण रोडमैप में पुराने वाहनों के लिए कम मिश्रण वाला ईंधन उपलब्ध कराने की व्यवस्था का अनुमान लगाया गया था।

केरल का नाम बदलकर हुआ 'केरलम'

नई दिल्ली(एजेंसी)। केरल का आधिकारिक नाम अब 'केरलम' हो गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राज्य का नाम बदलकर 'केरलम' करने वाले केरल (नाम परिवर्तन) विधेयक, 2026 को मंजूरी दे दी है। राष्ट्रपति की स्वीकृति के बाद यह विधेयक कानून बन गया है और संवैधानिक दस्तावेजों में राज्य का नाम 'केरलम' किए जाने की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। इससे पहले लोकसभा ने केरल (नाम परिवर्तन) विधेयक, 2026 को मंजूरी दी थी। इसके अगले दिन राज्यसभा ने भी विधेयक को पारित कर दिया था। दोनों सदनों से पारित होने के बाद विधेयक राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए भेजा गया था। राज्यसभा में विधेयक पर चर्चा के दौरान गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने बताया था कि केरल विधानसभा ने वर्ष 2024 में राज्य का नाम बदलकर 'केरलम'

करने का प्रस्ताव पारित किया था। राज्य सरकार ने जून 2024 में विधानसभा से पारित प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा था। इसके बाद राष्ट्रपति की ओर से राज्य विधानसभा की राय जानने के लिए प्रस्ताव वापस भेजा गया। विधानसभा ने इस पर दोबारा विचार करते हुए सर्वसम्मति से नाम परिवर्तन के प्रस्ताव का समर्थन किया। इसके बाद केंद्र सरकार ने नाम परिवर्तन से संबंधित विधेयक संसद में पेश किया। केरल (नाम परिवर्तन) विधेयक में राज्य का नाम बदलने के साथ संविधान में आवश्यक संशोधन का प्रावधान किया गया है। संविधान की पहली अनुसूची में 'केरल' नाम को बदलकर 'केरलम' किया जाएगा।

हरियाणा भाजपा की अहम बैठक, एसआईआर से पंजाब चुनाव तक बनेगी रणनीति

चंडीगढ़(एजेंसी)। हरियाणा भाजपा की महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक सोमवार को मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित की जा रही है। बैठक में प्रदेश के सभी 90 विधानसभा क्षेत्रों से भाजपा के विधायक, मंत्री और विधानसभा चुनाव में पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ चुके उम्मीदवार शामिल हुए हैं। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ की मौजूदगी को भी बैठक के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। बैठक में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर विशेष चर्चा प्रस्तावित है। पार्टी संगठन की ओर से विधायकों और चुनाव में पराजित उम्मीदवारों को एसआईआर की प्रक्रिया,

मतदाताओं से संपर्क और बूथ स्तर पर संगठन की सक्रियता को लेकर दिशा-निर्देश दिए जा सकते हैं। भाजपा नेतृत्व बैठक के माध्यम से विधानसभा क्षेत्रों में संगठन की स्थिति का फीडबैक लेने के साथ-साथ जमीनी नेटवर्क को और मजबूत करने की रणनीति पर भी चर्चा कर सकता है। विधायकों के साथ चुनाव हार चुके उम्मीदवारों को भी बैठक में बुलाए जाने को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

मेरठ की मस्जिद से जैश-ए-मोहम्मद का संदिग्ध आतंकी गिरफ्तार

मेरठ। उत्तर प्रदेश एटीएस ने पाकिस्तानी आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े एक कथित मॉड्यूल के खिलाफ कार्रवाई करते हुए मेरठ की एक मस्जिद से 24 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया है। एटीएस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी की पहचान मोहम्मद जफर के रूप में हुई है, जो मूल रूप से बिहार के पूर्णिया जिले का रहने वाला है। एजेंसी का दावा है कि आरोपी कथित तौर पर देश विरोधी गतिविधियों में शामिल था और युवाओं को कट्टरपंथ की ओर आकर्षित करने का प्रयास कर रहा था। एटीएस की प्रारंभिक जांच में आरोपी के कथित तौर पर जैश-ए-मोहम्मद के सरगना मसूद अजहर से प्रभावित होने की बात सामने आई है।

साइबर सुरक्षा और क्वांटम कंप्यूटिंग के जोखिमों पर सेबी गंभीर

मुंबई(एजेंसी)। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) बाजार की साइबर सुरक्षा और क्वांटम कंप्यूटिंग से जुड़े संभावित जोखिमों को लेकर गंभीरता से काम कर रहा है। सेबी के अध्यक्ष तुहिन कांत पांडे ने कहा कि नियामक की टीमें बाजार के विभिन्न भागीदारों के साथ सक्रिय रूप से बातचीत कर रही हैं और उनकी चिंताओं तथा भागीदारी के स्तर को समझने का प्रयास किया जा रहा है। पांडे के अनुसार, साइबर सुरक्षा और क्वांटम कंप्यूटिंग से जुड़े मुद्दों पर सोशल मीडिया के माध्यम से भी कई सुझाव प्राप्त हो रहे हैं। सेबी इन सुझावों का विश्लेषण कर रहा है और जल्द ही इस विषय पर अपना अंतिम विचार एवं आगे की रणनीति तैयार करेगा। सेबी अध्यक्ष ने

क्वांटम कंप्यूटिंग को भविष्य के लिए महत्वपूर्ण चुनौती बताते हुए कहा कि इस क्षेत्र में सबसे पहले इन्वेंटरी तैयार करना जरूरी है। संगठनों को यह पता लगाना होगा कि उनकी मौजूदा क्रिप्टोग्राफिक व्यवस्था में कहां-कहां संभावित कमजोरियां मौजूद हैं। उन्होंने इसे क्रिप्टोग्राफिक बिल ऑफ मैटेरियल्स की पहचान से जोड़ते हुए कहा कि प्रत्येक संगठन को अपनी क्रिप्टोग्राफी से संबंधित पूरी जानकारी व्यवस्थित रूप से तैयार करनी होगी। यह भविष्य में साइबर सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में पहला महत्वपूर्ण कदम होगा। पांडे ने कहा कि संगठनों को आगे चलकर पोस्ट-क्वांटम क्रिप्टोग्राफिक मानकों को अपनाने की दिशा में काम करना होगा और पुराने यानी प्री-क्वांटम सुरक्षा मानकों पर निर्भरता कम करनी होगी। क्वांटम कंप्यूटिंग के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए समय रहते सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करना आवश्यक है। सेबी अध्यक्ष ने कहा कि साइबर जोखिमों को कम करने की जिम्मेदारी केवल बड़े संस्थानों तक सीमित नहीं है।

छोटे ब्रोकर और अन्य बाजार भागीदार भी सामूहिक साइबर सुरक्षा व्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

11 दिन में 75 जिलों के 1,559 दिव्यांगजनों को मिला रोजगार

लखनऊ(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन की ओर से 3 से 13 अगस्त तक चलाए गए दिव्यांगजन रोजगार अभियान 3.0 ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। प्रदेश के सभी 75 जिलों में 11 दिन तक चले अभियान के दौरान रोजगार मेलों, प्लेसमेंट ड्राइव और स्वरोजगार गतिविधियों के माध्यम से 1,559 दिव्यांगजन रोजगार एवं स्वरोजगार से जुड़े। इनमें 1,021 दिव्यांगजनों को नौकरी के अवसर मिले, जबकि 538 को अपना रोजगार शुरू करने के लिए विभिन्न सरकारी योजनाओं और ऋण सुविधाओं से जोड़ा गया। व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि प्रदेश सरकार का संकल्प है कि कोई भी दिव्यांगजन रोजगार से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजन रोजगार अभियान केवल नौकरी उपलब्ध

कराने की पहल नहीं है, बल्कि दिव्यांग युवाओं को आत्मविश्वास, सम्मान और आत्मनिर्भरता के साथ आगे बढ़ने का अवसर भी प्रदान कर रहा है। अभियान में नौकरी के साथ स्वरोजगार को भी प्राथमिकता दी गई। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के तहत 538 से अधिक दिव्यांगजनों को लाभान्वित किया गया। विभिन्न जिलों में छोटे उद्यम शुरू करने के लिए ऋण और सरकारी योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराने के साथ पात्र लाभार्थियों को ऋण स्वीकृति दिलाने की दिशा में भी कार्रवाई की गई। दिव्यांगजनों को मोबाइल रिपेयरिंग, बिजली संबंधी कार्य, सिलाई-कढ़ाई, जन सेवा केंद्र, डेयरी और पशुपालन सहित विभिन्न स्वरोजगार गतिविधियों से जोड़ा गया। सरकार का उद्देश्य दिव्यांग युवाओं को नौकरी तलाशने वाले के बजाय रोजगार देने वाला बनाने की दिशा में आगे बढ़ाना है। अभियान के तहत विभिन्न जिलों में आयोजित रोजगार मेलों और प्लेसमेंट ड्राइव में निजी क्षेत्र की कंपनियों ने भाग लिया। कई कंपनियों ने मौके पर ही अभ्यर्थियों का चयन कर उन्हें नियुक्ति पत्र भी दिए। स्वास्थ्य सेवा, वित्त, बीमा और दूरसंचार सहित विभिन्न क्षेत्रों में आंकड़ा प्रविष्टि संचालक, ग्राहक सहायता कार्यकारी, स्वास्थ्य सहायक, ड्रेसर, दूरभाष संचालक, मशीन संचालक, तकनीकी सहायक और सहायक जैसे पदों पर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए गए। चयनित अभ्यर्थियों को करीब 10 से 18 हजार रुपये प्रतिमाह तक के वेतन का प्रस्ताव मिला। अभियान में एमएसएमई प्रमोशनल काउंसिल, वी-मार्ट, फ्लिपकार्ट, मल्टी स्किल वेलफेयर सोसाइटी, एचडीएफसी फाइनेंस, ग्लोबल मैनपावर एंड प्लेसमेंट सर्विस, आयोग्य अस्पताल और आरके इंडस्ट्रीज सहित विभिन्न संस्थाओं ने सहयोग किया। अभियान के दौरान बेहतर प्रदर्शन करने वाले जिलों में कानपुर नगर सबसे आगे रहा, जहां 149 दिव्यांगजनों का चयन हुआ। इसके अलावा आजमगढ़ में 77, अमरोहा में 69, बरेली में 63 और सुलतानपुर में 56 दिव्यांगजन रोजगार एवं स्वरोजगार से जुड़े।

तमिलनाडु में किसानों के लिए 75 हजार रुपये तक का फसल कर्ज माफ

चेन्नई(एजेंसी)। तमिलनाडु सरकार ने किसानों को बड़ी राहत देते हुए फसल कर्जमाफी योजना का दायरा बढ़ाने का ऐलान किया है। मुख्यमंत्री सी. विजय जोसेफ ने सोमवार को विधानसभा में घोषणा की कि सहकारी बैंकों से लिए गए 75 हजार रुपये तक के फसल कर्ज को पूरी तरह माफ किया जाएगा। सरकार के इस फैसले से प्रदेश के 13.34 लाख किसानों को लाभ मिलने का दावा किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों और कृषि क्षेत्र का कल्याण सरकार की प्राथमिकताओं में सबसे ऊपर है। उन्होंने कहा कि किसानों की आजीविका की रक्षा करना, उनके कर्ज का बोझ कम करना और खेती को मजबूत बनाना सरकार की प्रमुख जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री के अनुसार, नई व्यवस्था के तहत 75 हजार से एक लाख रुपये तक के फसल कर्ज पर अधिकतम 75 हजार रुपये की माफी दी जाएगी। इससे 2,38,264 किसानों को अतिरिक्त लाभ मिलने की उम्मीद है। वहीं, एक लाख रुपये से अधिक के कर्ज पर 35 हजार रुपये की तय कर्जमाफी दी जाएगी। कर्जमाफी योजना का दायरा बढ़ाए जाने से सरकार पर 953.06 करोड़ रुपये का अतिरिक्त वित्तीय भार पड़ेगा। इसके बाद योजना की कुल लागत बढ़कर 6,220 करोड़ रुपये हो गई है। सरकार के मुताबिक, 31 जुलाई तक 5,267 करोड़ रुपये की राशि 13.34 लाख किसानों के बैंक खातों में सीधे भेजी जा चुकी है। अब योजना का विस्तार किए जाने के बाद शेष पात्र किसानों को भी इसका लाभ दिया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को मिलेंगे स्वीकृति प्रमाण पत्र

देवरिया। जनकल्याणकारी योजनाओं के चयनित लाभार्थियों को अब स्वीकृति प्रमाण पत्र वितरित किए जाएंगे। इसके लिए 'सेवा, संस्कार, सुशासन एवं सम्मान' शिविर का आयोजन 18 अगस्त को भाटपाररानी तहसील परिसर में किया जाएगा। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी अविनाश मणि त्रिपाठी ने बताया कि जिलाधिकारी के निर्देश पर सोशल सेक्टर विभाग के अंतर्गत संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित चयनित लाभार्थियों के लिए शिविर आयोजित किया जा रहा है। 18 अगस्त को सुबह 10 बजे से तहसील भाटपाररानी परिसर में आयोजित कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में चयनित लाभार्थियों को संबंधित योजनाओं के स्वीकृति प्रमाण पत्र वितरित किए जाएंगे। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी ने तहसील भाटपाररानी क्षेत्र के सभी चयनित आवेदकों एवं लाभार्थियों से निर्धारित तिथि और समय पर तहसील परिसर में पहुंचने की अपील की है, ताकि उन्हें जनप्रतिनिधियों के माध्यम से स्वीकृति प्रमाण पत्र प्राप्त हो सके।

स्वतंत्रता दिवस पर चहुंओर शान से लहराया तिरंगा

आजाद देश की शान है तिरंगा- सुधा

रूद्रपुर, देवरिया। स्वतंत्रता दिवस पर तहसील क्षेत्र के रुद्रपुर नगर एवं देहात क्षेत्र में विभिन्न शिक्षण संस्थाओं और सरकारी कार्यालय में शान से तिरंगा लहराया गया। इस अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए व आजादी के बीर सपूतों को याद किया गया। कई स्थानों पर तिरंगा यात्रा भी निकली गई। नारायणपुर स्थित विजयम् पब्लिक स्कूल में ध्वजारोहण के बाद विशाल तिरंगा यात्रा निकाली गई। जो विद्यालय से निकलकर नारायणपुर चौराहा होते हुए विद्यालय पर आकर समाप्त हुई। विजयम् पब्लिक स्कूल में प्रधानाचार्य अश्वनी द्विवेदी ने झंडारोहण किया।नगर पंचायत कार्यालय व रुद्रपुर पब्लिक स्कूल पर नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सुधा निगम एवं राजीव गांधी जूनियर हाई स्कूल, ओम सरस्वती विद्या मंदिर तथा सेंट थॉमस स्कूल पर भाजपा क्षेत्रीय उपाध्यक्ष छट्ठे लाल निगम, तहसील में एसडीएम राजकुमार गुप्ता, कोतवाली में कोतवाल कल्याण सिंह सागर, ब्लाक कार्यालय में प्रमुख ऊषा पासवान, सीएचसी में डा वी बी सिंह, पीएसटी एलिमेंट्री लुअठहीं में रत्नेश त्रिपाठी, केडी पब्लिक स्कूल में श्याम विश्वकर्मा, आर एस मेमोरियल बजरंग चौराहे पर ब्रम्हानंद दूबे, इन्दिरा पब्लिक स्कूल में शिवानन्द विश्वकर्मा ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर संस्थाओं में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए।

करंट की चपेट में आने से विवाहिता की मौत

महराजगंज (पनियरा)। थाना क्षेत्र के ग्राम सभा रजौड़ा पंजूम गांव के बच्चा टोले में सोमवार दोपहर खेत में लगे करंट प्रवाहित तार की चपेट में आने से एक महिला की मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही गांव में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।जानकारी के अनुसार बड़हलगंज थाना क्षेत्र के धूबौली गांव निवासी लक्ष्मण सिंह की पत्नी शीला अपने मायके रजौड़ा पंजूम आई हुई थीं। सोमवार सुबह वह शौच के लिए घर से बाहर निकली थीं। बताया जा रहा है कि एक किसान ने अपनी फसलों को जंगली जानवरों से बचाने के लिए खेत के चारों ओर तार की बाड़ लगाई थी, जिसमें अवैध रूप से बिजली का करंट प्रवाहित किया जा रहा था। खेत के पास पहुंचते ही शीला अनजाने में उस तार के संपर्क में आ गई और गंभीर रूप से झुलस गई। उनकी चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। परिजन उन्हें आनन-फानन में इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज, गोरखपुर ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उन्होंने दम तोड़ दिया।

मृतका शीला के दो बेटे सत्यम 20 वर्ष और शिवम 17 वर्ष हैं। उनकी दो बेटियों की शादी हो चुकी है। पति लक्ष्मण सिंह मुंबई में पेंट-पॉलिश का काम करते हैं। घटना की सूचना मिलने पर वह घर के लिए रवाना हो गए हैं।पनियरा थानाध्यक्ष संजय कुमार सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। करंट युक्त तार लगाने वाले के खिलाफ आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि खेतों में इस तरह अवैध करंट का प्रयोग न करें, यह जानलेवा साबित हो सकता है।

मलिहाबाद में दारोगा श्री प्रकाश व सिपाही आशीष मलिक ने बैरिकेडिंग लगाकर रोकी तिरंगा यात्रा

.....स्वतंत्र प्रभात के पत्रकार एवं मलिहाबाद के प्रसिद्ध यूट्यूबर राहुल मलिहाबादी से अभद्रता, पत्रकार रितिक से गाली-गलौज का आरोप !

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मलिहाबाद, लखनऊ। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पत्रकारों द्वारा आयोजित तिरंगा यात्रा को रोकने और पत्रकारों व महिलाओं के साथ कथित तौर पर अभद्र व्यवहार किए जाने का मामला सामने आया है। पत्रकारों ने मलिहाबाद प्रशासन के पुलिसकर्मियों पर गंभीर आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है। आरोप है कि तिरंगा यात्रा के दौरान दारोगा श्री प्रकाश और सिपाही आशीष मलिक ने यात्रा को रोकने के साथ पत्रकारों से गाली-गलौज और महिलाओं से अभद्रता की। बताया गया कि 15 अगस्त को सुबह करीब 11 बजे ग्राम शेरावा से पत्रकारों द्वारा तिरंगा यात्रा निकाली गई थी। यात्रा में पत्रकारों के साथ बड़ी संख्या में लोग और महिलाएं भी शामिल थीं। तिरंगा यात्रा जब मलिहाबाद चौराहे पर पहुंची तो वहां मौजूद दारोगा श्री प्रकाश ने यात्रा को कस्बे के अंदर जाने से रोक दिया। इसी दौरान स्वतंत्र प्रभात के पत्रकार एवं मलिहाबाद के चर्चित यूट्यूबर राहुल मलिहाबादी ने कथित तौर पर दारोगा से सवाल किया कि आखिर तिरंगा यात्रा को कस्बे के अंदर से जाने की अनुमति क्यों नहीं दी जा रही है। आरोप है कि सवाल पूछे जाने पर दारोगा श्री प्रकाश भड़क गए और राहुल मलिहाबादी के साथ कथित रूप से अपशब्दों का इस्तेमाल करने लगे। बताया जा रहा है कि इसके बाद तिरंगा यात्रा आगे बढ़ी, लेकिन मलिहाबाद थाने से करीब 100 मीटर पहले सिपाही आशीष मलिक ने बैरिकेडिंग लगाकर यात्रा को दोबारा रोक दिया। इससे मौके पर मौजूद लोगों और पत्रकारों में नाराजगी बढ़ गई। पत्रकारों का आरोप है कि इसी दौरान दारोगा श्री प्रकाश और सिपाही आशीष मलिक ने पत्रकार रितिक के साथ भी गाली-गलौज की और कथित तौर पर धमकी भरे शब्दों का इस्तेमाल किया। आरोप है कि दारोगा द्वारा पत्रकार से कहा गया कि उसकी 'सारी नेतागिरी निकाल दी जाएगी।'

महिलाओं से भी अभद्रता का आरोप

मामले को लेकर पत्रकारों ने यह भी गंभीर आरोप लगाया है कि तिरंगा यात्रा में शामिल महिलाओं के साथ पुलिसकर्मियों ने कथित तौर पर अभद्र व्यवहार किया। इससे मौके पर मौजूद लोगों में आक्रोश फैल गया। काफी देर तक यात्रा को रोके जाने के बाद जब लोगों ने विरोध किया तो आखिरकार तिरंगा यात्रा को आगे जाने दिया गया।

स्वतंत्रता दिवस पर तिरंगा यात्रा रोकने पर उठे सवाल

इस पूरे घटनाक्रम को लेकर पत्रकारों ने प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए हैं। उनका कहना है कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर निकाली जा रही तिरंगा यात्रा के लिए यदि कोई प्रशासनिक या यातायात संबंधी प्रतिबंध था तो पुलिस अधिकारियों को आयोजकों को पहले से इसकी जानकारी देनी चाहिए थी। लेकिन कथित तौर पर जिस तरीके से यात्रा को रोका गया और पत्रकारों के साथ व्यवहार किया गया, उससे पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। पत्रकारों का कहना है कि क्या स्वतंत्रता दिवस के दिन शांतिपूर्ण तरीके से तिरंगा यात्रा निकालना भी अपराध हो गया है? यदि यात्रा के रूट को लेकर प्रशासन को कोई आपत्ति थी तो उसे बातचीत के माध्यम से सुलझाया जा सकता था।

कार्रवाई की मांग, नहीं तो धरने की चेतावनी

मामले के बाद पत्रकारों में नाराजगी है। पत्रकारों ने संबंधित पुलिसकर्मियों के व्यवहार की जांच कराकर दोषी पाए जाने पर कार्रवाई की मांग की है। पत्रकारों का कहना है कि यदि मामले में निष्पक्ष जांच और उचित कार्रवाई नहीं की गई तो वे लोकतांत्रिक तरीके से धरना-प्रदर्शन करने के लिए मजबूर होंगे। अब सवाल यह है कि स्वतंत्रता दिवस के दिन तिरंगा यात्रा को रोकने और पत्रकारों व महिलाओं के साथ कथित अभद्रता के इन आरोपों पर मलिहाबाद प्रशासन क्या कदम उठाता है। क्या पूरे मामले की निष्पक्ष जांच होगी? क्या आरोप सही पाए जाने पर संबंधित पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई होगी? या फिर यह मामला भी महज आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित रह जाएगा? वहीं मलिहाबाद थाना प्रभारी इंस्पेक्टर सुरेंद्र सिंह भाटी के द्वारा दो दिन का समय मांगा गया और जांच कर कार्यवाही करने का आश्वासन दिया गया,फिलहाल पत्रकारों की नजरें प्रशासन की अगली कार्रवाई पर टिकी हैं।

द ग्रेट बुद्धा पब्लिक स्कूल में आजादी महोत्सव की धूम, सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने बांधा समां

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रिपोर्ट- प्रमोद यादव (पत्रकार)

गाजीपुर: द ग्रेट बुद्धा पब्लिक स्कूल, मंगल मड़ई छावनी लाइन में 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर भव्य समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय के पितामह श्री नंदलाल कुशवाहा द्वारा ध्वजारोहण के साथ हुई। इसके बाद विद्यार्थियों और शिक्षकों ने राष्ट्रगान, झंडा गीत, सारे जहां से अच्छा और वंदे मातरम् प्रस्तुत कर देशभक्ति का संदेश दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. अवधेश कुमार और धर्मदेव कुशवाहा उपस्थित रहे। इस दौरान विद्यालय परिसर देशभक्ति के रंग में रंगा नजर आया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में क्षेत्रीय कलाकार अजय भारद्वाज, सुनीता मौर्या, संजय विश्वकर्मा, रिशु राज और नेहा सोनाली ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया। इसके बाद वीरों के सम्मान में एक भव्य झांकी निकाली गई, जो विद्यालय से आदर्श बाजार, पीजी कॉलेज गोराबाजार, डीएम आवास और शास्त्री नगर चौराहे से होते हुए पुनः विद्यालय परिसर पहुंची। इस अवसर पर प्रधानाचार्या सोनी मैम, डायरेक्टर बंसराज सर, संचालक विपिन सर, शशिकांत सर, प्रिया मैम, पूजा मैम, रिया मैम, संजय सर, दिवाकर विश्वकर्मा, गुनगुन मैम सहित बड़ी संख्या में अभिभावक और क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

बारिश में कच्चा मकान ढहा, बाल-बाल बचा मजदूर परिवार

.....कई वर्षों से प्रधानमंत्री आवास के लिए लगा रहा था गुहार, मकान गिरने के बाद खुले आसमान के नीचे आया परिवार।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज। नागपंचमी के पर्व पर जहां लोग त्योहार की खुशियां मना रहे थे, वहीं निगोहां क्षेत्र के हरि कुंवर खेड़ा गांव में बारिश के चलते एक गरीब मजदूर परिवार का वर्षों पुराना कच्चा मकान भरभराकर ढह गया। गनीमत रही कि हादसे के समय परिवार के सदस्य मकान के अंदर नहीं थे और बाल-बाल बच गए। मकान गिरने के बाद परिवार के सामने रहने का संकट खड़ा हो गया है। जानकारी के मुताबिक निगोहां थाना क्षेत्र के रघुनाथ खेड़ा मजरा हरि कुंवर खेड़ा निवासी मजदूर हार्दिक का परिवार लंबे समय से जर्जर कच्चे मकान में रह रहा था। लगातार बारिश के कारण मकान की दीवारें और कमजोर हो गई थीं। सोमवार को अचानक मकान भरभराकर ढह गया। हादसे में परिवार के किसी सदस्य को चोट नहीं आई। परिवार का कहना है कि पक्का मकान पाने के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत ग्राम प्रधान से लेकर अधिकारियों तक कई बार गुहार लगाई गई, लेकिन अभी तक आवास का लाभ नहीं मिला। पीड़ित के मुताबिक मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण होता है और आर्थिक स्थिति बेहद खराब है। मकान गिरने के बाद परिवार के पास सिर छिपाने तक की जगह नहीं बची है।

लेखपाल ने मौके पर पहुंचकर लिया जायजा

मकान गिरने की सूचना मिलने पर संबंधित क्षेत्रीय लेखपाल मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने मकान गिरने से हुए नुकसान का जायजा लेने के साथ पीड़ित परिवार से आवश्यक दस्तावेज भी लिए। लेखपाल ने नियमानुसार कार्रवाई और सहायता का भरोसा दिया। पीड़ित हार्दिक ने प्रशासन से तत्काल आर्थिक सहायता दिलाने और पात्रता के आधार पर प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने की मांग की है। वहीं ग्रामीणों ने भी प्रशासन से परिवार की स्थिति को देखते हुए शीघ्र मदद उपलब्ध कराने की मांग की है, ताकि गरीब परिवार को खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर न होना पड़े।

अंडमान में हनीमून के दौरान पीरियड्स आने पर पत्नी से मारपीट, गला दबाने का आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। रामगढ़ताल थाना क्षेत्र की एक युवती ने अपने पति और ससुराल वालों पर दहेज उत्पीड़न, मारपीट और गंभीर प्रताड़ना के आरोप लगाए हैं। पीड़िता का आरोप है कि शादी के कुछ ही दिन बाद से उसे परेशान किया जाने लगा। हनीमून के दौरान अंडमान निकोबार में पीरियड्स आने पर पति ने उसके साथ मारपीट की और गला दबाने की कोशिश की। मामले में पीड़िता की शिकायत पर रामगढ़ताल थाने में पति समेत ससुराल पक्ष के लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। पीड़िता के मुताबिक उसका विवाह दिल्ली निवासी निखिल मिश्रा के साथ हुआ था। शादी में उसके परिवार की ओर से करीब 40 लाख रुपये का दहेज दिए जाने का आरोप है। विवाह के बाद वह पति के साथ अंडमान निकोबार हनीमून पर गई थी। आरोप है कि इसी दौरान उसके पीरियड्स आ गए, जिसको लेकर पति नाराज हो गया। विवाद बढ़ने पर पति ने उसके साथ मारपीट की और गला दबाने का प्रयास किया। पीड़िता ने घटना के बाद खुद को असुरक्षित महसूस करने की बात कही है।

आरोप है कि अंडमान से लौटने के बाद भी ससुराल में उसका उत्पीड़न जारी रहा। शादी के करीब 45 दिन बाद उसे कथित तौर पर घर से निकाल दिया गया। इसके बाद पीड़िता ने अपने परिजनों को पूरी घटना की जानकारी दी और न्याय की मांग को लेकर पुलिस अधिकारियों से गुहार लगाई। पीड़िता ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से शिकायत करते हुए पति और ससुराल पक्ष के लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। एसएसपी के निर्देश के बाद रामगढ़ताल पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया। पुलिस अब लगाए गए आरोपों की जांच कर रही है और मामले से जुड़े तथ्यों, घटनाक्रम तथा दोनों पक्षों के बयानों को जुटाया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर लिया गया है। विवेचना के दौरान सामने आने वाले साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल मामला पति-पत्नी के बीच विवाद और गंभीर आरोपों से जुड़ा होने के कारण क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।

चोरी की दो वारदातों का खुलासा, 1.08 लाख और नौ सिक्के बरामद

देवरिया। कोतवाली पुलिस ने चोरी की दो घटनाओं का खुलासा करते हुए एक विधि विरुद्ध बालक को पुलिस अभिरक्षा में लिया है। उसके कब्जे से 1.08 लाख रुपये नकद और सफेद धातु के नौ सिक्के बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार पूछताछ में बालक ने साथियों के साथ मिलकर दोनों घटनाओं को अंजाम देने की बात स्वीकार की है। मामले में शामिल दो अन्य वांछित आरोपितों की तलाश की जा रही है। पुलिस अधीक्षक अभिजित आर. शंकर के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी आनंद पांडेय के निर्देशन में कोतवाली पुलिस ने 16/17 अगस्त की रात मुखबिर की सूचना पर कसया मार्ग ओवरब्रिज के पास बालक को पकड़ा। तलाशी में उसके पास से नकदी और नौ सफेद धातु के सिक्के मिले। पुलिस के मुताबिक पहली घटना नौ अगस्त की रात कोतवाली रोड स्थित एजीएस बैटरी एंड सोलर सॉल्यूशन की दुकान में हुई थी। चोरों ने रात करीब दो बजे दुकान का शटर उठाकर काउंटर तोड़ा और करीब 3.50 लाख रुपये नकद लेकर फरार हो गए थे। इस संबंध में कोतवाली थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था।

बाउंड्री तोड़ने के मुकदमे के बाद आरोपी ने वायरल किया वीडियो

.....विवेचक पर धनउगाही का आरोप लगाने का दावा, पुलिस ने आरोपी का आपराधिक इतिहास बताया।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज। निगोहां थाना क्षेत्र में खेत की बाउंड्री तोड़े जाने के मामले में मुकदमा दर्ज होने के बाद आरोपी ने सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल कर विवेचक पर धनउगाही का आरोप लगाया। पुलिस ने आरोपों को गंभीरता से लेते हुए वीडियो की जांच शुरू कर दी है। वहीं पुलिस ने आरोपी के खिलाफ लखनऊ और रायबरेली के विभिन्न थानों में करीब एक दर्जन मुकदमे दर्ज होने की जानकारी दी है। पुलिस के मुताबिक, रिटायर्ड आईआरएसएस अधिकारी राम रक्षा ने खेत की बाउंड्री तोड़े जाने के संबंध में निगोहां थाने में तहरीर दी थी। तहरीर के आधार पर अनमोल तिवारी, रोहित तिवारी और लव द्विवेदी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। मामले की विवेचना उपनिरीक्षक मोहित सैनी कर रहे हैं। पुलिस का कहना है कि मुकदमा दर्ज होने के बाद आरोपी अनमोल तिवारी उर्फ विकास तिवारी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल किया। वीडियो में विवेचक पर धनउगाही के आरोप लगाए गए। पुलिस ने इसे मामले में पेशबंदी के तौर पर वीडियो वायरल किए जाने की बात कही है। पुलिस के अनुसार अनमोल तिवारी के खिलाफ निगोहां, बछरावां और मिल एरिया थानों में वर्ष 2018 से 2026 के बीच मारपीट, धमकी, धोखाधड़ी और चोरी समेत विभिन्न धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं। इनमें एससी-एसटी एक्ट के मामले भी शामिल बताए गए हैं। पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ दर्ज मुकदमों की जानकारी जुटाकर मामले की जांच की जा रही है। साथ ही वायरल वीडियो में लगाए गए धनउगाही के आरोपों की भी जांच की जा रही है। पुलिस के मुताबिक, मामले की विवेचना नियमानुसार जारी है।

वेयर हाउस के गार्ड पर बदमाशों ने की फायरिंग, छर्रे लगने से घायल

.....खटपट की आवाज सुनकर जांच करने पहुंचे थे गार्ड, पुलिस ने दो अज्ञात बदमाशों के खिलाफ दर्ज किया मुकदमा।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

क्राइम
स्वतंत्र प्रभात

गोसाईगंज। सुशांत गोल्फ सिटी क्षेत्र स्थित अंसल वेयर हाउस में शनिवार देर रात बदमाशों ने ड्यूटी पर तैनात गार्ड पर फायरिंग कर दी। गोली के छर्रे लगने से गार्ड पंकज यादव घायल हो गए। उनके पेट के ऊपरी हिस्से और दाहिनी आंख की भौंह के पास छर्रे लगे हैं। घायल को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही एडीसीपी दक्षिणी रल्ला पल्ली वसंथ कुमार, एसीपी गोसाईगंज ऋषभ यादव और सुशांत गोल्फ सिटी पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी। इंस्पेक्टर सुशांत गोल्फ सिटी राजीव रंजन उपाध्याय के मुताबिक, गोसाईगंज के उदवतखेड़ा निवासी पंकज यादव समेत अन्य गार्ड अंसल क्षेत्र स्थित वेयर हाउस में ड्यूटी कर रहे थे। इसी दौरान वेयर हाउस के पीछे की ओर से खटपट की आवाज सुनाई दी। गार्डों ने कुछ दूरी से आवाज लगाकर जानकारी लेने का प्रयास किया। आवाज की दिशा में पहुंचने पर वहां मौजूद एक बदमाश ने तमंचे से फायर कर दिया। फायरिंग में निकले छर्रे पंकज यादव को लगे और वह जमीन पर गिर पड़े। फायरिंग के बाद बदमाश मौके से फरार हो गए। पुलिस ने मामले में दो अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। एडीसीपी दक्षिणी ने बताया कि आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए पुलिस की तीन टीमें गठित की गई हैं। टीमें संदिग्ध व्यक्तियों की तलाश के साथ ही घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही हैं।

नागपंचमी के अवसर पर गुड़िया पीटने गये तीन बालकों की पोखरे में डूबने से मौत

खजनी गोरखपुर बांसगांव थाना के ग्राम बैदौली बाबू में नागपंचमी के दिन तब कोहराम मच गया जब यह हल्ला हुआ कि गांव के दक्षिण स्थित मठिया पोखरे में गुड़िया पीटने गये तीन नाबालिग बच्चों डूब गये हैं गांव के लोग जहां थे वह सभी मठिया पोखरे में जाल डाल कर तथा तैरनेवाले पोखरे में कूद कर डूबे बच्चों की तालाश करने लगे ।पोखरे में गांव के लोगों द्वारा दो मृतक तथा एक जिवीत को बाहर निकालें बाद में तीसरा बच्चा भी दम तोड़ दिया। नागपंचमी के अवसर पर सुबह 9 बजे के लगभग बहनों की गुड़िया पीटने के लिए गए तीनों गुड़िया पीटने के बाद मठिया पोखरे में खूब नहा रहे थे इसी में एक गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा दूसरा तीसरा बचाने गहरे पानी में चले गए वह भी डूब गया गांव में तहलका मच गया लोग तीनों को बाहर निकालें। मृतकों में तीनों यादव परिवार के लड़के हैं जिनमें सचिन पुत्र भजुराम14 वर्ष जो कक्षा 6 का छात्र था इसके पास एक भाई है और पिता मजदूरी करता। दूसरा अनुज पुत्र सत्यप्रकाश उम्र 9 वर्ष कक्षा तीन का छात्र था इसके पास भी एक भाई है। इसका पिता पेंट पालिश का काम करता है। तीसरा हरिश पुत्र राधेश्याम उम्र 12 वर्ष कक्षा पांच का छात्र था यह माता पिता का इकलौता बेटा था जिसके घर का चिराग बुझ गया इसकी एक बहन है पिता दुबई में मजदूरी करता है।

खजनी तहसील में धूमधाम से मनाया गया नाग पंचमी का त्यौहार

जगह- जगह आयोजित हुई खेल प्रतियोगिता, शिव मंदिरों में दिन भर रही भीड़

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खजनी। गोरखपुर सोमवार को जिले भर में नागपंचमी का पर्व धूमधाम से मनाया गया। शिव मंदिरों में भगवान शिव के साथ ही नाग देवता की पूजा की गई। बच्चों ने तालाब, पोखरों व नदी के किनारे परंपरागत तरीके से गुड़िया पीटा। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में जगह-जगह कुश्ती, कबड्डी, खो-खो एवं लंबी दौड़ व खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। लोगों ने कालसर्प दोष से मुक्ति के लिए विभिन्न मंदिरों, नदी व तालाबों के पास पूजा-अर्चना कराई। नागपंचमी के अवसर पर घर में सुख संपन्नता व समृद्धि के लिए सुबह परंपरागत परिधानों में सजी धजी महिलाओं और लड़कियों ने शिवमंदिर पहुंच पूजा-अर्चना की। सुबह से घरों के बाहर गोबर से नाग देव का चिह्न बनाकर उसकी पूजा की। महिलाओं ने नागदेव की कथा भी सुनी।

श्रावण मास के चलते शिव मंदिरों के बाहर तमाम सपेरे नाग के साथ नजर आए। शिवभक्तों ने मंदिर में दर्शन करने के बाद नाग के जोड़ों के आगे श्रद्धा के साथ नतमस्तक हुए। कुछ ने नाग को दूध और लावा भी चढ़ाया। जिन लोगों की जन्मकुंडली में कालसर्प दोष है, उन्होंने दोष से निवारण के लिए खास पूजा की। शिवालय और नदियों के तट पर पूजन-अर्चन कर इस दोष से मुक्ति का उपाय किया। खजनी तहसील के जैशर नाथ शिव मंदिर, प्राचीन शिव मंदिर झारखंडेश्वर टेकवर झारखंडी शिव मंदिर सरया तिवारी आदि स्थानों पर परिवार के साथ बच्चों ने नागपंचमी का पर्व मनाया और भगवान शिव का दर्शन किया।

महिलाओं ने गाया कजरी और झूले का लुत्फ उठाया

नागपंचमी के अवसर पर गांवों में बच्चों और महिलाओं ने जमकर झूले का लुत्फ उठाया। शादी के बाद पहली बार नाग पंचमी का पर्व पड़ने पर नवविवाहिताएं मायके पहुंची तो उन्होंने सहेलियों के साथ जमकर मस्ती की। घरों में मिठाइयां और पकवान तैयार किए गए। महिलाएं पीपल एवं बरगद के पेड़ की डाल पर झूले डालकर कजरी गीत गाया और झूले का लुत्फ उठाया।

भर्ती परीक्षाएं समयबद्ध कराने पर मुख्य सचिव का जोर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के युवाओं को अधिकाधिक रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने और सरकारी सेवाओं में चयन प्रक्रिया को समयबद्ध एवं सुगम बनाने के उद्देश्य से मुख्य सचिव एस.पी. गोयल की अध्यक्षता में सोमवार को विभिन्न चयन आयोगों एवं भर्ती बोर्डों के साथ बैठक हुई। बैठक में भर्ती परीक्षाओं के आयोजन, परिणाम जारी करने, अभिलेख सत्यापन और नियुक्ति की प्रक्रिया को निर्धारित समयसीमा में पूरा करने पर जोर दिया गया। मुख्य सचिव ने कहा कि प्रदेश के युवाओं को रोजगार के अधिक से अधिक अवसर उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने चयन आयोगों एवं भर्ती संस्थाओं से अपनी स्वायत्तता और निर्धारित नियमों का पालन करते हुए भर्ती प्रक्रियाओं को यथासंभव समयबद्ध तरीके से आगे बढ़ाने की अपेक्षा की, ताकि योग्य अभ्यर्थियों को नियुक्ति के लिए अनावश्यक प्रतीक्षा न करनी पड़े। उन्होंने कहा कि विभिन्न चयन परीक्षाओं के आयोजन से लेकर परिणाम, अभिलेख सत्यापन और नियुक्ति तक की पूरी प्रक्रिया के लिए वार्षिक कैलेंडर और निर्धारित समयसीमा का प्रभावी पालन किया जाना चाहिए। किसी स्तर पर प्रक्रिया लंबित होने की स्थिति में संबंधित संस्थाओं को नियमित समीक्षा कर आवश्यक समन्वय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। मुख्य सचिव ने भर्ती परीक्षाओं में पारदर्शिता, शुचिता और निष्पक्षता को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि परीक्षा प्रक्रिया के प्रत्येक चरण में निर्धारित मानकों और नियमों का पूरी तरह पालन किया जाना चाहिए। साथ ही आधुनिक तकनीकी संसाधनों का अधिकाधिक उपयोग कर परीक्षा व्यवस्था को सुरक्षित, सुगम और विश्वसनीय बनाने की दिशा में काम किया जाए। उन्होंने कहा कि भर्ती प्रक्रिया में तेजी लाना जरूरी है, लेकिन इसके साथ परीक्षा की गुणवत्ता और विश्वसनीयता से किसी तरह का समझौता नहीं होना चाहिए। विभिन्न भर्ती संस्थाओं के बीच बेहतर समन्वय और अनुभवों के आदान-प्रदान से चयन प्रक्रिया को और प्रभावी बनाया जा सकता है। बैठक में विभिन्न चयन आयोगों एवं भर्ती बोर्डों के वरिष्ठ अधिकारियों ने चल रही भर्ती परीक्षाओं की प्रगति, चयन प्रक्रिया की समयसीमा और परीक्षा व्यवस्थाओं से संबंधित जानकारी साझा की। इस दौरान भर्ती प्रक्रियाओं को और अधिक सुगम एवं समयबद्ध बनाने को लेकर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। बैठक में प्रमुख सचिव नियुक्ति एवं कार्मिक एम. देवराज, उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग के अध्यक्ष प्रशांत कुमार, प्रमुख स्टाफ ऑफिसर अमृता सोनी सहित उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग, उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग और उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

आकांक्षात्मक विकास खंडों की धीमी प्रगति पर मुख्य सचिव सख्त

लखनऊ। मुख्य सचिव एसपी गोयल ने सोमवार को आकांक्षात्मक विकास खंड कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए राज्य औसत से कम प्रगति वाले विकास खंडों में सुधार के लिए प्रभावी और समयबद्ध कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित विभागों को कमजोर संकेतकों को राज्य औसत से ऊपर लाने का लक्ष्य निर्धारित करने और बेहतर समन्वय के लिए विभागीय नोडल अधिकारी नामित करने को कहा। समीक्षा बैठक में आकांक्षात्मक विकास खंडों में विभिन्न विभागों की योजनाओं और प्रमुख संकेतकों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। मुख्य सचिव ने कहा कि निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप समयबद्ध कार्रवाई करते हुए पात्र लाभार्थियों तक योजनाओं का लाभ प्रभावी ढंग से पहुंचाया जाए। उन्होंने जनपद और विकास खंड स्तर के अधिकारियों के साथ संकेतकों की प्रगति की त्रैमासिक समीक्षा अनिवार्य रूप से करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समीक्षा बैठकों की सूचना और कार्यवृत्त विभागीय लॉगिन के माध्यम से नियोजन विभाग के पोर्टल पर अपलोड किया जाए, ताकि प्रगति की नियमित निगरानी और प्रभावी अनुश्रवण सुनिश्चित हो सके। मुख्य सचिव ने कहा कि आकांक्षात्मक विकास खंडों के समग्र विकास के लिए विभागों के बीच बेहतर समन्वय, गुणवत्तापूर्ण आंकड़े और नियमित निगरानी जरूरी है। उन्होंने आंकड़ों के प्रमाणीकरण और पर्यवेक्षण तंत्र को मजबूत करने पर जोर दिया। लाइन लिस्टिंग के आधार पर प्रमाणिक और अद्यतन आंकड़े उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए।

पैतृक संपत्ति को लेकर दो पक्षों में विवाद, चार पर निरोधात्मक कार्रवाई

क्राइम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज। हुलास खेड़ा गांव में पैतृक संपत्ति को लेकर दो पक्षों के बीच लंबे समय से चल रहे विवाद के बाद पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ निरोधात्मक कार्रवाई की है। पुलिस के मुताबिक दोनों पक्षों के बीच पहले भी मारपीट हो चुकी है, जिसको लेकर मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस के अनुसार हुलास खेड़ा निवासी चक्रधर साहू और मिथिलेश पत्नी स्वर्गीय बैकुंठ नाथ के बीच पैतृक संपत्ति को लेकर काफी समय से विवाद चल रहा है। पूर्व में हुए विवाद के मामले में चक्रधर साहू समेत अन्य के खिलाफ बीएनएस की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। रविवार को जमीन को लेकर दोनों पक्ष एक बार फिर आमने-सामने आ गए। सूचना मिलने पर पुलिस दोनों पक्षों को थाने ले आई। मामले में प्रथम पक्ष के शिखर साहू पुत्र चक्रधर साहू और अनूप कुमार पुत्र राजेंद्र तथा द्वितीय पक्ष के अभय साहू पुत्र स्वर्गीय बैकुंठ साहू, सभी निवासी हुलास खेड़ा, के खिलाफ बीएनएस के तहत निरोधात्मक कार्रवाई की गई। पुलिस ने बताया कि दोनों पक्षों के बीच विवाद को देखते हुए शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए कार्रवाई की गई है। पुलिस ने लगाए गए अन्य आरोपों को निराधार और असत्य बताया है।

श्री छत्रपाल बाबा मंदिर बलभद्र प्रसाद पूर्व माध्यमिक विद्यालय में धूमधाम से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिसवां/सीतापुर श्री छत्रपाल बाबा पंडित बलभद्र प्रसाद पूर्व माध्यमिक विद्यालय अल्लीपुर मैं बड़ी ही धूमधाम से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस का कार्यक्रम स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विद्यालय के बच्चों द्वारा निकाली गई तिरंगा रैली रैली के पश्चात ध्वजारोहण का कार्यक्रम संपन्न हुआ उसके बाद बच्चों के द्वारा कविता स्पीच और भाषण सुनने का अवसर मिला 7 विद्यालय के बच्चों के साथ-साथ कई अभिभावक भी उपस्थित रहे के ग्राम पेंडरा के प्रधान आलोक यादव जी, जिनके द्वारा बच्चों को मिष्ठान वितरण किया गया है, सिकंदरपुर निवासी आयुष सिंह के द्वारा बच्चों को पुरस्कार वितरण किया गया 7 विद्यालय के प्रधानाचार्य रजनीकांत दीक्षित जी के द्वारा बच्चों को शिक्षा के प्रति जागरूक किया 7

विद्यालय परिवार के सभी अध्यापक अध्यापिकाओं को सफल कार्यक्रम हेतु धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ..

80वां स्वतंत्रता दिवस ग्रामीण क्षेत्र में हर्षोल्लास के साथ गया मनाया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिसवां/सीतापुर 80वां स्वतंत्रता दिवस नगर एवं ग्रामीण क्षेत्र में बहुत ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कस्बे में लाल मुन्नू लाल स्मारक समिति द्वारा स्वतंत्रता संग्राम सेनानी जगन्नाथ प्रसाद अग्रवाल की मूर्ति का माल्यार्पण कर उनको याद किया गया। नगर की तहसील, खंड विकास कार्यालय ,सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिसवा ,नगर पालिका , ऐलपिस ग्लोबल स्कूल, बीएनएसडी पब्लिक स्कूल, सरस्वती शिशु मंदिर, पशु चिकित्सा केंद्र ,शुगर फैक्ट्री, रेलवे स्टेशन अन्य स्कूली संस्थाओं एवं काशीराम कॉलोनी नगर में देश की आन बान शान तिरंगा को फहराकर आजादी का जश्न मनाया गया ।वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राम पंचायत कार्यालय सरकारी समितियां सहित अन्य संस्थाओं पर भी ध्वजारोहण कर देश की आजादी के लिए अपना सर्वोच्च निछावर कर देने वाले महान क्रांतिकारियों को नमन कर श्रद्धा के फूल चढ़ाए गए। वहीं प्राथमिक विद्यालय मिर्जापुर में समाज सेविका सुंदरी अवस्थी ने विद्यालय में पढ़ने वाले छात्र एवं छात्राओं को स्वतंत्र भारत की महत्ता को बताते हुए विद्यालय के नौनिहालों को उपहार एवं लड्डू भेंट किया एवं नव निहालो के भविष्य को संवारने में लगे अध्यापक एवं अध्यापिकाओं को भी सम्मानित किया। समाज सेविका सुंदरी अवस्थी की ओर से बीते 10 वर्षों से लगातार अपने गांव के प्राथमिक विद्यालय के नौनिहालों के बीच पहुंच कर आजादी का जश्न लगातार मनाती आई हैं। छात्र एवं छात्राओं को पुरस्कार प्रदान कर उनकी हौसला अफजाई करती रही हैं ।यही नहीं समाज सेविका सुंदरी अवस्थी इसके अलावा भी अन्य क्षेत्रों में भी हमेशा सहयोग के साथ अपनी उपस्थिति अन्य आयोजनों में भी करते रही हैं । गौर करने वाली बात यह भी है कि उक्त समाज सेविका के द्वारा स्वयं बिना किसी दूसरे से आर्थिक सहयोग लिए बिना सभी की मदद करती रहती हैं जो उनके समाज सेवा एवं समाज के प्रति समर्पण भाव को प्रदर्शित करता है।

नगर निगम का अतिक्रमण पर चला बुलडोजर, 53 रैंप समेत ठेले-गुमटियां हटाई

लखनऊ। शहर में अतिक्रमण और यातायात अवरोध की समस्या को दूर करने के लिए नगर निगम ने सोमवार को सघन अभियान चलाया। नगर आयुक्त गौरव कुमार के निर्देश पर जोन-7 में हुई कार्रवाई के दौरान सड़क, नाली और नालों की पटरियों पर किए गए अवैध अतिक्रमण को हटाया गया। साथ ही गंदगी फैलाने और सिंगल यूज प्लास्टिक का इस्तेमाल करने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई की गई। जोनल अधिकारी विकास सिंह के नेतृत्व में नगर निगम की टीम ने पॉलिटेक्निक चौराहे से चिनहट तक सड़क के दोनों ओर तथा नाली-नालों की पटरियों पर किए गए अतिक्रमण को हटाया।

डीएम-एसपी के सामने उमड़ी फरियादियों की भीड़

राजस्व विभाग की 40 शिकायतों समेत 89 प्रकरण दर्ज; 12 मामलों का निस्तारण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर। जिलाधिकारी डॉ. राजा गणपति आर. ने अधिकारियों से कहा कि तहसील दिवस में प्राप्त शिकायतों को केवल औपचारिकता न समझा जाए, बल्कि प्रत्येक प्रकरण की मौके पर जांच कर नियमानुसार समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि शिकायतों को अनावश्यक रूप से लंबित रखने अथवा फरियादियों को बार-बार दौड़ाने की शिकायत मिलने पर संबंधित अधिकारी की जवाबदेही तय की जाएगी। महमूदाबाद-सीतापुर। स्वतंत्रता दिवस के कारण स्थगित हुआ तहसील दिवस सोमवार, 17 अगस्त को महमूदाबाद तहसील सभागार में आयोजित किया गया। जिलाधिकारी डॉ. राजा गणपति आर., पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल तथा उपजिलाधिकारी अभिषेक प्रियदर्शी ने फरियादियों की समस्याएं सुनीं। सुबह से ही तहसील परिसर में विभिन्न क्षेत्रों से आए फरियादियों की भीड़ जुटी रही। तहसील दिवस में राजस्व, पुलिस, विकास, नगर पालिका, विद्युत तथा समाज कल्याण विभाग से संबंधित शिकायतें प्रमुख रूप से सामने आईं। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर त्वरित, निष्पक्ष और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी भी फरियादी को अपनी समस्या के समाधान के लिए अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। तहसील दिवस के दौरान प्रस्तुत विभागवार विवरण के अनुसार राजस्व विभाग से संबंधित 40 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें 12 का निस्तारण किया गया, जबकि 28 प्रकरण अवशेष बताए गए। पुलिस विभाग से संबंधित 15, विकास विभाग से 15, नगर पालिका से 6, विद्युत विभाग से 5 तथा समाज कल्याण विभाग से 1 शिकायत दर्ज की गई। पुलिस और अन्य विभागों से संबंधित शिकायतों पर जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। भूमि विवाद, पुलिस कार्रवाई, विकास कार्यों तथा स्थानीय निकाय से जुड़े मामलों को गंभीरता से लेते हुए अधिकारियों को समयबद्ध समाधान के लिए निर्देशित किया गया। पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल ने भी पुलिस विभाग से संबंधित मामलों को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। तहसील दिवस में प्रशासन एवं पुलिस विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। अभिलेख में दर्ज कुल आंकड़ों के अनुसार तहसील दिवस में कुल 89 प्रकरण प्राप्त, 12 निस्तारित तथा 70 प्रकरण अवशेष अंकित किए गए हैं। विभागवार विवरण में हालांकि कुल संख्या 82 बनती है, इसलिए अंतिम प्रकाशन से पूर्व संबंधित कार्यालय से कुल आंकड़ों का सत्यापन किया जाना उचित होगा।

ब्लॉक खैराबाद के कंपोजिट विद्यालय जमैयतपुर में बच्चों का किया गया सम्मान

शिक्षा मनुष्य का बेहतरीन आभूषण हैः-सतीश कुमार मिश्र बी0 ई0 ओ0

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खैराबाद सीतापुर। स्थानीय ब्लॉक खैराबाद के कंपोजिट विद्यालय जमैयतपुर में आयोजित स्टार ऑफ़ द मंथ कार्यक्रम में खंड शिक्षा अधिकारी खैराबाद सतीश कुमार मिश्र ने माह जुलाई में शत प्रतिशत उपस्थिति वाले छात्रों माही प्रियांशी कान्हा हरिओम शिफा आदित्य आरोही शोभित रिमझिम शिवांश कनक शिवम सलोनी आकाश नेहा निहारिका अनन्या रुबीना सूर्यांश सोनिक अंशिका जायसवाल आशुतोष विशाल संजना दुर्गा शिवानी सबिया को प्रमाण पत्र , स्टेशनरी एवं स्टार ऑफ द मंथ के बैज लगाकर सम्मानित किया, श्री मिश्र ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा की इन बच्चों में असीम प्रतिभा है सभी बच्चे सरकार द्वारा संचालित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में जरूर प्रतिभाग करें तथा उसका लाभ उठाएं, खंड शिक्षा अधिकारी ने विद्यालय में मेन्यू के अनुसार निर्मित स्वादपूर्ण तहरी का बच्चों के साथ बैठकर खाने का आनंद लिया। बच्चों द्वारा प्रकाशित उनके अपने प्यारे समाचार पत्र *बाल मित्र* के 212 वें अंक का शानदार विमोचन किया तथा बच्चों के द्वारा अखबार में साझा की गई मौलिक रचनाओं उनके द्वारा बनाए गए चित्रों की सराहना की। विद्यालय में संचालित विभिन्न गतिविधियों का अवलोकन कर उनकी भूरि भूरि प्रशंसा की तथा भविष्य के लिए सकारात्मक निर्देश भी प्रदान किये।प्रभारी प्रधानाध्यापक योगेंद्र पांडेय ने इस अवसर पर सभी का आभार व्यक्त किया जबकि विद्यालय स्टाफ में ममता अग्निहोत्री, अर्चना मिश्रा,महिमा दीक्षित, रागिनी श्रीवास्तव, स्मिता गुप्ता , तहरुन्निसा ,कौशल किशोर त्रिपाठी, शिल्पी मिश्रा ,पूजा देवी,मनोज कुमार, तथा गीता देवी आदि उपस्थित रहे।

कोटेदारों के कमीशन में वृद्धि संघर्ष की जीत,संगठन ने जताया आभार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मिश्रिख़ (सीतापुर)। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा कोटेदारों के कमीशन में वृद्धि की घोषणा का ऑल इंडियन फेयर प्राइस शॉप डीलर एसोसिएशन, उत्तर प्रदेश ने स्वागत किया है। संगठन ने इसे प्रदेश के कोटेदारों के लंबे संघर्ष और एकजुटता की जीत बताया है।एसोसिएशन के प्रदेश मीडिया प्रभारी रविन्द्र यादव ने कहा कि आर्थिक तंगी, बढ़ती महंगाई और कम कमीशन की समस्या के बावजूद कोटेदार लगातार अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करते रहे। संगठन के नेतृत्व में सरकार के समक्ष कोटेदारों की समस्याओं और मांगों को लगातार प्रभावी ढंग से उठाया गया। उन्होंने इस संघर्ष में प्रदेश अध्यक्ष राजेश तिवारी, प्रदेश महासचिव अशोक सिंह तथा प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष गिरीश तिवारी के नेतृत्व और निरंतर प्रयासों के लिए साधुवाद व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि नेतृत्व के मार्गदर्शन में संगठन ने कोटेदारों की आवाज को मजबूती से सरकार तक पहुंचाया। रविन्द्र यादव ने प्रदेश के सभी कोटेदारों को कमीशन में वृद्धि की घोषणा पर बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि उनके परिश्रम, धैर्य और संगठन की एकजुटता का परिणाम है। उन्होंने कहा कि संगठन का लक्ष्य अभी पूरा नहीं हुआ है। 200 रुपये प्रति क्विंटल कमीशन की मांग को लेकर संघर्ष आगे भी जारी रहेगा। संगठन को उम्मीद है कि सरकार कोटेदारों की इस मांग पर भी शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेगी ।वही कोटेदारों के लाभांश बढ़ोतरी को लेकर मिश्रिख़ तहसील में भी मिश्रिख़ विधायक रामकृष्ण भार्गव, मुनेंद्र अवस्थी ,मिश्रिख़ एसडीएम सहित तमाम तमाम कोटेदार बंधु उपस्थित रहे।

व्यक्तित्व विकास एवं करियर काउंसलिंग पर अतिथि व्याख्यान, विशेषज्ञ ने छात्र-छात्राओं को दिए सफलता के मंत्र

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर। सीतापुर शिक्षा संस्थान, कनवाखेड़ा में 17 अगस्त 2026 को पर्सनैलिटी डेवलपमेंट एंड करियर काउंसलिंग विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पं. दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजाजीपुरम, लखनऊ, संबद्ध लखनऊ विश्वविद्यालय के सहायक आचार्य डॉ. विशाल वर्मा ने छात्र-छात्राओं को व्यक्तित्व विकास एवं बेहतर करियर निर्माण के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत जानकारी दी। डॉ. विशाल वर्मा की ज्ञानवर्धक एवं रोचक प्रस्तुति ने विद्यार्थियों के बीच सीखने के लिए सकारात्मक और संवादात्मक वातावरण तैयार किया। उन्होंने महत्वपूर्ण विषयों को सरल एवं प्रभावी ढंग से समझाते हुए छात्र-छात्राओं को सक्रिय सहभागिता के लिए प्रेरित किया। साथ ही विद्यार्थियों द्वारा पूछे गए विभिन्न सवालों का समाधान करते हुए उन्हें अपने भविष्य की दिशा निर्धारित करने के लिए उपयोगी सुझाव दिए। इस अवसर पर संस्थान की सचिव डॉ. सुमन मेहरोत्रा ने अतिथि वक्ता के उत्कृष्ट विचारों एवं व्याख्यान की सराहना की। उन्होंने छात्र-छात्राओं को व्याख्यान में बताए गए सकारात्मक विचारों और जीवन-मूल्यों को अपने दैनिक जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में सीतापुर शिक्षा संस्थान, कनवाखेड़ा के प्राचार्य डॉ. अजय कुमार ने विद्यार्थियों को आत्म-अनुशासन, संगठन क्षमता, लक्ष्य-उन्मुख व्यवहार, विश्वसनीयता, सामाजिकता, सकारात्मक ऊर्जा एवं बहिर्मुखी स्वभाव विकसित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा के साथ व्यक्तित्व का समग्र विकास विद्यार्थियों को भविष्य की चुनौतियों का सामना करने में सक्षम बनाता है। कार्यक्रम में सीतापुर शिक्षा संस्थान, रस्यौरा के प्राचार्य डॉ. मनोज मौर्या, एम.एड. के डॉ. संजीव सिंह, विभागाध्यक्ष बी.एड. डॉ. श्यामा कुमार सिंह, डीन एकेडमिक डॉ. राजीव कुमार, कार्यक्रम संयोजक श्री अजय कुमार सहित बी.एड., बी.एससी., बी.कॉम., बीसीए, बीबीए, एम.एड. एवं बीपीएड. के समस्त सहायक आचार्य तथा छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। अतिथि व्याख्यान के दौरान विद्यार्थियों ने करियर, व्यक्तित्व विकास और भविष्य की संभावनाओं से जुड़े विषयों पर विशेषज्ञ से संवाद किया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, सकारात्मक सोच एवं बेहतर करियर के लिए आवश्यक कौशल विकसित करने के प्रति जागरूक करना रहा।

नागपंचमी पर मऊ गांव में गूंजी गुड़िया पीटने की परंपरागत धुन

.....नागपंचमी पर बच्चों और नवयुवकों ने निभाई सदियों पुरानी लोक परंपरा, गुड़िया पीटने को लेकर बच्चों में दिखा खास उत्साह

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ की नगर पंचायत मोहनलालगंज के मऊ गांव में सोमवार को नागपंचमी का पर्व पारंपरिक रीति-रिवाजों और उल्लास के साथ मनाया गया। शाम के समय गांव की गलियों में नागपंचमी से जुड़ी प्राचीन लोक परंपरा का अनोखा नजारा देखने को मिला। घर की बेटियों द्वारा कपड़े से तैयार की गई गुड़िया को सड़क पर डालने के बाद घर के युवकों और बच्चों ने उसे पीटकर वर्षों पुरानी परंपरा को निभाया। नागपंचमी के अवसर पर मऊ गांव में बच्चों और नवयुवकों ने उत्साह के साथ गुड़िया पीटने की रस्म निभाई। इस दौरान गांव की गलियों में बच्चों की चहल-पहल और उत्साह देखने लायक रहा। वृशांक मिश्रा, वासवी मिश्रा, अहान मिश्रा, बृजय मिश्रा, बृजया मिश्रा, रामेष्ठ मिश्रा, यश गुप्ता, शिवा गुप्ता, आयुशी गुप्ता और लाडो गुप्ता सहित दर्जनों बच्चों व युवाओं ने इस पारंपरिक लोकाचार में हिस्सा लिया। ग्रामीणों के अनुसार नागपंचमी पर गुड़िया पीटने की यह परंपरा गांवों में लंबे समय से चली आ रही है। मान्यता और लोक परंपरा के अनुसार नागपंचमी की शाम घर की बेटियां कपड़े से गुड़िया बनाकर घर के बाहर या सड़क पर डालती हैं, जिसके बाद परिवार के युवक और बच्चे उसे पीटते हैं। इस रस्म को ग्रामीण पीढ़ी-दर-पीढ़ी चली आ रही लोक परंपरा के रूप में निभाते आ रहे हैं। मऊ गांव निवासी विजय सोनी, संतोष सोनी, गिरजा शंकर गुप्ता और सूरज गुप्ता ने बताया कि गांव में हर वर्ष नागपंचमी का पर्व प्राचीन परंपराओं के अनुसार धूमधाम से मनाया जाता है। खासकर बच्चों में गुड़िया पीटने की रस्म को लेकर काफी उत्साह रहता है। छोटे-छोटे बच्चे भी पूरे उमंग और उत्साह के साथ इस परंपरा में शामिल होते हैं, जिससे गांव की पुरानी लोक संस्कृति और परंपराएं आज भी जीवंत बनी हुई हैं।

गाजे-बाजे के साथ निकली भव्य कांवड़ यात्रा, जगह-जगह हुआ स्वागत

चौथी बार निकली यात्रा, हर बार की तरह इस बार भी भव्यता देखते ही बनी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर। विकासखंड परसेंडी क्षेत्र की ग्राम पंचायत अर्रो खेमाजितपुर से ग्राम प्रधान विक्रम सिंह के नेतृत्व में गाजे-बाजे के साथ भव्य कांवड़ यात्रा निकाली गई। यह यात्रा चौथी बार आयोजित की गई, जिसमें हर बार की तरह इस बार भी यात्रा की भव्यता देखते ही बन रही थी। यात्रा में बड़ी संख्या में कांवड़िए शामिल हुए। यात्रा का शुभारंभ खजुहा बाबा स्थित महादेव मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद हुआ। शिव आराधना में लीन कांवड़िए नाचते-गाते आगे बढ़े। रास्ते में जगह-जगह समाजसेवियों एवं स्थानीय लोगों ने कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। कांवड़ यात्रा झरेखापुर चौराहे पर पहुंची, जहां ओमकार यादव, ग्राम प्रधान विक्रम सिंह, रवी थापर, दिनेश यादव, विवेक सिंह समेत दर्जनों लोगों ने कांवड़ियों पर फूल बरसाकर उनका स्वागत किया। इसके बाद कांवड़िए हरगांव स्थित गौरीशंकर दरबार में भगवान शिव के दर्शन एवं जलाभिषेक के लिए रवाना हुए। यात्रा में कई सैकड़ा कांवड़िए शामिल रहे। उनके साथ दर्जनों चार पहिया व दो पहिया वाहन तथा ट्रैक्टर-ट्रॉलियां भी मौजूद रहीं। यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर बड़ागांव चौकी पुलिस ने जिम्मेदारी संभाली। झरेखापुर तक सुरक्षा व्यवस्था बड़ागांव चौकी पुलिस के जिम्मे रही, जबकि इसके बाद झरेखापुर चौकी इंचार्ज राजेश कुमार सरोज के नेतृत्व में पुलिस कर्मियों ने सुरक्षा व्यवस्था संभाली।

संपादकीय

नारी उद्यमिता को संबल

हरियाणा सरकार की नई पहल स्वागत योग्य है, जिसके तहत राज्य में महिला स्टार्टअप्स के लिए सात साल तक राज्य जीएसटी राशि फ्री कर दी जाएगी। महत्वपूर्ण यह भी है कि नीति में बदलाव करते हुए सरकार ने कहा है कि महिला उद्यमियों द्वारा 25 लाख रुपये का निवेश करने पर सरकार भी इतना ही योगदान देगी। निश्चित रूप से महिलाएं देश के उद्यमिता क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर रही हैं। उनकी एकाग्रता, समर्पण और साफ-सुथरी व्यवस्था को कॉरपोरेट जगत में प्रशंसा की जाती है। नि:संदेह, हरियाणा सरकार का यह पहल नारी सशक्तीकरण की दिशा में एक रचनात्मक कदम है। सही मायनों में सरकार का यह संबल महिला उद्यमियों के लिए उद्योग जगत में नया आकर्षण लेकर आएगा। उल्लेखनीय है कि बृहस्पतिवार को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में 'हरियाणा स्टेट स्टार्टअप पॉलिसी 2022' के सप्लीमेंट को मंजूरी दी गई। वहीं दूसरी ओर, सामान्य स्टार्टअप्स को सात साल तक नेट एसजीएसटी की 50 फीसदी प्रतिपूर्ति मिलती रहेगी। इसके अलावा, महिला-नेतृत्व वाले स्टार्टअप्स को एक साल तक लीज रेंट का 50 फीसदी, अधिकतम 10 लाख रुपये तक वापस मिलेगा। इस दिशा में सरकार ने एक रचनात्मक पहल यह की है कि पर्यावरण के अनुरूप ग्राम्य उत्पादों, हस्तशिल्प, आयुर्वेद उत्पादों तथा देशी खाद्य उत्पादों को बढ़ावा देने वाले उद्यमियों को विशेष प्रोत्साहन देने का निर्णय लिया है। इस क्रम में ऐसे स्टार्टअप्स जो हस्तशिल्प, पारंपरिक वस्त्र, पर्यावरण-अनुकूल उत्पादों, आयुर्वेद-आधारित स्वास्थ्य एवं वेलनेस उत्पादों और देशी खाद्य उत्पादन से जुड़े हैं, उन्हें 50,000 से 1 लाख रुपये तक की माइक्रो-ग्रांट भी दी जाएगी। दरसअल, राज्य सरकार ने अनेक प्रोत्साहन कदमों से राज्य में उद्यमिता के अनुकूल माहौल बनाने का भी प्रयास किया है। सरकार ने घोषणा की है कि यदि किसी निजी या एंजल निवेशक से किसी स्टार्टअप को 25 लाख रुपये मिलते हैं, तो सरकार भी 25 लाख रुपये तक की मैचिंग ग्रांट दे सकेगी। निश्चय ही सरकार की यह पहल राज्य में उद्यमिता का विकास करेगी। वहीं दूसरी ओर, सरकार ने भरोसा दिलाया है कि नई तकनीक का लाइसेंस लेने या टेक्नोलॉजी ट्रांसफर के लिए 10 लाख रुपये तक की सहायता मिलेगी। गुणवत्ता प्रमाणन हासिल करने पर खर्च की 50 फीसदी राशि, अधिकतम 25 लाख रुपये तक एक बार वापस की जाएगी। यहां यह महत्वपूर्ण हो जाता है कि सरकार द्वारा दी जा रही छूट का दुरुपयोग समाज के चतुर-चालक लोग न करने लगें। जैसे देश में 'प्रधान पति' (महिला प्रधानों के पति) खुलेआम कामकाज संभालते नजर आते हैं, कम से कम उद्यमिता के क्षेत्र में ऐसा नहीं होना चाहिए। अक्सर सरकार की प्रोत्साहन योजनाओं का लाभ उठाने के लिए परिवार की महिलाओं के नाम पर स्टार्टअप शुरू दिखाने की प्रवृत्ति पर भी अंकुश लगाने की जरूरत है। महिला सशक्तीकरण तभी संभव है जब महिलाएं खुद आगे आएं और उद्यमिता में कामयाबी के नए मानक स्थापित करें। नि:संदेह, उद्योगों में महिलाओं की यह भागीदारी उस राज्य के लिए बेहद महत्वपूर्ण होगी, जहां समाज में लिंग-भेद के गहरे आक्षेप रहे हैं।

होर्मुज पर अमेरिका-ईरान आमने-सामने, जुबानी जंग ने बढ़ाई तनाव की तपिश

'ईरान का अमेरिका को जवाब होर्मुज की चिंता छोड़िए, पहले अपनी सुरक्षा देखिए' अमेरिकी सैनिकों को लेकर ईरानी सेना के इनाम के ऐलान से बढ़ी चिंता ईरान और अमेरिका के बीच चल रहा तनाव अब केवल सैन्य और कूटनीतिक मोर्चे तक सीमित नहीं रह गया है। दोनों देशों के नेताओं और अधिकारियों के बयानों में तल्खी लगातार बढ़ती जा रही है। खास तौर पर होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर दोनों पक्ष आमने-सामने हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि ईरान को हराने के बाद अमेरिका होर्मुज जलडमरूमध्य को अमेरिकी क्षेत्र घोषित कर सकता है। इसके जवाब में ईरान ने अमेरिका को अपनी सुरक्षा पर ध्यान देने की सलाह देते हुए साफ संकेत दिया है कि वह इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग पर अपने प्रभाव से पीछे हटने को तैयार नहीं है। तनाव के बीच सोमवार को ईरानी सेना के कमांडर-इन-चीफ अमीर हातमी का बयान सामने आया, जिसने विवाद को और गंभीर बना दिया। रिपोर्टों के अनुसार हातमी ने अमेरिकी सैनिक को मारने या पकड़ने वाले व्यक्ति के लिए 30 हजार डॉलर के इनाम की घोषणा की है। किसी महिला द्वारा ऐसा करने पर इनाम दोगुना बताया गया है। यह घोषणा ऐसे समय हुई है जब दोनों देशों के बीच बातचीत ठप है और युद्धविराम तथा शांति समझौते को लेकर भी कोई ठोस प्रगति नहीं हो सकी है। हातमी ने इसे लोगों की ओर से लगातार की जा रही मांगों से जुड़ी योजना बताया और कहा कि इसका उद्देश्य युद्ध प्रयासों के लिए आर्थिक सहयोग जुटाना है। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिकी सैनिक के खिलाफ इस्तेमाल किए गए हथियार को उसकी कीमत से अधिक रकम देकर खरीदा जाएगा और उसे संग्रहालय में सुरक्षित रखा जाएगा। इस बयान का राजनीतिक संदेश स्पष्ट है कि तेहरान अपने समर्थकों के बीच अमेरिकी विरोध को और मजबूत करने की कोशिश कर रहा है। हालांकि ऐसे बयान तनाव कम करने के बजाय दोनों देशों के बीच अविश्वास और टकराव को बढ़ाने वाले हैं। अमेरिका और ईरान के बीच मौजूदा टकराव में होर्मुज जलडमरूमध्य सबसे संवेदनशील मुद्दा बन चुका है। यह समुद्री मार्ग वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। पिछले दिनों यहां जहाजों की आवाजाही में भारी कमी आई है। रॉयटर्स के अनुसार शनिवार को इस मार्ग से केवल पांच जहाज गुजरे, जबकि रविवार को कोई जहाज नहीं निकला। सामान्य स्थिति की तुलना में यह गिरावट वैश्विक व्यापार और ऊर्जा बाजार के लिए बड़ी चिंता का कारण है। ट्रंप के अमेरिकी क्षेत्र घोषित करने वाले बयान के बाद ईरान की ओर से तीखी प्रतिक्रिया आई। तेहरान का कहना है कि अमेरिका को होर्मुज पर अधिकार जताने के बजाय अपनी सुरक्षा की चिंता करनी चाहिए। ईरानी अधिकारियों ने यह भी संकेत दिया है कि जब तक अमेरिका अपनी मौजूदा नीति में बदलाव नहीं करता, तब तक इस जलडमरूमध्य को लेकर कोई स्थायी समझौता मुश्किल है। ईरान की स्थिति यह है कि क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था में उसकी भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता, जबकि अमेरिका इसे अंतरराष्ट्रीय समुद्री आवागमन और ऊर्जा आपूर्ति से जोड़कर देख रहा है। ट्रंप का तर्क है कि अमेरिका को रणनीतिक समुद्री मार्ग की सुरक्षा सुनिश्चित करनी होगी। उनका कहना है कि ईरान को परमाणु क्षमता हासिल करने से रोकने के लिए उठाए जा रहे कदमों की कीमत अमेरिकी जनता को भी चुकानी पड़ सकती है। उन्होंने बढ़ती ईंधन कीमतों को लेकर अमेरिकी नागरिकों से अधिक कीमत स्वीकार करने की अपील तक की है। इससे स्पष्ट है कि वाशिंगटन फिलहाल आर्थिक दबाव और सैन्य दबदबे दोनों को अपनी रणनीति का हिस्सा बनाए हुए है। इसी बीच ईरान ने कतर पर अपने तीन सैन्य पायलटों को हिरासत में रखने का आरोप लगाया है। ईरान के अनुसार, ये पायलट 2 मार्च को उस समय लापता हुए जब उनके विमान कतर की वायु रक्षा की कार्रवाई की चपेट में आए। ईरानी पक्ष का दावा है कि पायलट विमान से बाहर निकलने के बाद जीवित थे और कतर के अधिकारियों ने उन्हें पकड़ लिया। तेहरान ने रेड क्रॉस से इस मामले की जांच और पायलटों की स्थिति स्पष्ट कराने की अपील की है। हालांकि इस दावे को कतर ने खारिज कर दिया है। दोहा का कहना है कि ईरान की ओर से लगाए गए आरोप भ्रामक हैं। कतर के अनुसार मार्च में उसके हवाई क्षेत्र का उल्लंघन करने वाले विमानों के मामले में घटनाक्रम ईरान के दावे से अलग था। इस तरह यह मामला भी अमेरिका-ईरान संघर्ष से निकलकर खाड़ी देशों के बीच तनाव का नया विषय बनता दिखाई दे रहा है। इस पूरे संकट का एक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि अमेरिका के कुछ खाड़ी सहयोगियों में भी मौजूदा रणनीति को लेकर बेचैनी बढ़ रही है। वॉशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, खाड़ी देशों के नेताओं में यह चिंता बढ़ रही है कि ट्रंप प्रशासन ईरान के साथ कूटनीतिक समाधान निकालने में अपेक्षित सफलता हासिल नहीं कर पा रहा है। लंबे समय तक चल रहे संघर्ष और क्षेत्रीय अस्थिरता के कारण इन देशों की अपनी सुरक्षा और अमेरिकी सैन्य मौजूदगी के भविष्य को लेकर नए सवालों का सामना करना पड़ रहा है। खाड़ी देशों की परेशानी इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि वे स्वयं इस संघर्ष के आर्थिक और सुरक्षा संबंधी प्रभावों से बच नहीं सकते। होर्मुज में जहाजों की आवाजाही प्रभावित होने का सीधा असर तेल, गैस, समुद्री परिवहन और वैश्विक बाजारों पर पड़ता है। ऐसे में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता तनाव केवल दोनों देशों का द्विपक्षीय विवाद नहीं रह जाता, बल्कि पूरी खाड़ी और विश्व अर्थव्यवस्था के लिए चुनौती बन जाता है। अमेरिका और ईरान के बीच जून में हुए समझौते से कुछ समय के लिए तनाव कम होने की उम्मीद बनी थी। इसका उद्देश्य संघर्ष को रोकना, होर्मुज को फिर से खोलना और ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत आगे बढ़ाना था। लेकिन 17 अगस्त तक निर्धारित 60 दिन की समयसीमा भी बिना किसी स्थायी समाधान के समाप्त हो गई। दोनों पक्ष एक-दूसरे पर समझौते का उल्लंघन करने के आरोप लगा रहे हैं। ईरान की मांगों में होर्मुज पर नियंत्रण, अमेरिकी सैन्य दबाव में कमी, नाकेबंदी खत्म करना, युद्ध से हुए नुकसान की भरपाई और आर्थिक प्रतिबंधों में राहत जैसे मुद्दे शामिल हैं। दूसरी ओर अमेरिका ईरान पर आर्थिक और राजनीतिक दबाव बनाए रखना चाहता है। यही मूल मतभेद बातचीत को आगे बढ़ने से रोक रहे हैं। दोनों पक्ष अपनी-अपनी शर्तों को राष्ट्रीय सुरक्षा और संप्रभुता से जोड़ रहे हैं, इसलिए समझौते की गुंजाइश लगातार सीमित होती जा रही है। अमेरिका और ईरान की यह जुबानी जंग केवल बयानबाजी नहीं है। इसका असर अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजारों में दिखाई देने लगा है। होर्मुज से तेल और अन्य ऊर्जा उत्पादों की आवाजाही बाधित होने से कीमतों पर दबाव बढ़ रहा है। खाड़ी देशों के शेयर बाजारों में भी सोमवार को कमजोरी देखी गई। निवेशकों को आशंका है कि यदि सैन्य तनाव और बढ़ा तो ऊर्जा आपूर्ति तथा समुद्री व्यापार पर और गंभीर असर पड़ सकता है। सबसे बड़ी चिंता यह है कि दोनों देशों के बयान अब समझौते की संभावना बढ़ाने के बजाय अपनी-अपनी कठोर स्थिति को मजबूत करने वाले दिखाई दे रहे हैं। अमेरिका होर्मुज को अपने प्रभाव में लाने की बात कर रहा है तो ईरान अमेरिकी मौजूदगी को चुनौती दे रहा है। इसी वातावरण में अमेरिकी सैनिकों को लेकर इनाम की घोषणा और ईरानी पायलटों के मामले जैसे घटनाक्रम तनाव को और जटिल बना रहे हैं। मौजूदा परिस्थितियों में सबसे बड़ा सवाल यही है कि अमेरिका और ईरान अपनी ताकत दिखाने की नीति से बाहर निकलकर बातचीत की मेज पर कब लौटेंगे। दोनों देशों के बीच अविश्वास बहुत गहरा हो चुका है, लेकिन युद्ध और समुद्री मार्गों पर लगातार तनाव का आर्थिक बोझ केवल दोनों देशों तक सीमित नहीं रहेगा। खाड़ी देशों की चिंता, वैश्विक ऊर्जा बाजारों की अस्थिरता और समुद्री व्यापार पर पड़ रहा असर यह बताता है कि इस विवाद का समाधान जितना टलेगा, जोखिम उतना ही बढ़ेगा। होर्मुज पर नियंत्रण की लड़ाई इसलिए अब केवल एक समुद्री मार्ग का विवाद नहीं रह गई है, बल्कि यह पश्चिम एशिया की शक्ति-संतुलन की बड़ी परीक्षा बन चुकी है।

शरीर में आयरन की कमी को न करें नजरअंदाज, बढ़ सकता है एनीमिया का खतरा

शरीर में होने वाली हर छोटी परेशानी को हम अक्सर थकान, ज्यादा काम या नींद की कमी से जोड़ देते हैं। खासकर कमजोरी, चक्कर आना या थोड़ी दूर चलने पर सांस फूलना जैसी दिक्कतों को लोग सामान्य मान लेते हैं। लेकिन कई बार इन समस्याओं के पीछे शरीर में किसी जरूरी पोषक तत्व की कमी हो सकती है। आयरन भी ऐसा ही जरूरी पोषक तत्व है, जिसकी कमी धीरे-धीरे शरीर पर असर डाल सकती है। आयरन हमारे शरीर के लिए इसलिए जरूरी है क्योंकि इसकी मदद से हीमोग्लोबिन बनता है। हीमोग्लोबिन खून में मौजूद एक जरूरी हिस्सा है, जो फेफड़ों से ऑक्सीजन लेकर शरीर के अलग-अलग हिस्सों तक पहुंचाता है। अगर शरीर में आयरन कम हो जाए, तो हीमोग्लोबिन भी कम हो सकता है। आयरन की कमी में व्यक्ति को हर समय थकान महसूस होती है। थोड़ा काम करने के बाद ही कमजोरी लगती है। कई बार सीढ़ियां चढ़ने या तेज चलने पर सांस भी फूलने लगती है। अगर आयरन की कमी लंबे समय तक बनी रहे, तो एनीमिया का कारण बन सकती है। आयरन की कमी किसी भी व्यक्ति को हो सकती है, लेकिन कुछ स्थितियों में इसका जोखिम बढ़ जाता है। बच्चों और किशोरों के शरीर में विकास के दौरान आयरन की जरूरत बढ़ती है। वहीं मासिक धर्म के दौरान ज्यादा रक्तस्राव होने वाली महिलाओं में भी आयरन की कमी का खतरा रहता है। गर्भावस्था के दौरान भी शरीर को ज्यादा आयरन की जरूरत होती है। इसी तरह अगर खाने में आयरन वाली चीजें पर्याप्त मात्रा में शामिल नहीं हैं, तो भी इसकी कमी हो सकती है। कुछ लोगों को पेट या आंत से जुड़ी बीमारी होती है, जिसकी वजह से खाना खाने के बाद आयरन शरीर में ठीक से नहीं पहुंच पाता। ऐसे मामलों में भी आयरन की कमी हो सकती है। बार-बार ब्लड डोनेट करने या किसी ऑपरेशन के दौरान ज्यादा खून निकलने के बाद भी शरीर में आयरन कम हो सकता है। अगर बार-बार आयरन की कमी सामने आ रही है, तो डॉक्टरों से सलाह लेनी जरूरी हैं। आयरन की कमी के लक्षण जानना बेहद जरूरी है। सबसे पहले लगातार थकान और कमजोरी महसूस होती है। आराम करने के बाद भी शरीर में ऊर्जा कम लगती है। इसके अलावा चक्कर आना, सिरदर्द, सांस फूलना और काम करते समय जल्दी थक जाना भी इसके संकेत हो सकते हैं। कुछ लोगों को किसी काम पर ध्यान लगाने में परेशानी हो सकती है। आयरन की कमी का असर शरीर के बाहर भी दिखाई दे सकता है। त्वचा पहले से ज्यादा पीली लगती है, बाल ज्यादा झड़ते हैं और नाखून कमजोर होकर जल्दी टूटते हैं। कुछ लोगों के हाथ-पैर ठंडे रहने की शिकायत भी हो सकती है। हालांकि इन सभी लक्षणों का मतलब यह नहीं है कि व्यक्ति को आयरन की कमी ही है। दूसरी स्वास्थ्य समस्याओं में भी ऐसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं। अगर लंबे समय से थकान, कमजोरी, चक्कर या सांस फूलने जैसी परेशानी हो रही है, तो इसे नजरअंदाज न करें। डॉक्टर से सलाह लेकर जरूरी जांच कराना बेहतर है।

चादर से बाहर निकले पांव ही भ्रष्टाचरण की जड़

सवाल यह है कि हमारे अंदर भ्रष्टाचार करने का भाव कैसे पैदा होता है? भ्रष्टाचार करते हुए हमें डर यों नहीं लगता है? यों हमारी आत्मा भ्रष्टाचार का विरोध नहीं करती है? ऐसा नहीं है कि हमें पता नहीं होता है कि भ्रष्टाचार करना गलत है, फिर हम यों भ्रष्टाचार के इस चक्रव्यूह में फंस जाते हैं?दरसअल, भ्रष्टाचार का मूल कारण लालच होता है। इंसान की प्रवृाि ही ऐसी है कि वह लालच को छोड़ नहीं पाता है। ऐसा नहीं है कि अभाव के कारण ही लालच की प्रवृाि पैदा होती है; जिन लोगों के पास सब कुछ होता है, वे भी लालची होते हैं। इसलिए लालच का अमीरी या गरीबी से कोई सीधा संबंध नहीं है। ऐसे इंसान भी होते हैं जो गरीब होने के बावजूद दूसरों के कल्याण की बात सोचते हैं, तो दूसरी तरफ ऐसे इंसान भी हैं जो अमीर होने के बावजूद इस हद तक लालची होते हैं कि उन्हें सिर्फ अपना स्वार्थ ही दिखाई देता है। निस्संदेह, समाज पहले की अपेक्षा ज्यादा प्रगतिशील हो गया है, लेकिन हमारे समाज में लालच की प्रवृाि भी बढ़ती जा रही है।

पूरे समाज में भ्रष्टाचार पर एक अजीब-सा खोखला आदर्शवाद पसरा हुआ है। भ्रष्टाचार पर बात करते हुए इंसान को स्वयं का भ्रष्टाचार नहीं दिखता है, लेकिन वह दूसरों के भ्रष्टाचार पर उंगली उठाता रहता है। भ्रष्टाचार जैसे मुद्दे पर भाषणबाजी तो बहुत हो रही है, लेकिन हम भ्रष्टाचार खत्म करने के लिए किसी भी तरह का प्रयास नहीं कर रहे हैं, बल्कि एक कदम आगे बढ़कर भ्रष्टाचार बढ़ाने में अपना सहयोग कर रहे हैं। सवाल यह है कि हमारे अंदर भ्रष्टाचार करने का भाव कैसे पैदा होता है? भ्रष्टाचार करते हुए हमें डर क्यों नहीं लगता है? क्यों हमारी आत्मा भ्रष्टाचार का विरोध नहीं करती है? ऐसा नहीं है कि हमें पता नहीं होता है कि भ्रष्टाचार करना गलत है, फिर हम क्यों भ्रष्टाचार के इस चक्रव्यूह में फंस जाते हैं ?दरसअल, भ्रष्टाचार का मूल कारण लालच होता है। इंसान की प्रवृत्ति ही ऐसी है कि वह लालच को छोड़ नहीं पाता है। ऐसा नहीं है कि अभाव के कारण ही लालच की प्रवृत्ति पैदा होती है; जिन लोगों के पास सब कुछ होता है, वे भी लालची होते हैं। इसलिए लालच का अमीरी या गरीबी से कोई सीधा संबंध नहीं है। ऐसे इंसान भी होते हैं जो गरीब होने के बावजूद दूसरों के कल्याण की बात सोचते हैं, तो दूसरी तरफ ऐसे इंसान भी हैं जो अमीर होने के बावजूद इस हद तक लालची होते हैं कि उन्हें सिर्फ अपना स्वार्थ ही दिखाई देता है। निस्संदेह, समाज पहले की अपेक्षा ज्यादा प्रगतिशील हो गया है, लेकिन हमारे समाज में लालच की प्रवृत्ति भी बढ़ती जा रही है। इसका अर्थ यह है कि पढ़ाई-लिखाई और प्रगतिशीलता हमारे लालच को खत्म नहीं कर पाई है। इसलिए पहले से ज्यादा शिक्षित समाज में न केवल भ्रष्टाचार बढ़ता जा रहा है, बल्कि भ्रष्टाचार के नए-नए तरीके भी खोजे जा रहे हैं। पुराने जमाने में लोग अनपढ़ या कम शिक्षित होते थे, लेकिन उस समय भ्रष्टाचार नहीं था। उस समय अनपढ़ या कम शिक्षित लोगों ने सीमित संसाधनों में बड़े-बड़े संयुक्त परिवारों की जिम्मेदारी उठाई थी। 'जितनी चादर हो, उतने पैर पसारो' मुहावरा उन दिनों सच्चे अर्थों में चरितार्थ किया जाता था। यही कारण था कि समाज के अंदर लालच की भावना बहुत कम थी। समाज में पाप और पुण्य का भाव भी था, इसलिए लोग गलत काम करने से डरते थे। आज धार्मिक कर्मकांडों और धार्मिक क्रियाकलापों में लोगों की संलिप्तता तो बढ़ी है, लेकिन इसके साथ भ्रष्टाचार भी बढ़ता जा रहा है। यह कटु सत्य है कि इस दौर में धर्म के नाम पर भी भ्रष्टाचार बढ़ा है। बड़े-बड़े मठाधीशों की जांच की जाए तो कई तरह के भ्रष्टाचार प्रकाश में आएंगे। अगर हम सच्चे अर्थों में धार्मिक हैं, तो हमारे मन में गलत भाव आने ही नहीं चाहिए। धार्मिक होने के बावजूद यदि हमारे मन में लालच पैदा हो रहा है, तो फिर हम धार्मिक कहां हुए ? भ्रष्टाचार भी कई तरह के होते हैं। कुछ भ्रष्टाचार हमें ऊपर से दिखाई दे जाते हैं, लेकिन कुछ भ्रष्टाचार ऊपर से दिखाई नहीं देते हैं। हम अक्सर आर्थिक भ्रष्टाचार पर ही अपना ध्यान केंद्रित करते हैं, लेकिन एक नैतिक भ्रष्टाचार भी होता है। स्वयं यह देखा है कि यदि आप मंदिर में मुरमुरे का प्रसाद लेकर पंडित जी के पास जाते हैं, तो आपके साथ सामान्य व्यवहार होता है; इसके विपरीत, यदि आप देसी घी के लड्डू प्रसाद के रूप में पंडित जी को सौंपते हैं, तो आपके साथ विशिष्ट व्यवहार किया जाता है। यह भेदभाव भी एक तरह का नैतिक कदाचार ही है।हालांकि, चाहे आर्थिक भ्रष्टाचार हो या नैतिक भ्रष्टाचार, यह सब नैतिकता की कमी की वजह से ही होता है। यानी सतही तौर पर तो सब कुछ साफ-सुथरा लगता है, लेकिन साफ-सुथरी सतह के नीचे कई तरह की गंदगी छिपी होती है। जब यह गंदगी बहुत ज्यादा बढ़ जाती है, तब इसका प्रभाव सतह पर दिखाई देने लगता है। यह आश्चर्यजनक ही है कि हम अपनी दैनिक जिंदगी में गंदगी को पसंद नहीं करते हैं और इससे दूर ही रहना चाहते हैं, लेकिन भ्रष्टाचार रूपी गंदगी को स्वयं ही खुशी के साथ अपने जीवन में स्थान दे देते हैं। भ्रष्टाचार पर यह खोखला आदर्शवाद इस बात को सिद्ध करता है कि हम धन के लालच में गंदगी को भी स्वीकार कर लेते हैं। हम भ्रष्टाचार के खिलाफ काफी उपदेश देते रहते हैं, लेकिन दूसरी तरफ समाज में भ्रष्टाचार लगातार बढ़ता रहता है यानी हमने भ्रष्टाचार के साथ रहने की आदत बना ली है। ऐसी स्थिति में सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या यह समाज वास्तव में भ्रष्टाचार खत्म करना चाहता है या फिर भ्रष्टाचार के साथ ही जीना चाहता है ? जब हमसे कोई इंसान सुविधा शुल्क के रूप में रिश्वत वसूलता है, तो हमें बुरा लगता है और अपने अधिकार याद आने लगते हैं। इसके विपरीत, जब हम किसी दूसरे इंसान से रिश्वत वसूलते हैं, तो हमें अपना कर्तव्य याद नहीं रहता। यानी दूसरों के भ्रष्टाचार पर तो हम भ्रष्टाचार करने वाले इंसान को पापी बताकर उपदेश देने लगते हैं, लेकिन अपने भ्रष्टाचार पर चुप्पी साध लेते हैं। यह सुविधाजनक चुप्पी ही इस समस्या की असली जड़ है।

मेष-मेष राशि के जातकों के लिए आज का दिन आत्मविश्वास और सक्रियता से भरा रह सकता है। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत और निर्णय लेने की क्षमता का सकारात्मक प्रभाव देखने को मिलेगा।

वृषभ-वृषभ राशि वालों के लिए आज का दिन परिवार और घरेलू मामलों पर अधिक ध्यान देने वाला हो सकता है। घर से जुड़े किसी महत्वपूर्ण विषय पर निर्णय लेना पड़ सकता है।

मिथुन -मिथुन राशि के जातकों के लिए आज का दिन साहस और पराक्रम बढ़ाने वाला रह सकता है। लंबे समय से अटके हुए कामों को आगे बढ़ाने के लिए आपकी सक्रियता महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

कर्क-कर्क राशि वालों के लिए आज आर्थिक और पारिवारिक विषय महत्वपूर्ण रह सकते हैं। आय से जुड़े मामलों में सुधार के कुछ अवसर सामने आ सकते हैं। नौकरी करने वालों को वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग मिल सकता है और कार्यस्थल पर उनकी बात को महत्व दिया जा सकता है।

सिंह -सिंह राशि के जातकों के लिए आज का दिन विशेष महत्व रख सकता है, क्योंकि सूर्य का प्रवेश आपकी ही राशि में हुआ है। इससे आत्मविश्वास में वृद्धि होने और अपनी पहचान मजबूत करने के अवसर मिलने की संभावना है।

कन्या -कन्या राशि वालों के लिए आज का दिन खर्च और दूर की यात्रा से जुड़े विषयों को सक्रिय कर सकता है। नौकरी या व्यापार के सिलसिले में यात्रा करनी पड़ सकती है। विदेश से जुड़े किसी काम में भी गतिविधि बढ़ सकती है।

तुला-तुला राशि के जातकों के लिए आज लाभ और सामाजिक संपर्कों के लिहाज से दिन सकारात्मक रह सकता है। नौकरी करने वालों के सामने आय बढ़ाने के नए अवसर आ सकते हैं।

वृश्चिक-वृश्चिक राशि वालों के लिए आज कार्यक्षेत्र और करियर से जुड़े मामलों में सक्रियता बढ़ सकती है। नौकरी में पद, जिम्मेदारी या भूमिका में बदलाव के संकेत मिल सकते हैं।

धनु-धनु राशि के जातकों के लिए आज भाग्य का साथ मिलने की संभावना है। धार्मिक और आध्यात्मिक विषयों में रुचि बढ़ सकती है। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को नए अवसरों की जानकारी मिल सकती है, जबकि पहले से नौकरी कर रहे जातकों के सामने नई जिम्मेदारी या भूमिका आ सकती है।

मकर -मकर राशि वालों के लिए आज साझेदारी और आर्थिक मामलों में सावधानी बरतने का दिन हो सकता है। व्यापार करने वालों की अपने साझेदार के साथ किसी महत्वपूर्ण विषय पर चर्चा हो सकती है।

कुंभ-कुंभ राशि के जातकों के लिए आज विवाह और साझेदारी से जुड़े विषय महत्वपूर्ण हो सकते हैं। व्यापार में साझेदार के साथ मिलकर नई योजना बनाने का अवसर मिल सकता है।

मीन-मीन राशि वालों के लिए आज कार्यक्षेत्र और दैनिक दिनचर्या से जुड़े मामलों पर ध्यान देना जरूरी होगा। नौकरी में प्रतिस्पर्धा बढ़ सकती है, लेकिन मेहनत और धैर्य के बल पर आप अपनी स्थिति मजबूत करने में सफल रहेंगे।

सोशल मीडिया का असर, छात्रों में हार्मोन बिगाड़ने वाले प्रोडक्ट का बढ़ा उपयोग : रिसर्च

सोशल मीडिया आज सिर्फ मनोरंजन या दोस्तों से जुड़े रहने का जरिया नहीं रह गया है। खासकर किशोरों की रोजमर्रा की दिनचर्या का एक अहम हिस्सा बन गया है। अब एक नई रिसर्च ने सोशल मीडिया के एक और पहलू पर ध्यान खींचा है। अमेरिका में हुई इस स्टडी के मुताबिक, जो हाई स्कूल के छात्र सोशल मीडिया पर ज्यादा समय बिताते हैं और ब्यूटी, हेयर केयर या मेकअप से जुड़ा कंटेंट ज्यादा देखते हैं, वे पर्सनल केयर प्रोडक्ट्स का भी ज्यादा इस्तेमाल करते हैं। चिंता की बात यह है कि इनमें से कुछ प्रोडक्ट्स में ऐसे केमिकल हो सकते हैं जो शरीर के हार्मोन सिस्टम को प्रभावित कर सकते हैं। यह रिसर्च अमेरिका के रटगर्स विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने की है और इसे 'जर्नल ऑफ एक्सपोजर साइंस एंड एनवायर्नमेंटल एपिडेमियोलॉजी' में प्रकाशित किया गया है। अध्ययन में न्यू जर्सी के प्रिंसटन हाई स्कूल के 143 छात्रों को शामिल किया गया। छात्रों से पूछा गया कि उन्होंने पिछले 24 घंटे में साबुन, शैंपू, डियोड्रेंट, परफ्यूम, सनस्क्रीन, स्किन केयर और मेकअप जैसे कितने पर्सनल केयर प्रोडक्ट्स इस्तेमाल किए। रिसर्च में सामने आया कि सोशल मीडिया और ब्यूटी कंटेंट का इस्तेमाल जितना ज्यादा था, प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल भी उतना ही ज्यादा था। जिन छात्रों ने ऐसे सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स को फॉलो किया था जिनकी अपनी प्रोडक्ट लाइन थी, उन्होंने पिछले 24 घंटे में औसतन 30 फीसदी ज्यादा प्रोडक्ट्स इस्तेमाल किए। वहीं, जो छात्र हेयर या ब्यूटी ट्यूटोरियल देखते थे, उनके बीच प्रोडक्ट इस्तेमाल करीब 40 फीसदी ज्यादा पाया गया। शोधकर्ताओं ने उम्र, जेंडर, कक्षा, जातीयता और माता-पिता की शिक्षा जैसे कई दूसरे कारकों को ध्यान में रखने के बाद भी यह संबंध देखा। इस स्टडी की खास बात यह भी है कि इसमें हाई स्कूल के दो छात्रों, गैब्रिएल कपुटा और वीटा मॉस-वांग ने भी रिसर्च टीम के साथ काम किया। उन्होंने सर्वे तैयार करने में मदद की और सुझाव दिया कि इसमें छात्रों के सोशल मीडिया इस्तेमाल से जुड़े सवाल भी शामिल किए जाएं। बाद में दोनों इस वैज्ञानिक पेपर के सह-लेखक भी बने। रिसर्च की प्रमुख लेखिका एमिली बैरेट के मुताबिक, सोशल मीडिया इस अध्ययन का सबसे दिलचस्प हिस्सा रहा। आमतौर पर सोशल मीडिया के बच्चों पर मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक विकास से जुड़े असर की चर्चा होती है, लेकिन यह अध्ययन एक दूसरी चिंता की तरफ इशारा करता है। सोशल मीडिया किशोरों को ऐसे पर्सनल केयर प्रोडक्ट्स ज्यादा इस्तेमाल करने के लिए प्रेरित कर सकता है जिनमें संभावित रूप से हार्मोन को प्रभावित करने वाले केमिकल मौजूद हो सकते हैं। पर्सनल केयर प्रोडक्ट्स हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा हैं। साबुन, टूथपेस्ट, शैंपू, डियोड्रेंट, सनस्क्रीन, परफ्यूम, स्किन केयर और मेकअप जैसी चीजें लगभग हर घर में इस्तेमाल होती हैं। कुछ उत्पादों में फ्थैलेट्स, पैराबेन्स और फेनॉल्स जैसे केमिकल पाए जा सकते हैं। इनमें से कुछ रसायनों को हार्मोन सिग्नलिंग पर संभावित असर और कुछ स्वास्थ्य जोखिमों से जोड़ा गया है। हालांकि, किसी प्रोडक्ट में किसी रसायन की मौजूदगी का मतलब यह नहीं है कि उसके इस्तेमाल से निश्चित रूप से बीमारी होगी। जोखिम को समझने के लिए एक्सपोजर की मात्रा और लंबे समय के प्रभावों पर और रिसर्च जरूरी है। स्टडी में लड़कियों और लड़कों के इस्तेमाल में भी काफी अंतर दिखा। लड़कियों ने पिछले दिन औसतन 14 पर्सनल केयर प्रोडक्ट्स इस्तेमाल करने की जानकारी दी, जो लड़कों की तुलना में करीब दोगुना था। करीब 57 फीसदी छात्रों ने पिछले 24 घंटे में फ्रेगरेंस या परफ्यूम इस्तेमाल किया था। सबसे चिंता वाली बात यह सामने आई कि ज्यादातर किशोर इन प्रोडक्ट्स में मौजूद सामग्री को लेकर बहुत ज्यादा सावधान नहीं थे।

स्वामी-स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ला द्वारा अनवर ऑफसेट एम- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुदित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उस्मान एन्क्लेव, अलीगंज-लखनऊ 226024 से प्रकाशित, सम्पादक रवि कुमार अवस्थी , मो0-9511151254
Mail: news@swatantraprabhat.com, R.NI NO. UPHIN/2012/43078 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी आर वी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायीं। किसी भी कानूनी विवाद का निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

जनशिकायतों में लापरवाही नहीं होगी क्षम्य, प्रभावी व समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करें अधिकारीः डीएम

सदर तहसील में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी ने सुनी जनशिकायतें

अवैध कब्जों से सम्बंधित शिकायतों में राजस्व, पुलिस व विनियमित क्षेत्र के अधिकारियों की टीम बनाकर जांच कर प्रभावी कार्यवाही के दिये निर्देश

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

जनता की विभिन्न प्रकार की शिकायतों के एक ही स्थान पर त्वरित व प्रभावी निस्तारण हेतु जिलाधिकारी सत्य प्रकाश की अध्यक्षता में सोमवार को सदर तहसील में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें जिलाधिकारी ने प्रत्येक शिकायतकर्ता को बारी-बारी अपने समीप बुलाकर उनकी समस्याओं को सुना और कई जनशिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कराकर शिकायतकर्ताओं को राहत पहुंचाई।

इसके साथ ही शेष शिकायती पत्रों को सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को सौंपते हुए निर्देशित किया कि जांच के दौरान शिकायतकर्ता की मौजूदगी में प्रभावी निस्तारण सुनिश्चत कराया जाए, ताकि शिकायतकर्ता संतुष्ट हो सके।

जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि तहसील में आने वाले प्रत्येक फरियादी की समस्या का त्वरित और पारदर्शी समाधान किया जाना चाहिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से कहा कि जनता से जुड़े मामलों में लापरवाही बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी अभिलेख दुरुस्त रखे जाएं, जिससे कार्यों में पारदर्शिता बनी रहे। उन्होंने तहसील के अधिकारियों और कर्मचारियों को कार्यालय व्यवस्था बेहतर रखने, अभिलेखों का सही रख-रखाव करने तथा आमजन को त्वरित सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान ग्राम थनवारा निवासी शिवप्रसाद ने अपनी भूमि पर विपक्षियों द्वारा किये गए कब्जे तो हटवाने की शिकायत दी, लक्ष्मीपुरा सिविल लाइन निवासी निर्मल कुमार ने विपक्षियों पर उनकी जमीन पर बाउंड्री को तोड़ने, कृषि कार्य में बाधा डालने व जान से मारने व गालियां देने सम्बंधी शिकायत की। चौकाबाग निवासी कमला सिंह ने उनकी हदबंदीसुदा भूमि पर तारमुंडी तोड़कर कब्जा किये जाने की शिकायत की। नेहरूनगर निवासी कुसुम ने विपक्षियों पर सार्वजनिक रास्ते पर अतिक्रमण करने की शिकायत की। उक्त प्रकरणों का संज्ञान लेते हुए जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी, क्षेत्राधिकारी सदर और विनियमित क्षेत्र के अधिकारियों को संयुक्त रूप से जांच कर नियमानुसार प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिये।

आज सम्पूर्ण समाधान दिवस में निम्न शिकायतें प्राप्त हुईः-

तहसील ललितपुर में कुल 36 शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिसमें राजस्व के 12, पुलिस विभाग के 06, विद्युत के 04 तथा अन्य विभागों के 14 प्रार्थना पत्र शामिल हैं, जिनमें से 04 का मौके पर निस्तारण कराया गया।

तहसील तालबेहट में कुल 65 शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिसमें राजस्व के 25, पुलिस के 16, विद्युत के 06, पूर्ति के 08 तथा अन्य विभागों के 10 प्रार्थना पत्र शामिल हैं, जिनमें से 04 का मौके पर निस्तारण कराया गया।

तहसील महरौनी में कुल 16 शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिसमें राजस्व के 04, पुलिस के 02, विकास विभाग के 03, चकबंदी के 02, पूर्ति के 04, तथा विद्युत का 01 प्रार्थना पत्र शामिल हैं, जिनमें से 04 का मौके पर निस्तारण कराया गया।

तहसील पाली में कुल 10 शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिसमें राजस्व के 05, पूर्ति के 02 तथा पुलिस के 03 प्रार्थना पत्र शामिल है, जिनमें से 01 का मौके पर निस्तारण कराया गया।

तहसील मड़ावरा में कुल 06 शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिसमें राजस्व का 01, पुलिस के 03, विकास का 01 तथा विद्युत का 01 प्रार्थना पत्र शामिल है, जिनमें से 01 का मौके पर निस्तारण कराया गया। संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान अधिशासी अभियंता विद्युत (द्वितीय) और जिला सेवायोजन अधिकारी की अनुपस्थिति एवं प्रतिस्थानी भेजने के संबंध में जिलाधिकारी द्वारा तीन दिवस के भीतर स्पष्टीकरण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार बाजपेई, डीएफओ नवीन प्रकाश शाक्य, सीएमओ डॉ वीरेन्द्र सिंह, उप जिलाधिकारी सदर हेमन्त पटेल, क्षेत्राधिकारी सदर सहित अन्य जनपदस्तरीय अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

तालबेहट उप डाकपाल को दी भावभीनी विदाई

स्वतंत्र प्रभात | तालबेहट

80 वें स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर तालबेहट उप डाकघर में ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसके बाद उप डाकपाल संजीव कुमार उपाध्याय के स्थानांतरण पर विदाई समारोह आयोजित हुआ। कार्यक्रम में पहुंचे एसपीएम मिलाप सिंह का डाकघर स्टाफ द्वारा स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

विदाई समारोह में डाकघर के कर्मचारियों ने संजीव कुमार उपाध्याय के कार्यकाल की मुक्त कंठ से प्रशंसा करते हुए उनके कार्यों और व्यवहार की सराहना की। इस दौरान उन्हें स्मृति चिन्ह, शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में मनोज पुरोहित (पूर्व पार्षद) ने भावपूर्ण विदाई गीत प्रस्तुत किया। समारोह का संचालन संतोष यादव ने किया।

इस अवसर पर मिलाप सिंह, संतोष यादव, मानसिंह, लवकुश, मनीष सिसोदिया, अनिल कुमार, सुरजन सिंह, वृंदावन, कोमल प्रसाद, खुशीलाल, उदय, तमन्ना, सुमन, निशा, श्वेता, पूजा, अंशिका, दर्शिता सहित डाकघर के कर्मचारी एवं अन्य लोग उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

खुले विद्युत ट्रांसफार्मर बने खतरा, गाय की करंट लगने से मौत

महरौनी। नगर में खुले में रखे विद्युत ट्रांसफार्मर लोगों और पशुओं के लिए खतरा बने हुए हैं। 15 अगस्त को मड़ावरा रोड स्थित खुले ट्रांसफार्मर की चपेट में आने से एक गाय की मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद सोमवार को अखंड ब्राह्मण महासभा की महरौनी इकाई ने उपजिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर नगर में खुले ट्रांसफार्मरों की सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त कराने की मांग की।

ज्ञापन में कहा गया कि ट्रांसफार्मरों को नियमानुसार चबूतरे पर स्थापित कर उनके चारों ओर सुरक्षा जाली तथा विद्युत तारों में आवश्यक गार्डिंग की व्यवस्था होनी चाहिए, लेकिन नगर में कई स्थानों पर ट्रांसफार्मर खुले में रखे हैं। बानपुर चौराहा और मंडी रोड सहित कई स्थानों पर सुरक्षा घेरा नहीं होने से लोगों में दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। बरसात में जमीन में नमी के कारण खतरा और बढ़ जाता है। संगठन ने मांग की कि नगर के सभी खुले ट्रांसफार्मरों का सर्वे कराकर उनके चारों ओर मजबूत एवं मानक के अनुरूप बैरिकेडिंग और सुरक्षा जाली लगाई जाए, ताकि भविष्य में किसी बड़ी जनहानि को रोका जा सके। ज्ञापन देने वालों में हेमंत द्विवेदी, रामबाबू दुबे, कृष्णकांत चौबे, सौरभ दुबे, राहुल शुक्ला, सुनील बिदुआ, रजनीश रिछारिया, अभिषेक पुरोहित, राजीव पुरोहित सहित संगठन के पदाधिकारी मौजूद रहे।

डीजे बंद कराने को लेकर विवाद

ललितपुर | थाना जाखलौन क्षेत्र के ग्राम बारौद पुरा निवासी करीब 23 वर्षीय राहुल पुत्र हरपाल लोधी ने शिकायत में बताया कि 28-29 जून 2026 की दरमियानी रात करीब एक बजे उसके भाई भूपेंद्र के यहां पुत्र के जन्म के उपलक्ष्य में दटोन समारोह चल रहा था। बिजली की लाइन न होने के कारण कार्यक्रम में जनरेटर चलाया जा रहा था। शिकायत के मुताबिक रात करीब एक बजे गांव का जयसिंह पुत्र रामप्रसाद वहां पहुंचा और डीजे तथा जनरेटर बंद कराने को लेकर गाली-गलौज करने लगा। विरोध करने पर आरोप है कि जयसिंह ने अपने साथियों मंजेस, राजकुमार और रविजेस पुत्रगण लाखन सिंह तथा विनोद पुत्र श्यामलाल, सभी निवासी ग्राम बारौदपुरा को बुला लिया। आरोपियों के हाथों में लाठी-डंडे और कुलकुड़ी होने की बात शिकायत में कही गई है। आरोपियों से बचने के लिए राहुल अपने घर के अंदर चला गया, लेकिन आरोप है कि आरोपी उसके पीछे घर में घुस आए और लाठी-डंडों तथा लात-घूंसों से मारपीट शुरू कर दी। मारपीट में राहुल की आंख के नीचे गंभीर चोट आई, जिससे उसे दिखाई देना बंद हो गया।

स्वतंत्रता दिवस आज भी युवा पीढ़ी के लिए है प्रासंगिक : राजीव बबेले

प्रेस क्लब में धूमधाम से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

अमर शहीद गणेश शंकर विद्यार्थी पत्रकार भवन में स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया गया। प्रेस क्लब अध्यक्ष राजीव बबेले सप्पू की अध्यक्षता में राष्ट्रीय ध्वजा रोहण किया जायेगा। इस दौरान प्रेस क्लब संरक्षक मंडल, अध्यक्ष एवं पदाधिकारियों सहित प्रिंट एंव इलैक्ट्रोनिक मीडिया के पत्रकारों द्वारा ध्वजा रोहण किया गया। इसके बाद विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें सभी ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, पत्रकार पुरोधा, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी गणेश शंकर विद्यार्थी के चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर स्वतंत्रता आन्दोलन में अपने प्रांणों की आहुति देने वाले क्रांतिवीरों को नमन किया और अपनी-अपनी भावभीनि श्रृद्धांजलि अर्पित की। प्रेस क्लब अध्यक्ष राजीव बबेले सप्पू ने कहा कि आज का दिन समुचे देश के लिए बेहत महत्वपूर्ण है। देश की आजादी के लिए अपनी प्रांणों की अहुति देने वाले अनगिनत क्रांतिवीरों को नमन करने का दिन है। आज भारत देश अपनी स्वतंत्रता के 80वें वर्ष में प्रवेश हो रहा है। इन वर्षो में भारत आर्थिक एंव समाजिक दृष्टि कोंण से कितना मजबूत हुआ है, इस पर विचार करने की जरूरत है। उन्होंने मौजूदा सरकार के कामकाज पर प्रकाश डालते हुए कहा कि लोगों के जीवन स्तर में व्यापक बदलाव के लिए दृढ़ इच्छा एंव शक्ति की जरूरत है। इसके लिए आम नागरिकों की मूलभूत बुनियादी सुविधाओं पर ध्यान देना जरूरी है। उन्होंने पत्रकार साथियों से कहा कि स्वतंत्रता दिवस युवा पीढ़ी के लिए आज भी प्रासंगिक है। कार्यक्रम का संचालन महामंत्री अमित सोनी ने किया। इस मौके पर संरक्षक मंजीत सिंह सलूजा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष विजय जैन कल्लू, कोषाध्यक्ष अमर प्रताप सिंह पाली, कार्यालय प्रभारी अजित जैन भारती, जयेश बादल, दिनेश संज्ञा, अनंत सराफ, पुष्पा झां, बृजेश तिवारी, शलेष जैन पिंटू, अभय श्रीमाली, नसीम खान, अक्षय दिवाकर, रमेश रैकवार, महेश वर्मा, लक्ष्मीनारायण विश्वकर्मा, कुंदन पाल, विनोद कुमार त्रिपाठी, विनोद मिश्रा, अमित संज्ञा, सुनील जैन, अजय तोमर, अमित लखेरा, विनोद राज सेन, यशपाल सिंह परमार, विजय उपाध्याय, शिब्बू राठोर, आलोक खरे, हितेंद्र कुमार जैन, अश्विन पुरोहित, निहाल सेन, ऋषि शुक्ला, इमरान खान, सुरेंद्र सफेरा, अनूप नागल, आशीष तिवारी, अमर सिंह पुनीत, मनोज बैद्य, सुनील सैनी, संजना सिंह, हरीबाबू शर्मा, राजेश कुमार राठोर, कृष्णकांत सोनी, अंतिम कुमार जैन, प्रदीप रिछारिया, स्वतंत्र रिछारिया, श्याम बिहारी दीक्षित, अजय नामदेव, अजय जैन अज्जू, बलराम पचौरी, रामप्रताप सिंह, सोनम यादव, पंकज रैकवार, अमित राठोर, कमलेश साहू, राहुल साहू खिरिया, सुरेंद्र जायसवाल, सूरज सिंह राजपूत आदि उपस्थित रहे।

स्वतंत्रता संग्राम व लोकतंत्र सेनानियों के परिजनों का हुआ सम्मान

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रेस क्लब में आयोजित कार्यक्रम में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं लोकतंत्र सेनानियों के बलिदान को याद करते हुए उनके परिजनों को फूल माला पहनाकर सम्मान किया गया। इस मौके पर स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. पं.बृजनंदन शर्मा के नाति हरिबाबू शर्मा, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. घनश्याम दास सेन के नाति पत्रकार निहाल सेन, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. हुकुमचंद्र बड़घरिया के नाति पत्रकार हितेंद्र टिंकू बड़घरिया एवं लोकतंत्र सेनानी स्व. प्रकाशचंद्र श्रीमाली के पुत्र पत्रकार अभय श्रीमाली को फूलमाला पहनाकर सम्मानित किया गया।

पुलिस कार्वाई से असंतुष्ट पीड़ित परिजन डीएम आवास पहुंचे

डीएम ने अपने फोन से खींची फोटो, एसपी को फोन कर दी जानकारी

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

थाना कोतवाली क्षेत्र के ग्राम खुरा निवासी पीड़ित परिवार पुलिस कार्रवाई से असंतुष्ट होकर 16 अगस्त को जिलाधिकारी आवास पहुंचा और अपनी सुरक्षा व आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की गुहार लगाई। पीड़ित पक्ष ने आरोप लगाया कि मुकदमा दर्ज होने के बावजूद मामले में सभी आरोपियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई है और शेष आरोपी खुलेआम घूमकर परिवार को धमका रहे हैं। खुरा गांव की रहने वाली नीलेश पत्नी आजाद द्वारा दिए गए शिकायती पत्र के अनुसार कोतवाली में अपराध संख्या 783/2026 दर्ज है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि मामले में पुलिस ने अभी तक केवल दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है, जबकि त्रिलोक तनय इमरत, कृपाल तनय त्रिलोक, श्रीमती कमलेश, श्रीमती रबीना और श्रीमती रेखा सहित पांच आरोपी अभी भी गिरफ्तारी से बाहर हैं। पीड़ित परिवार का कहना है कि आरोपियों की धमकियों के कारण परिवार में भय का माहौल बना हुआ है। आरोप है कि आरोपी घर के बाहर आकर गाली-गलौज करते हैं और जान से मारने की धमकी देते हैं। वहीं, पीड़िता के ससुर की हालत गंभीर बताई गई है और उनका झांसी के अस्पताल में उपचार चल रहा है। परिजनों ने आरोपियों से सुरक्षा दिलाने तथा शेष आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग जिलाधिकारी से की। पीड़ित परिवार की शिकायत को जिलाधिकारी सत्य प्रकाश ने गंभीरता से लिया। मौके पर ही उन्होंने शिकायती पत्र और पीड़ित पक्ष की स्थिति से संबंधित फोटो अपने मोबाइल फोन से खींच ली। डीएम ने पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार बाजपेई को फोन कर मामले की जानकारी दी। डीएम के त्वरित हस्तक्षेप से पीड़ित परिवार को मामले में शीघ्र कार्रवाई की उम्मीद जगी है।

सवा पांच करोड़ पार्थिव शिवलिंग निर्माण आयोजन में तृतीय सावन सोमवार को श्रद्धालुओं ने बनाये 41 लाख पार्थिव शिवलिंग

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

श्री सिद्धपीठ चंडी मंदिर धाम पर सवा पांच करोड़ पार्थिव शिवलिंग निर्माण व श्रीरूद्रमहायज्ञ आयोजन में तृतीय सावन सोमवार को श्रद्धालुओं ने 41 लाख पार्थिव शिवलिंग निर्माण किया।वहीं प्रातःकालीन बेला में श्रीरूद्रमहायज्ञ में पीठ पूजन किया गया।पूजन प्रधान यजमान हरीशंकर साहू सहित अन्य यजमानों द्वारा किया गया

अपराह्न में पार्थिव शिवलिंग का पूजन व महारूद्राभिषेक किया गया।श्रीरामकथा महोत्सव में पोथी पूजन मुख्य यजमान डॉ अनूप श्रीवास्तव,डॉ रानी श्रीवास्तव द्वारा किया गया।कथाव्यास चन्द्रभूषण पाठक के मुखारविन्द से दिव्य कथा सुनायी जिसे सुनकर श्रद्धालु भाव भिवोर हो गये।कथा में प्रभु श्रीराम का जन्मोत्सव मनाया गया। तत्पश्चात महामंडलेश्वर चडीपीठाधीश्वराचार्य स्वामी चन्द्रेश्वर गिरि महाराज ने भक्तों को कथा सुनाते हुए कहाकि शिव नाम और गुणों की महिमा अनंत, अपार है। सरल शब्दों में समझें तो शिव ऐसे अव्यक्त, अनंत स्वरूप देवता हैं, शिव के गुण व शक्तियों की गिनती साधारण इंसान के लिए संभव नहीं।शास्त्रों में लिखी एक बात शिव के गुणातीत स्वरूप को उजागर भी करती है। जिसके मुताबिक अगर पर्वत जितना काजल लेकर उसे समुद्र जैसी दवात में भरकर कल्पवृक्ष रूपी कलम से पृथ्वी रूपी कागज पर स्वयं ज्ञान की देवी सरस्वती शिव के गुणों को लिखना शुरू करें तो शिव के गुण व शक्तियों का वर्णन खत्म नहीं होगा।भगवान शिव के ऐसे ही गुण व शक्तियों से जुड़ा है एक नाम, जिसे खासतौर पर सावन में हर शिव भक्त की कंठ में बसता है। यह नाम है – हर। खासतौर पर हर-हर महादेव का जयकारा हर शिव भक्त बोलता है।'हर' शब्द के पीछे हरण करने का भाव है। शास्त्रों के मुताबिक शिव और शिव नाम भी सभी पापों को हर लेता है। मन, बुद्धि, विचार, कर्म, वाणी के सारे दोष शिव के 'हर' नाम से नष्ट हो जाते हैं। दूसरे अर्थों में यह पवित्र शब्द पाप, दोष और दुर्गुणों पर विजय दिलाने वाला है।'हर' नाम की महिमा यहां तक बताई गई है कि अगर 'हर' का किसी शब्द में छुपे या स्वर के रूप में भी उच्चारण हो तो सारे पापों का अंत हो जाता है।विशेष तौर जीवन के अंतिम समय में 'हर' शब्द किसी भी रूप में बोले तो बड़ा से बड़ा पाप भी धुल जाता है। शिव नाम की इस दिव्य शक्ति ही शिव अन्य देवों से सर्वश्रेष्ठ माने गए हैं और वह महादेव भी पुकारे जाते हैं। शिवभक्तों द्वारा भी पापनाश और शिव की प्रसन्नता के लिये ही हर-हर महादेव का जयकारा लगाया जाता।इस दौरान कई लोग उपस्थित रहें।

अंबेडकर पार्क की भूमि सुरक्षित कर बनवाई जाए बाउंड्रीवाल

ग्रामीणों ने कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन कर डीएम से लगाई गुहार

ललितपुर। विकासखंड बिरधा के ग्राम खितवांस के ग्रामीणों ने सोमवार को जिलाधिकारी को शिकायती पत्र सौंपकर गांव में स्थित डा.भीमराव अंबेडकर पार्क की भूमि को सुरक्षित कराने और चारों ओर बाउंड्रीवाल का निर्माण कराने की मांग की। ग्रामीणों ने प्रशासन से पार्क की भूमि को अतिक्रमण मुक्त रखते हुए वहां बाबा साहेब डा. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा स्थापित कर व्यवस्थित पार्क विकसित कराने की भी मांग उठाई है। ग्राम खितवांस में आराजी संख्या 396/4, रकबा 0.202 हेक्टेयर भूमि राजस्व अभिलेखों में डा.भीमराव अंबेडकर पार्क के नाम से दर्ज है। ग्रामीणों का आरोप है कि पूर्व में कुछ लोगों द्वारा उक्त भूमि पर अवैध कब्जा करने का प्रयास किया गया था। इसकी शिकायत के बाद प्रशासनिक स्तर पर कार्रवाई करते हुए 13 मई 2026 को राजस्व टीम ने ग्राम प्रधान एवं ग्रामीणों की मौजूदगी में भूमि की पैमाइश कराई थी। ग्रामीणों का कहना है कि भूमि की पैमाइश के बाद अब जरूरी है कि पार्क की जमीन को स्थायी रूप से सुरक्षित किया जाए, ताकि भविष्य में कोई व्यक्ति उस पर अतिक्रमण न कर सके। इसके लिए उन्होंने पार्क की चारों दिशाओं में बाउंड्रीवाल बनवाने की मांग की है। ग्रामीणों ने कहा कि बाउंड्रीवाल बनने से पार्क की भूमि सुरक्षित रहेगी और गांव में सार्वजनिक उपयोग के लिए एक व्यवस्थित स्थान भी विकसित किया जा सकेगा। उन्होंने प्रशासन से पार्क परिसर में बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा स्थापित कराने तथा पार्क का सौंदर्यीकरण कराने की भी मांग की। शिकायती पत्र पर दीपक कुमार, नीरज, हरिशंकर, फूलचंद, छोटलाल, रविंद्र, राजेंद्र और कन्हेदी सहित ग्राम के अन्य ग्रामीणों के हस्ताक्षर हैं। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से मामले का संज्ञान लेकर संबंधित विभाग को आवश्यक निर्देश देने और पार्क की भूमि की सुरक्षा के लिए बाउंड्रीवाल का निर्माण शीघ्र कराने की अपील की है।

गौशाला अखाड़ा तालाबपुरा में हर्षोल्लास से मनाई नागपंचमी

हनुमानजी का भव्य श्रृंगार कर अखाड़े का किया पूजन, पहलवानों ने दिखाए दांव-पेंच

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

तालाबपुरा स्थित गौशाला अखाड़ा परिसर में नागपंचमी पर्व गौशाला अखाड़ा परिवार द्वारा श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान अखाड़े में धार्मिक अनुष्ठान के साथ पारंपरिक कुश्ती कला और पहलवानी का प्रदर्शन आकर्षण का केंद्र रहा। नागपंचमी के अवसर पर अखाड़े में हनुमान जी महाराज का भव्य श्रृंगार किया गया। विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर अखाड़े का पूजन किया गया तथा उपस्थित लोगों ने सामूहिक रूप से जय श्रीराम का जाप किया। इसके बाद कुछ पहलवानों ने अखाड़े में अपने दांव-पेंच और पहलवानी के हुनर का प्रदर्शन किया, जिसे देखने के लिए मौजूद लोगों में खासा उत्साह नजर आया। कार्यक्रम के अंत में श्रद्धालुओं एवं उपस्थित लोगों को फल एवं मिष्ठान का वितरण किया गया। अध्यक्षता पूर्व नगर संयोजक बजरंग दल शीलचंद सिंघई (पप्पी) ने की, जबकि संचालन पूर्व पार्षद शांत सागर साहू ने किया। वक्ताओं ने कहा कि अखाड़े भारतीय परंपरा, संस्कार और शारीरिक अनुशासन के केंद्र रहे हैं। नागपंचमी के अवसर पर अखाड़े का पूजन और पहलवानों द्वारा दांव-पेंच का प्रदर्शन हमारी प्राचीन खेल एवं सांस्कृतिक परंपराओं को जीवंत बनाए रखने का माध्यम है।

कार्यक्रम में आदर्श जैन, मुन्नालाल जैन, संतोष सोनी जग्गू, अविन्द संज्ञा, पं. नरेश विदुआ, राजू सेठ, भारत रिछारिया, फूलचंद्र विश्वकर्मा, नरेंद्र पाठक, आशीष तिवारी, पंकज रकैवार, सुनील सोनी सुन्नू, हरगोविंद सोनी छोटे, ओम विदुआ, मनोज गिरी, मनोज पटेल, किशन पटेल, मनोज गुप्ता, रामरतन माली, मनीष पवैया, मुकेश जैन, प्रभु, कोमल, पूरन, जग्गी, वीरेंद्र, दशरथ, रामकृष्ण कुशवाहा एडवोकेट, सुघर सिंह यादव, मनोज नायक, अरुण गोस्वामी, विक्की सोनी, लक्ष्मण, रतन, प्रकाश, कमता, प्रताप कुशवाहा, अंकित शिवाजी, टोनी, संजय, प्रेम, अमित श्रीवास्तव, कुंदन सेन, रोहित यादव, वीरेंद्र कुमार, सोनू जैन, रामेश्वर साहू बड़े, कल्लन चौबे, महेश जैन मोनू, भागवत वाजपेई, विपिन सराफ, छोटू सर्राफ, बल्ली जैन, रामदास सोनी, वकील आनंद रानू, शैलेश राठौर, मनीष रजक, अतुल खरे, सुनील राठौर, दीपराज सोनी, सनत जैन, हरि, धर्मेंद्र, मुकेश यादव, राजपाल यादव, उल्ली जैन, मंजीत कैरोसिया, महेंद्र राजपूत, रणजीत बुंदेला, रानू बॉबी राजा, मुकेश तामिया, विनोद मनोकामना, बड़े सेन, शिवम विरधा, आमोद दीक्षित, ललित तिवारी, शंकर कुशवाहा, भोडले, परमानंद झा, पप्पू पाल, सुनील साहू, रूपेश, महेश श्रीवास्तव, बल्देव राजा, लक्ष्मीनारायण माली, लक्ष्मण बारी, लीलाधर उपाध्याय, दिनेश हलवाई राजा सहित बड़ी संख्या में गणमान्यजन एवं अखाड़ा परिवार के सदस्य मौजूद रहे।

ऑटो के पीछे ताश की बाजी लगा रहे चार जुआरी गिरफ्तार

ललितपुर। महरौनी कोतवाली पुलिस ने सार्वजनिक स्थान पर जुआ खेलने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे और जुए के फड़ से कुल 3,200 रुपये नकद, 52 ताश के पत्ते और सफेद कपड़ा बरामद किया है। मामले में पुलिस ने चारों के खिलाफ सार्वजनिक जुआ अधिनियम की धारा 13 के तहत मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। 16 अगस्त 2026 को शाम करीब 3.40 बजे उपनिरीक्षक रामकृपाल सिंह कांस्टेबल सूरज कुमार और हरीराम के साथ महरौनी बाजार क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) के पास स्थित ऑटो स्टैंड पर कुछ लोग एक ऑटो के पीछे बैठकर ताश के पत्तों से हार-जीत की बाजी लगाकर जुआ खेल रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर ऑटो के पीछे देखा तो चार लोग सफेद कपड़ा बिछाकर ताश के पत्तों से जुआ खेलते मिले। पुलिस ने मौके पर ही चारों आरोपियों को पकड़ लिया। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सौरभ नामदेव पुत्र नत्थूलाल नामदेव निवासी कुंआगांव, मड़ौरा रोड महरौनी, रानू परिहार पुत्र गुडडू प्रसाद परिहार निवासी मोहल्ला लुहरयाना महरौनी, बृजेश कुमार पुत्र बसौरे अहिरवार निवासी ग्राम कुंआघोषा महरौनी तथा जगदीश अहिरवार पुत्र पतितलाल निवासी मास्टर कॉलोनी महरौनी के रूप में की है। पुलिस के मुताबिक जामा तलाशी के दौरान सौरभ नामदेव के पास से 600 रुपये, रानू परिहार के पास से 300 रुपये, बृजेश कुमार के पास से 250 रुपये और जगदीश अहिरवार के पास से 450 रुपये बरामद हुए। इसके अलावा जुए के फड़ से नकदी समेत कुल 3,200 रुपये बरामद किए गए। पुलिस ने मौके से 52 अदद ताश के पत्ते और सफेद कपड़ा भी कब्जे में लिया।

सार्वजनिक रूप से जातिसूचक गाली-गलौज का आरोप

बसपा जिलाध्यक्ष ने एससी/एसटी एक्ट के तहत कार्रवाई की उठाई मांग

ललितपुर। बहुजन समाज पार्टी के जिलाध्यक्ष एवं अधिवक्ता जानकी प्रसाद बौद्ध ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र सौंपकर सार्वजनिक रूप से जातिसूचक गाली-गलौज कर अनुसूचित जाति समाज को अपमानित किए जाने का आरोप लगाया है। उन्होंने मामले में संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध एससी/एसटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तारी किए जाने की मांग की है। शिकायती पत्र में बसपा जिलाध्यक्ष जानकी प्रसाद बौद्ध एड. ने आरोप लगाया कि एक दबंग व्यक्ति द्वारा अनुसूचित जाति समाज को अपमानित करने के आशय से कथित तौर पर जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए गाली-गलौज की गई। आरोप है कि उक्त कथित बयान सोशल मीडिया चैनल बुंदेली पंचायत पर ब्रेकिंग न्यूज के रूप में प्रसारित किया जा रहा है। शिकायतकर्ता के अनुसार, 17 अगस्त 2026 को जब उन्होंने तथा समाज के अन्य लोगों ने उक्त प्रसारित सामग्री को देखा और सुना तो उनमें आक्रोश एवं क्षोभ उत्पन्न हुआ। उनका आरोप है कि कथित आपत्तिजनक शब्दों के माध्यम से न केवल उन्हें बल्कि अनुसूचित जाति समाज के अन्य लोगों को भी सार्वजनिक रूप से अपमानित किया गया है। बसपा जिलाध्यक्ष ने जिलाधिकारी से मामले की गंभीरता को देखते हुए संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। साथ ही सोशल मीडिया चैनल से संबंधित समाचार/वीडियो हटवाने, आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजने तथा समाज में वैमनस्य फैलाने वाले कथित कृत्य की जांच कराने की मांग भी की गई है। शिकायती पत्र में अजय कुमार, संजय कुमार चौधरी जिला सचिव, हेमराज एड., दीपक कुमार मंडल प्रभारी, देवेंद्र कुमार मैनवार विधानसभा प्रभारी सहित अन्य लोगों के हस्ताक्षर एवं समर्थन का उल्लेख किया गया है।

स्वतंत्रता दिवस पर अखंड धाम आश्रम में गूंजा गुरु महिमा का जयघोष

श्री सद्गुरुदेव महाराज जी छठे पातशाह का शुभ अवतरण दिवस श्रद्धाभाव से मनाया

स्वतंत्र प्रभात | महरौनी

महरौनी के टीकमगढ़ रोड स्थित आनंदपुर धाम द्वारा संचालित श्री अखंड धाम आश्रम के श्री परमहंस अद्वैत मंदिर में शनिवार को स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर श्री सद्गुरुदेव महाराज जी छठे पातशाह जी का शुभ अवतरण दिवस श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया।

कार्यक्रम का आयोजन महात्मा अघट युक्ति आनंद जी के सानिध्य में हुआ। इस दौरान गुरु वंदना, सत्संग एवं आध्यात्मिक प्रवचन का आयोजन किया गया। संतों ने सद्गुरुदेव महाराज द्वारा बताए गए मार्ग पर चलने तथा उनकी शिक्षाओं को जीवन में आत्मसात करने का संदेश दिया। सत्संग के दौरान गुरु महिमा से ओत-प्रोत भजनों की भावपूर्ण प्रस्तुतियों से आश्रम परिसर भक्तिमय हो उठा। श्रद्धालुओं ने गुरु चरणों में अपनी आस्था अर्पित करते हुए आध्यात्मिक ज्ञान एवं सद्मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के समापन पर श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर अखंड धाम आश्रम से जुड़े अनेक शिष्य, अनुयायी एवं श्रद्धालुजन मौजूद रहे।

अवैध नल कनेक्शन से सड़क पर कीचड़, ग्रामीणों ने कार्रवाई की मांग

ललितपुर। राजघाट के ग्राम मुड़ेरी में हर घर नल योजना के तहत कथित तौर पर अवैध नल कनेक्शन किए जाने और सड़क पर कीचड़ व जलभराव की समस्या को लेकर ग्रामीणों ने विकास अधिकारी को शिकायती पत्र सौंपकर कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों का आरोप है कि गांव के ही दीनानाथ, राघव सहित एक सरकारी कर्मचारी द्वारा मनमाने तरीके से मुख्य रास्ते पर पानी के कनेक्शन दिए जा रहे हैं। इन कनेक्शनों के कारण सड़क पर पानी फैलने से कीचड़ और जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो रही है। इससे ग्रामीणों को आने-जाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि पाइपलाइन डालने के लिए पक्की सड़क को भी जगह-जगह तोड़ा जा रहा है। इससे सड़क क्षतिग्रस्त होने के साथ ही ग्रामीणों की आवागमन संबंधी परेशानी बढ़ गई है। ग्रामीणों ने संबंधित अधिकारियों से मौके की जांच कराकर अवैध रूप से किए जा रहे कनेक्शनों और सड़क को नुकसान पहुंचाने की कार्रवाई पर रोक लगाने की मांग की है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि समस्या का शीघ्र समाधान नहीं किया गया और कथित अवैध कार्य को नहीं रोका गया तो वे आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे। शिकायती पत्र पर पार्वती देवी, शंभू कुमार, छोटू, राजू और सुमन ज्योति सहित अन्य ग्रामीणों के हस्ताक्षर बताए गए हैं। ग्रामीणों ने विकास अधिकारी से मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई तथा सड़क पर हो रहे जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान कराने की मांग की है।

सेवा, सम्मान और प्रेरणा का भव्य संगम बना कोमलरतन-लायंस डिस्ट्रिक्ट अवॉर्ड समारोह

ललितपुर। लायंस इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 321-बी2 के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर वर्ष 2025-26 एवं कार्यक्रम के मुख्य संयोजक लायन सम्मति सराफ के संयोजन एवं आतिथ्य में कोमलरतन-डिस्ट्रिक्ट अवॉर्ड समारोह 2025-26 का भव्य एवं गरिमापूर्ण आयोजन किया गया। समारोह में वर्षभर उत्कृष्ट सेवा कार्य करने वाले विभिन्न लायंस क्लबों एवं सदस्यों को सम्मानित किया गया। वहीं समाजसेवा और विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली प्रतिभाओं को भी कोमलरतन सम्मान से नवाजा गया। समारोह में ललितपुर, झांसी, कानपुर, रायबरेली सहित विभिन्न जनपदों से बड़ी संख्या में लायंस लीडर्स एवं सदस्य शामिल हुए। कार्यक्रम में समाजसेवा, जनकल्याण, राजनीति, धर्म, व्यापार, पत्रकारिता, चिकित्सा, कला, पर्यटन एवं परोपकार के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाली संस्थाओं, संगठनों एवं विशिष्ट व्यक्तियों को अंगवस्त्र एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि डिस्ट्रिक्ट गवर्नर 2026-27 एमजेएफ लायन शरद अग्निहोत्री रहे। उद्घाटनकर्ता पीएमसीसी एवं वाइस एरिया लीडर, मल्टीपल 321 एमजेएफ लायन अभिनव सिंह तथा विशिष्ट अतिथि द्वितीय उप मंडलाध्यक्ष एमजेएफ लायन सुधीर गुप्ता रहे।

बम-बम लहरी , शिव-शिव लहरी पर झूमें श्रद्धालू

जय हिंद , जय चौरसिया उदघोष की शोभायात्रा में रही गूंज

स्वतंत्र प्रभात | पाली

पवित्र शुभ महूर्त आया जब सावन सोमवार और नागपंचमी पर्व एक साथ मनाया गया । शुभ मुहूर्त को देखते हुए श्रद्धालुओं ने भगवान भोले नाथ एवं उनके गले के हार नागराज देवों की विधि विधान से पूजा अर्चना की । वहीं , कस्बे में नागपंचमी पर्व चौरसिया समाज की स्थापना दिवस के रूप में हर्सोल्लास के साथ मनाया गया ।

पान की खेती करने वाला चौरसिया समाज नागदेव को अपना आराध्य देव मानता है। उनकी मान्यता है कि भगवान नाग उनकी पान की खेती में वृद्धि करते हैं। इस कारण वह पान की बेल को नागबेल कहकर संबोधित करते है , साथ ही नागपंचमी पर्व को चौरसिया समाज की स्थापना दिवस के रूप में मनाते है । सोमवार को नागपंचमी के अवसर पर अवध बिहारी मंदिर से बैंडबाजों की धुन पर शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में सबसे आगे धर्म ध्वजा पताकाएं लहरा रही थी । इसके बाद बैंड- बाजो पर बज रहे भक्ति गीत बम-बम लहरी, शिव-शिव लहरी..., मुझे चढ़ गया भगवा रंग-रंग..आदि तरानों पर उत्साही युवक , युवतियां जमकर थिरक रहे थे । महिलाएं सिर पर मंगल कलश रख चल रही थी। शोभायात्रा में मौजूद लोग जय हिंद्-जय चौरसिया समाज के जयघोष कर माहौल के उत्साह को दुगना कर रहे थे । शोभायात्रा गांधी चौक, हजारिया महादेव मंदिर, बस स्टैंड, मुख्य बाजार होते हुए नागौरी मंदिर पर पहुंची। जहां नागदेव मंदिर में वैदिक मंत्रोउच्चारण के बीच विराजे नागदेवों की पूजा अर्चना की गई। चौरसिया समाज के अलावा कस्बें के अधिकांश लोगों ने पूजा में भाग लेकर धर्मलाभ लिया । सामूहिक महाआरती आयोजन किया गया, जिसमें सभी लोगों ने भगवान नाग की आरती उतारकर सुख समृद्धि की मंगल कामना की। शोभायात्रा में समाज अध्यक्ष प्रशांत चौरसिया, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष रामकुमार चौरसिया, पुनीत चौरसिया, जगदीश बाखर , पंकज चौरसिया , देवकीनंदन, हरिओम चौरसिया , आलोक चौरसिया, गंगाराम, कृष्णकांत चौरसिया सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे ।

कालसर्प दोष से मिलती मुक्ति

चौरसिया समाज पान किसानों द्वारा नागपंचमी पर्व बड़ी ही उत्साह व धार्मिक आस्था के बीच मनाते हैं। चौरसिया समाज के बुजुर्ग किसान बताते हैं कि पान की खेती बांस बल्ली, चारा आदि से तैयार होकर बनती है। पान क्यारियों में हमेशा नमी रहती है जिसके चलते क्यारियों में सर्प भी आसानी से घूमते दिखते रहते हैं लेकिन पान किसान न इनको क्षति पहुंचाता और न ही आज तक किसी सर्प ने पान किसान को हानि पहुंचाई । चौरसिया समाज के आराध्य भगवान नागदेव हैं नागपंचमी पर्व पर उनकी विशेष पूजा अर्चना करते वह हमेशा हम लोगों की रक्षा करते। मान्यता है कि पाली राजगढ़ तालाब पर नागौरी मंदिर हैं जहां पर्व पर उनकी पूजा से कालसर्प दोष से मुक्ति मिलती है ।

देवालयों में रही भीड़..

सावन के तीसरे सोमवार एवं नागपंचमी को लेकर भूतभावन भगवान श्री नीलकंठेश्वर धाम , श्री हजरिया विश्वनाथ महादेव मंदिर पर सुबह से श्रद्धालुओं की भीड़ देखते ही बन रही थी । लोगों ने अपनी आस्था के अनुसार भगवान शिव एवं नागदेव की विशेष पूजा आराधना की । जिसका सिलसिला देर शाम तक चलता रहा ।

शोभायात्रा का जगह-जगह हुआ स्वागत

जाति-धर्म से ऊपर उठकर कस्बे के लोग धार्मिक पर्वों में हमेशा आगे आकर भाईचारे की मिसाल पेश करते हैं । सोमवार को जब नागपंचमी शोभायात्रा नगर भ्रमण को निकली तो सभी लोगों ने अपने घरों से बाहर निकल नागदेवों के चित्रों की आरती उतारी , माथा टेका । इसके साथ ही मुख्य बसस्टैंड , मुख्य बाजार , गांधी चौक , पान मंडी में जोरदार स्वागत किया गया ।

शौचालय निर्माण की धनराशि नहीं मिली

» शिकायत के फर्जी निस्तारण का आरोप
» ग्राम पंचायत अधिकारी पर रिश्वत मांगने का आरोप
» पीड़िता ने मुख्यमंत्री से उच्चस्तरीय जांच और कार्रवाई की मांग की

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

विकासखंड महरौनी के ग्राम भैरा निवासी अंकिता पत्नी मुकुंद सिंह ने शौचालय निर्माण की धनराशि न मिलने और अपनी ऑनलाइन शिकायत के कथित फर्जी निस्तारण को लेकर मुख्यमंत्री से शिकायत की है। पीड़िता ने ग्राम पंचायत अधिकारी पर गंभीर आरोप लगाते हुए मामले की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की है। पीड़िता के अनुसार, उसने शौचालय निर्माण से संबंधित समस्या को लेकर मुख्यमंत्री पोर्टल पर ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई थी। आरोप है कि संबंधित ग्राम पंचायत अधिकारी द्वारा कथित रूप से रिश्वत की मांग की गई। मांग पूरी नहीं होने पर शिकायत का सही तरीके से निस्तारण करने के बजाय उसे फर्जी तरीके से समाप्त कर दिया गया। अंकिता का आरोप है कि शिकायत के निस्तारण के दौरान तैयार की गई रिपोर्ट में उसके स्थान पर 'अंशिका' नाम की किसी अन्य महिला का नाम दर्शाया गया। पीड़िता ने निस्तारण के लिए प्रस्तुत की गई लाइव फोटो और गवाहों के मोबाइल नंबरों पर भी सवाल उठाते हुए इन्हें संदिग्ध बताया है। पीड़िता का कहना है कि उसने इस संबंध में 11 अगस्त 2026 को विकासखंड अधिकारी से भी शिकायत की थी, लेकिन अब तक मामले में कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। मुख्यमंत्री को भेजे शिकायती पत्र में अंकिता ने पूरे मामले की उच्चस्तरीय और निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। उन्होंने ग्राम पंचायत अधिकारी के खिलाफ भ्रष्टाचार एवं शासन की छवि धूमिल करने के आरोपों की जांच कर नियमानुसार कानूनी कार्रवाई तथा निलंबन की मांग की है। इसके साथ ही पीड़िता ने शौचालय निर्माण की लंबित धनराशि शीघ्र उपलब्ध कराने की भी गुहार लगाई है। शिकायत की प्रतियां जिलाधिकारी और मुख्य विकास अधिकारी, ललितपुर को भी भेजी गई हैं।

संक्षिप्त खबरें

दहेज में 10 लाख रुपये और संपत्ति अपने नाम कराने का दबाव

महिला से मारपीट कर बच्चों समेत घर से निकाला

ललितपुर। कोतवाली थाना क्षेत्र में दहेज की मांग को लेकर एक महिला को कथित रूप से प्रताड़ित करने, मारपीट कर घर से निकालने और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने उसके जेठ, जेठानी, ससुर, ननद और ननदोई समेत पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कोतवाली क्षेत्र के झांसी रोड स्थित इलाइट चौराहा, एलआईसी ऑफिस के पीछे निवासी पूनम दुबे ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी शादी 12 जून 2011 को मध्य प्रदेश के सागर जिले के खुरई स्थित लाड टाउन होटल के पास रहने वाले सुशील दुबे के साथ हुआ था। पीड़िता के अनुसार विवाह के समय मायके पक्ष ने अपनी सामर्थ्य के अनुसार करीब आठ लाख रुपये नकद, सोने-चांदी के जेवरात और गृहस्थी का सामान दिया था। विवाह के बाद उनके दो बच्चे, एक पुत्र और एक पुत्री हुए। आरोप है कि कोरोना काल के दौरान उनके पति सुशील दुबे का अचानक निधन हो गया। इसके बाद ससुराल पक्ष के लोगों ने कथित रूप से उन पर मानसिक दबाव बनाना शुरू कर दिया। आरोप है कि ससुराल वाले मृत पति के हिस्से की संपत्ति अपने नाम कराने और मायके से 10 लाख रुपये नकद लाने का दबाव बनाने लगे। शिकायत में महिला ने आरोप लगाया कि ससुराल पक्ष के लोगों ने कथित तौर पर धोखे से उससे कुछ कोरे कागजों पर हस्ताक्षर करा लिए और संपत्ति हड़पने का प्रयास किया। विरोध करने पर उसके साथ मारपीट की गई। उसे और उसके दोनों नाबालिग बच्चों को घर से बाहर निकाल दिया गया। उसने पुलिस को बताया कि 8 जुलाई 2026 को आरोपी चार पहिया वाहन से उसके ललितपुर स्थित घर पहुंचे। यहां भी कथित रूप से 10 लाख रुपये की मांग दोहराई गई। आरोप है कि आरोपियों ने संपत्ति से बेदखल करने और जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मध्य प्रदेश के विदिशा की उदयन कॉलोनी निवासी जेठ रजनीश दुबे, जेठानी स्मृति संगीता दुबे, ससुर रविशंकर दुबे, उत्तर प्रदेश के शमशाबाद के लटेरा/लहरपुरा जैन मंदिर के पीछे निवासी ननद रंजना छिचे व नन्दोई जितेंद्री पुत्र नवलकिशोर के खिलाफ बीएनएस की धारा 85, 115(2), 352 और 351(3) के साथ दहेज प्रतिषेध अधिनियम, 1961 की धारा 3 और 4 के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

सचल विज्ञान बस से गांव-गांव पहुंचेगा विज्ञान का ज्ञान

»<डीएम सत्य प्रकाश ने हरी झंडी दिखाकर बस को किया रवाना
» 31 अगस्त तक जिले के विभिन्न विद्यालयों में होगा संचालन

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों के विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति रुचि और वैज्ञानिक सोच विकसित करने के उद्देश्य से जिले में सचल विज्ञान बस का संचालन शुरू किया गया है। सोमवार को जिलाधिकारी सत्य प्रकाश ने अपने कैंप कार्यालय से सचल विज्ञान प्रदर्शनी बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह बस 17 अगस्त से 31 अगस्त तक 15 दिनों के दौरान जनपद की सभी तहसीलों के विभिन्न विद्यालयों में पहुंचकर कक्षा छह से 12 तक के छात्र-छात्राओं को विज्ञान से जुड़ी गतिविधियों और प्रयोगों की जानकारी देगी। सचल विज्ञान बस का निर्माण आईआईटी कानपुर द्वारा किया गया है तथा इसका संचालन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, लखनऊ, उत्तर प्रदेश शासन द्वारा किया जा रहा है। इसका उद्देश्य दूरस्थ क्षेत्रों के विद्यालयों तक विज्ञान को लोकप्रिय बनाना तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हो रहे विकास के प्रति विद्यार्थियों एवं आमजन में जागरूकता बढ़ाना है। बस को रवाना करते हुए जिलाधिकारी सत्य प्रकाश ने कहा कि इस प्रकार की सचल विज्ञान बस ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति रुचि और जिज्ञासा उत्पन्न करने में निश्चित रूप से सहायक होगी। समाज के विकास के लिए लोगों में वैज्ञानिक सोच का होना आवश्यक है। विद्यार्थियों को केवल विज्ञान के सिद्धांतों की जानकारी ही नहीं, बल्कि उनसे संबंधित प्रयोगों को समझना और स्वयं करके सीखना भी बेहद महत्वपूर्ण है। जिला विद्यालय निरीक्षक ओम प्रकाश ने बताया कि सचल विज्ञान बस छात्र-छात्राओं के लिए बेहद शिक्षाप्रद है। इसमें विज्ञान से संबंधित उच्चस्तरीय मॉडल प्रदर्शित किए गए हैं, जिनके माध्यम से विद्यार्थी जटिल वैज्ञानिक सिद्धांतों को आसानी से समझ सकेंगे। जिला विज्ञान क्लब के समन्वयक ने बताया कि विज्ञान बस में उज्ज्वल भविष्य के लिए ऊर्जा बचाएं विषय पर आधारित करीब 20 स्वचालित एवं हस्तचालित मॉडल लगाए गए हैं। विद्यार्थी इन मॉडलों को स्वयं संचालित कर प्रयोगों के माध्यम से विज्ञान को समझेंगे। इसके साथ ही बस में वैज्ञानिक सिद्धांतों पर आधारित व्याख्यान और वैज्ञानिक फिल्मों का प्रदर्शन भी किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सचल विज्ञान बस को कलेक्ट्रेट से रवाना कर सबसे पहले पीएम श्री राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, ललितपुर भेजा गया है। जनपद के लिए विज्ञान बस का संचालन 15 दिनों के लिए अनुमोदित हुआ है और इसके लिए सभी तहसीलों का रूटचार्ट भी तैयार कर लिया गया है। बस विभिन्न विद्यालयों में पहुंचकर अधिक से अधिक विद्यार्थियों को विज्ञान की गतिविधियों से जोड़ेगी। इस दौरान बीएसए रत्नेश कुमार, जीजीआईसी से किरण वर्मा, डा.सिंधु सहित संबंधित अधिकारी एवं विद्यालयों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

अटलजी की पुण्यस्मृति में गूंजा कविता का स्वर, कवियों ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

» उ.प्र.साहित्यसभा के तत्वावधान में हुआ विशाल कवि सम्मेलन
» देशभक्ति और हास्य-व्यंग्य की रचनाओं ने बांधा समां

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

उत्तर प्रदेश साहित्यसभा के तत्वावधान में भारतरत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यस्मृति में विशाल कवि सम्मेलन का आयोजन डा. रोहित साहू के क्लिनिक परिसर में किया गया। कार्यक्रम में जिले के साहित्यकारों और कवियों ने अटल जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का पुण्यस्मरण करते हुए अपनी रचनाओं के माध्यम से उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। देशभक्ति, सामाजिक सरोकार, हास्य-व्यंग्य और बुंदेली रचनाओं से सजे कवि सम्मेलन ने श्रोताओं को देर तक बांधे रखा। अध्यक्षता प्रकाश साहू ने की, जबकि ऋषि साहू ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। वरिष्ठ कवि सुदेश सोनी ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत करते हुए कहा कि कृपा मात शारदे करियौ, ज्ञान हिये में भरियौ। बगरे इतै ज्ञान के गुरिया, एक लरी में बरियौ। कवियों का परिचय कराते हुए संस्था के संयोजक एवं कवि महेश मास्साब ने हास्यपूर्ण अंदाज में कार्यक्रम का संचालन किया। वहीं संस्था के मंत्री कवि शीलचन्द्र जैन शास्त्री ने उत्तर प्रदेश साहित्यसभा का कार्यवृत्त प्रस्तुत करते हुए संस्था के उद्देश्यों, गतिविधियों एवं आगामी कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी। कवि सम्मेलन में उपस्थित कवियों एवं साहित्यप्रेमियों ने सर्वप्रथम भारतरत्न अटल बिहारी वाजपेयी के चित्र के समक्ष पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। वक्ताओं ने अटल जी के विराट व्यक्तित्व, साहित्यिक अभिरुचि, ओजस्वी वक्तृत्व और राष्ट्र के प्रति उनके योगदान को याद किया। इसके बाद कवियों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से अटल जी को श्रद्धांजलि अर्पित की। दीपमाला झा ने अटल जी के सम्मान में रचना प्रस्तुत करते हुए कहा वो तो जन-जन के प्यारे थे, जगत की आँख के तारे थे। नीरज द्विवेदी ने गरीबदास का शून्य शीर्षक व्यंग्य के माध्यम से सामाजिक विसंगतियों पर कटाक्ष करते हुए श्रोताओं को खूब गुदगुदाया। रामस्वरूप अनुरागी ने देशभक्ति से ओतप्रोत रचना प्रस्तुत करते हुए कहा कि वतन के शहीदों ने लहू देकर हिन्दोस्तान को संवारा है। पंकज विश्वकर्मा ने विज्ञान की उपयोगिता पर आधारित रचना प्रस्तुत की। विज्ञान कराती बोध हमें वस्तु के हर एक गुण का। संस्था मंत्री शीलचन्द्र जैन शास्त्री ने देशभक्ति की रचना प्रस्तुत करते हुए कहा कि गुलशन हमारा है वतन, गुल हैं हम, गुलजार भी। आतिशी जो आँधियां, अब उनसे बचाना चाहिए। जहीर ललितपुरी ने अपनी रचना के माध्यम से लोकतांत्रिक मूल्यों और सत्य की महत्ता को रेखांकित करते हुए इतना अजीम नारा है सत्यमेव जयते प्रस्तुत किया। वहीं अख्तर जलील ने संवेदनशील रचना सुनाकर श्रोताओं को भावुक कर दिया कि आंखों में जो पानी है, दिल की कारिस्तानी है। एक दिया है मुफलिस का और हवा तूफानी है। बुंदेली रचना ने भी बटोरी वाहवाही कवि पुरुषोत्तम नारायण पस्तोर ने बुंदेली भाषा में अटलजी के व्यक्तित्व को समर्पित रचना प्रस्तुत की। अटल सरीखौ नेता चानै, घर-घर में जा बात बतानै। बुंदेली अंदाज में प्रस्तुत इस रचना को श्रोताओं ने खूब सराहा। पंकज अंगार ने सामाजिक और मानवीय रिश्तों में बढ़ती दूरी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि दिलों में प्यार की बातें, लबों पर द्वेष रहता है। कवि सम्मेलन में विभिन्न रचनाओं के माध्यम से अटल जी के राष्ट्रप्रेम, संवेदनशील व्यक्तित्व और साहित्यिक योगदान को याद किया गया। हास्य-व्यंग्य से लेकर ओज, देशभक्ति और सामाजिक सरोकारों तक विविध रंगों ने कार्यक्रम को साहित्यिक रूप से समृद्ध बनाया। कार्यक्रम में उपस्थित साहित्यप्रेमियों ने कवियों की रचनाओं का उत्साहपूर्वक स्वागत किया। अंत में आयोजकों ने सभी कवियों, साहित्यकारों एवं उपस्थित श्रोताओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

आस्था और भक्ति के साथ नीलकंठेश्वर महादेव पहुंचे तखत ग्रुप के कांवड़िये

» सात घंटे पैदल चलकर किया भगवान भोलेनाथ का गंगाजल से जलाभिषेक
» सुख-शांति और शहर की समृद्धि की मांगी मनोकामना

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

सावन के पावन अवसर पर तखत ग्रुप द्वारा आयोजित कांवड़ यात्रा आस्था, भक्ति और उत्साह के साथ नीलकंठेश्वर महादेव धाम पहुंची। श्रद्धालुओं ने करीब सात घंटे तक पैदल यात्रा कर भगवान शिव का स्मरण किया और नीलकंठेश्वर महादेव पहुंचकर गंगाजल से भगवान भोलेनाथ का विधि-विधान से जलाभिषेक किया। पूरी यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं में भक्ति और उत्साह का माहौल बना रहा। कांवड़ यात्रा का शुभारंभ श्रीजगदीश मंदिर के पुजारी पं.रामानुज मिश्रा द्वारा विधिवत पूजन-अर्चन के साथ किया गया। इसके बाद श्रद्धालु कांवड़ लेकर नगर पंचायत पाली स्थित प्राचीन श्रीनीलकंठेश्वर महादेव मंदिर के लिए पैदल रवाना हुए। यात्रा श्रीजगदीश मंदिर से मसौराकलां, घटवार, जमुनधाना, सुरउआ, निवाई, ऐरावनी, बछलापुर, भोटा और पाली होते हुए नीलकंठेश्वर महादेव मंदिर पहुंची। यात्रा के दौरान कांवड़ को श्रद्धालु बारी-बारी से अपने कंधों पर लेकर चलते रहे। ग्रुप सदस्यों ने एक-दूसरे का सहयोग करते हुए यात्रा पूरी की। करीब सात घंटे की पैदल यात्रा के बाद श्रद्धालु नीलकंठेश्वर महादेव धाम पहुंचे, जहां सभी ने श्रद्धा के साथ भगवान शिव का गंगाजल से अभिषेक किया और पूजा-अर्चना की। जलाभिषेक के दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ से शहर में स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण बनाए रखने, अच्छे एवं जनहितकारी राजनेताओं के आने, लोगों के बीच आपसी प्रेम और भाईचारा कायम रहने तथा सभी के व्यापार में दिन दूनी-चार चौगुनी तरक्की होने की मनोकामना की।

श्रद्धालुओं ने सुख, शांति, समृद्धि और सभी के मंगल की प्रार्थना भी की। कांवड़ यात्रा में बच्चों ने भी बढ़-चढ़कर सहभागिता की। पीहू लखेरा, वैष्णवी लखेरा, लक्ष्य शर्मा, माधव किलेदार, नक्ष किलेदार, सुहानी किलेदार, ध्रुव श्रीवास्तव और सृष्टि श्रीवास्तव सहित अन्य बच्चों ने उत्साह के साथ यात्रा में भाग लिया। बच्चों की सहभागिता ने यात्रा के माहौल को और भी उत्साहपूर्ण बना दिया। कांवड़ यात्रा में मज्जू सोनी, राजेश दुबे, अभय पारौल, पत्रकार अंतिम जैन अंतू पारौल, मिंटू सिंघई, आशीष चौबे, ह्रदेश हुण्डैत ट्विंकल, मनीष श्रीवास्तव, विजय शर्मा कुक्कन, विक्की किलेदार, सोमू समैया, विद्या मालवीय, अशोक अनोरा, बृजेश लाला, राजीव चौबे, सुमेर जैन, रामकोटि तिवारी, अभिषेक जैन, पप्पू पटवा, शिवाकांत तिवारी, नितेश तिवारी, आशीष हुण्डैत, बृजेश जैन बलची, रिंकू बबेले, वरिष्ठ पत्रकार सत्येंद्र प्रताप सिंह सिसौदिया, मनीष जैन फोटो, पत्रकार अमित लखेरा, पार्षद अफजुल रहमान, पार्षद अशोक पंथ, पार्षद राजेश सोनी, राजीव शर्मा, अमित तिवारी, रोहित नामदेव, गौरव जैन, राजेश जैन जोझिया सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल रहे।

नीलकंठेश्वर महादेव पहुंचने के बाद कांवड़ यात्रा के समापन पर श्रद्धालुओं के लिए भोजन प्रसादी की व्यवस्था की गई। प्रेस क्लब अध्यक्ष राजीव बबेले सप्पू द्वारा प्रसादी का प्रबंध किया गया। सभी श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर भगवान शिव का आशीर्वाद लिया। आयोजकों ने बताया कि कांवड़ यात्रा का उद्देश्य श्रद्धालुओं को आस्था और भक्ति के साथ भगवान शिव की आराधना से जोडऩे के साथ-साथ आपसी भाईचारे, प्रेम, सहयोग और सामाजिक एकता की भावना को मजबूत करना है। यात्रा की सफलता पर सभी श्रद्धालुओं ने प्रसन्नता

जमीन के फर्जीवाड़े का विरोध करने पर घर में घुसकर मारपीट और तोडफ़ोड़

न्यायालय के आदेश पर सौजना पुलिस ने दर्ज की एफआईआर, मामले की जांच शुरू

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

थाना सौजना क्षेत्र के ग्राम कुसमाड़ में पुश्तैनी जमीन के स्वामित्व को लेकर चल रहे विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। जमीन के कथित फर्जीवाड़े और धोखाधड़ी का विरोध करने पर घर में घुसकर मारपीट, गाली-गलौज और तोडफ़ोड़ किए जाने का आरोप लगाया गया है। मामले में न्यायालय के आदेश पर थाना सौजना पुलिस ने तीन नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ग्राम कुसमाड़ निवासी रामसिंह पुत्र गनेश जू, उम्र करीब 33 वर्ष ने न्यायालय में दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि मौजा कुसमाड़ स्थित उनकी पुश्तैनी जमीन को लेकर परिवार में विवाद चल रहा है। प्रार्थी के मुताबिक संबंधित जमीन खाता संख्या 174 में कुल रकबा 24.48 एकड़ है। आरोप है कि उनके चाचा पर्वत सिंह ने न्यायालय को गुमराह करते हुए धोखाधड़ी और षड्यंत्र के जरिए जमीन के केवल अपने हिस्से को अपने नाम दर्ज कराने की प्रक्रिया कराई। प्रार्थना पत्र में दावा किया कि उनके दादा घूराजू के चार पुत्र थे और परिवार की स्थिति से संबंधित परिवार रजिस्टर एवं वारसान प्रमाण पत्र भी उपलब्ध हैं। इसी जमीन के मामले को लेकर उन्होंने अपने चाचा से बातचीत कर कथित फर्जीवाड़े का विरोध किया। रामसिंह के अनुसार, 7 जुलाई 2026 की शाम करीब पांच बजे जब उन्होंने अपने चाचा पर्वत सिंह से जमीन के मामले में बातचीत की तो विवाद बढ़ गया। आरोप है कि पर्वत सिंह, रिप्रताप सिंह और भूपेन्द्र सिंह ने गाली-गलौज करते हुए उनके साथ मारपीट करने का प्रयास किया और जान से मारने के लिए दौड़ा लिया। जान बचाने के लिए वह अपने घर के अंदर चले गए, लेकिन आरोपी कथित रूप से उनका पीछा करते हुए घर में घुस आए। आरोपियों पर घर में तोडफ़ोड़ करने और मारपीट करने का भी आरोप लगाया गया है। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, जिसके बाद आरोपी कथित तौर पर जान से मारने की धमकी देते हुए वहां से चले गए। पीड़ित ने घटना में करीब 5,000 रुपये की संपत्ति के नुकसान का भी आरोप लगाया है। घटना के बाद उन्होंने थाना सौजना पहुंचकर पुलिस से शिकायत की, लेकिन मुकदमा दर्ज नहीं हुआ। इसके बाद उन्होंने रजिस्टर्ड डाक के माध्यम से पुलिस अधीक्षक ललितपुर को प्रार्थना पत्र भेजकर कार्रवाई की मांग की। वहां से भी कार्रवाई नहीं होने का आरोप लगाते हुए उन्होंने अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, महरौनी की अदालत में प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया। न्यायालय के आदेश के अनुपालन में थाना सौजना पुलिस ने 16 अगस्त 2026 को तीन नामजद आरोपियों पर्वत सिंह, रिप्रताप सिंह और भूपेन्द्र सिंह निवासी ग्राम कुसमाड़ के खिलाफ बीएनएस की धारा 333, 115(2), 352, 351(2)/351(3) तथा 324(4)/324(5) के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

15 हजार रुपये को लेकर विवाद

युवक को लात-घूंसों और ईंटों से पीटा

ललितपुर। कोतवाली थाना क्षेत्र के सिविल लाइन इलाके में होटल राज दरबार के सामने पैसे के लेन-देन को लेकर विवाद के बाद एक युवक के साथ मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि तीन नामजद युवकों ने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर युवक को घेर लिया और लात-घूंसों तथा ईंटों से उसकी बेरहमी से पिटाई कर दी। हमले में युवक के सिर और नाक में गंभीर चोटें आईं, जिसके बाद उसे उपचार के लिए इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया गया। शिकायत पर पुलिस ने तीन नामजद आरोपियों समेत अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सिविल लाइन निवासी कविता, पुत्री कन्हैयालाल, ने कोतवाली पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनका भाई अनूप यादव 16 अगस्त 2026 की शाम करीब 6.30 बजे मंदिर जा रहा था। आरोप है कि जैसे ही वह होटल राज दरबार के सामने पहुंचा, वहां पहले से मौजूद उदय पाराशर पुत्र बालकृष्ण पाराशर, अंकित चौधरी पुत्र दीपचंद चौधरी और निखिल तिवारी पुत्र राजीव तिवारी, निवासी चंडीमाता मंदिर के पास, थाना कोतवाली, ने अपने अन्य साथियों के साथ अनूप को घेर लिया। शिकायत के मुताबिक आरोपियों ने अनूप से दांव पर लगाने और जुआ खेलने के लिए 15 हजार रुपये की मांग की। अनूप द्वारा रुपये देने से इनकार करने पर आरोपियों ने कथित रूप से एकराय होकर उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि हमलावरों ने अनूप को लात-घूंसों के साथ ईंटों से भी पीटा। इस दौरान गाली-गलौज करने का भी आरोप है। मारपीट के दौरान शोर सुनकर सोनू, निवासी नेशनल कान्वेंट स्कूल के पास, मौके पर पहुंचा। शिकायत के अनुसार सोनू को आता देखकर आरोपी अनूप को जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। हमले में अनूप के सिर और नाक में गंभीर चोटें आईं। घटना के बाद उसे उपचार के लिए अस्पताल की इमरजेंसी में भर्ती कराया गया। घटना के बाद उसके परिवार में भय का माहौल बताया जा रहा है। पुलिस ने बीएनएस की धारा 119(1), 115(2), 352, 351(3) के तहत मामला दर्ज किया है।

चलती बस में यात्री की बेरहमी से पिटाई

एक मिनट में जड़े 12 थप्पड़

ललितपुर। मड़ावारा से वृंदावन जा रही महाकाल ट्रैवल्स की चलती बस में एक यात्री के साथ मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला चर्चा में आ गया है। वायरल वीडियो में एक युवक दूसरे यात्री को गाली-गलौज करते हुए लगातार थप्पड़ मारता नजर आ रहा है। बताया जा रहा है कि करीब एक मिनट के दौरान आरोपी ने पीड़ित यात्री को लगभग 12 थप्पड़ जड़ दिए। घटना ललितपुर-महरौनी मार्ग पर ग्राम खितवांसा के पास की बताई जा रही है। रविवार शाम महाकाल ट्रैवल्स की बस मड़ावारा से यात्रियों को लेकर वृंदावन के लिए रवाना हुई थी। शाम करीब सात बजे बस जब ललितपुर-महरौनी मार्ग पर ग्राम खितवांसा के पास पहुंची, तभी किसी बात को लेकर दो यात्रियों के बीच विवाद हो गया। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और एक युवक ने दूसरे यात्री के साथ मारपीट शुरू कर दी। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में युवक पीड़ित यात्री को लगातार थप्पड़ मारता दिखाई दे रहा है। इस दौरान वह कथित तौर पर अभद्र भाषा का भी इस्तेमाल कर रहा है। करीब एक मिनट तक चली मारपीट में आरोपी ने पीड़ित को ताबड़तोड़ कई थप्पड़ मारे। बताया जा रहा है कि घटना के समय बस में बड़ी संख्या में यात्री मौजूद थे। चलती बस में अचानक हुई मारपीट से यात्रियों में अफरातफरी का माहौल बन गया। हालांकि किसी यात्री द्वारा घटना का वीडियो बना लिया गया, जो बाद में सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। बताया जा रहा है कि मारपीट के बाद आरोपी युवक खितवांसा के पास बस से उतर गया और वहां से चला गया, जबकि पीड़ित यात्री बस में आगे ललितपुर की ओर चला गया। घटना का वीडियो सामने आने के बाद मामला लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गया। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने मामले का संज्ञान लिया है। पुलिस वायरल वीडियो के आधार पर मारपीट करने वाले युवक और पीड़ित यात्री की पहचान कराने का प्रयास कर रही है। इसके साथ ही बस के चालक, परिचालक और घटना के समय मौजूद यात्रियों से भी जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस का कहना है कि घटना में शामिल लोगों की पहचान होने के बाद पूरे मामले की जांच कर तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल वायरल वीडियो को लेकर इलाके में चर्चा बनी हुई है।

सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने तिरंगा फहराकर मनाया स्वतंत्रता दिवस, लिया राष्ट्रहित का संकल्प

स्वतंत्र प्रभात | महरौनी

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शनिवार, 15 अगस्त को वरिष्ठ नागरिक सेवा संस्थान एवं फोरम ऑफ सीनियर सिटीजन, लखनऊ के तत्वावधान में रिटायर्ड पेंशन भोगी कर्मचारी संघ ललितपुर की ब्लॉक इकाई महरौनी द्वारा बाजपेई मैरिज गार्डन में गरिमामय कार्यक्रम एवं विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए पं. लालाराम बाजपेई ने ध्वजारोहण किया। इसके बाद उपस्थित वरिष्ठ नागरिकों एवं सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने राष्ट्रगान गाकर देश के अमर शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धापूर्वक नमन किया।

विचार गोष्ठी में वक्ताओं ने स्वतंत्रता दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि देश की आजादी असंख्य वीर सपूतों के त्याग, संघर्ष और बलिदान का परिणाम है। स्वतंत्रता की रक्षा करने के साथ ही राष्ट्र की एकता, अखंडता और सामाजिक सद्भाव को मजबूत करना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। इस अवसर पर सेवानिवृत्त कर्मचारियों की बैठक भी हुई, जिसमें वरिष्ठजनों ने अपने अनुभव साझा किए। वक्ताओं ने बदलते सामाजिक परिवेश में युवा पीढ़ी को राष्ट्रप्रेम, अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा और सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक करने पर जोर दिया। इस दौरान पं. लालाराम बाजपेई, श्रीप्रकाश दीक्षित, प्रेमनारायण नायक, रमेश चंद्र पांडेय, थोवन लाल कबीर पंथी, असरार अली, डॉ. साबिर अली, जमीर खान, यासीन खान, सोनेलाल भोंडेले, फूलचंद्र बाजपेई, दाऊ कल्लू जोशी, श्रीराम विदुआ सहित बड़ी संख्या में वरिष्ठजन उपस्थित रहे।

वीरांगना अवन्तीबाई का बलिदान सदैव जीवन्त रहेगा : गन्धर्व सिंह बाबूजी

» वीरांगना अवंती बाई की जयंती पर निकली भव्य शोभायात्रा, उमड़ा जनसैलाब
» गंधर्व सिंह बाबूजी के नेतृत्व में हजारों युवाओं व समाजबंधुओं ने लिया हिस्सा

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

वीरांगना महारानी अवंती बाई लोधी की जन्म जयंती के अवसर पर सोमवार को नगर में भव्य एवं विशाल शोभायात्रा निकाली गई। गंधर्व सिंह बाबूजी के नेतृत्व में आयोजित शोभायात्रा में हजारों की संख्या में युवा, स्वजातीय बंधु एवं विभिन्न समाजों के लोग शामिल हुए। देशभक्ति और वीरांगना अवंती बाई के जयघोष से शहर का वातावरण गुंजायमान रहा। शोभायात्रा का शुभारंभ कल्याण सिंह सभागार से हुआ। यहां से यात्रा इलाट चौराहा, जेल चौराहा, पानी की टंकी, घंटाघर, सावरकर चौक, तालाबपुरा होते हुए तुवन मंदिर चौराहा और इसके बाद वीरांगना अवंती बाई की प्रतिमा स्थल तक पहुंची। शोभायात्रा के मार्ग में विभिन्न स्थानों पर समाजबंधुओं एवं स्थानीय लोगों ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। कई जगह फल, मिष्ठान और अन्य प्रसाद का वितरण भी किया गया। शोभायात्रा में सांसद अनुराग शर्मा, सदर विधायक रामरतन कुशवाहा तथा महरौनी विधायक मनोहर लाल पंथ (मन्नू कोरी) सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक शामिल हुए। नेताओं ने वीरांगना अवंती बाई लोधी के साहस, त्याग और देशभक्ति को नमन करते हुए उनके आदर्शों से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। शोभायात्रा में डीजे, पारंपरिक सैरा पार्टी और दिल-दिल घोड़ी विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। समाज की बहनों ने वीरांगना अवंती बाई की वेशभूषा धारण कर घोड़ों पर सवार होकर यात्रा में हिस्सा लिया। यह दृश्य लोगों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहा। वहीं डीजे की देशभक्ति एवं उत्साहपूर्ण धुनों पर युवाओं ने उत्साह के साथ भागीदारी की और अनुशासन बनाए रखा। कार्यक्रम के दौरान सौरभ सिंह लोधी पूर्व प्रधान सतवासा की ओर से मिष्ठान आदि की व्यवस्था की गई। शोभायात्रा में शामिल लोगों ने एक-दूसरे को जयंती की शुभकामनाएं दीं। शोभायात्रा के वीरांगना अवंती बाई प्रतिमा स्थल पर पहुंचने के बाद प्रमुख अतिथियों एवं समाज के गणमान्य लोगों ने प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इसके बाद आयोजित सभा में वक्ताओं ने वीरांगना अवंती बाई के जीवन, संघर्ष, वीरता और राष्ट्र के प्रति उनके योगदान को याद किया। आयोजक गंधर्व सिंह बाबूजी ने शोभायात्रा में शामिल सभी जनप्रतिनिधियों, अतिथियों, युवाओं, स्वजातीय बंधुओं एवं विभिन्न समाजों के लोगों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सभी के सहयोग और सहभागिता से शोभायात्रा ऐतिहासिक, भव्य, शांतिपूर्ण एवं अनुशासित ढंग से संपन्न हुई।

स्वतंत्रता दिवस बैडमिंटन प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

ललितपुर। लायंस क्लब सेवा द्वारा ममता स्पोर्ट्स के सौजन्य से स्थानीय स्पोर्ट्स अकादमी में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 15 एवं 16 अगस्त 2026 को दो दिवसीय बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विभिन्न आयु वर्ग के बालक-बालिकाओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग करते हुए अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का शुभारंभ 15 अगस्त को मुख्य अतिथि एमजेएफ ला. सन्मति सराफ ने खिलाड़ियों के बीच टॉस कराकर किया। लायंस क्लब ललितपुर सेवा के अध्यक्ष ला.संजीव जैन ममता स्पोर्ट्स, सचिव ला.संदीप श्रीवास्तव, कोषाध्यक्ष ला. अभय सिंघई, शायर जहीर ललितपुरी, पत्रकार संतोष, दिव्यांश जैन, एड.चंचल पुरोहित, एड.दिनेश कुमार सहित अभिभावक एवं खेलप्रेमी मौजूद रहे। उद्घाटन के बाद प्रतियोगिता के प्रथम राउंड के मुकाबले खेले गए। देर रात तक क्वार्टर फाइनल और सेमीफाइनल मुकाबलों में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। 16 अगस्त को शेष सेमीफाइनल एवं फाइनल मुकाबले संपन्न हुए। खिलाड़ियों के प्रदर्शन की अतिथियों, अभिभावकों और दर्शकों ने जमकर सराहना की।

राशन कोटेदारों का लाभांश 90 से बढ़कर हुआ 125 प्रति कुंतल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

फिरोजाबाद। सरकार ने उचित दर विक्रेताओं यानी राशन कोटेदारों के हित में बड़ा फैसला लेते हुए उनका लाभांश 90 रुपये से बढ़ाकर 125 रुपये प्रति कुंतल कर दिया है। सरकार के इस निर्णय से प्रदेश के 78 हजार से अधिक उचित दर विक्रेताओं को लाभ मिलेगा। इस अवसर पर तहसील सदर फिरोजाबाद के सभागार में कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा, सदर विधायक मनीष असीजा और महापौर कामिनी राठौर की मौजूदगी में सरकार की पहल की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में लखनऊ से आयोजित कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भी देखा गया। इस दौरान एकल चरण घर-घर वितरण व्यवस्था के तहत ई-पॉस आधारित उचित दर विक्रेता प्रतिक्रिया प्रणाली का शुभारंभ किया गया। इसका उद्देश्य राशन वितरण व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, प्रभावी और उपभोक्ता अनुकूल बनाना है।

उपभोक्ताओं से बेहतर व्यवहार की अपील

सदर विधायक मनीष असीजा ने राशन विक्रेताओं से उपभोक्ताओं के साथ अच्छा व्यवहार करने और उनकी समस्याओं का प्राथमिकता से समाधान करने की अपील की। उन्होंने कहा कि उचित दर दुकानों पर बाजार के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण उत्पाद प्रतिस्पर्धी कीमतों पर उपलब्ध कराए जाएं, ताकि उपभोक्ताओं को अन्य आवश्यक वस्तुएं भी आसानी से मिल सकें। उन्होंने घटिया उत्पाद बेचने, अनावश्यक सामान थोपने और उपभोक्ताओं के शोषण से बचने की भी हिदायत दी।

घटतौली और कालाबाजारी बर्दाश्त नहीं: डीएम

जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा ने कहा कि कोटेदारों के लाभांश में वृद्धि सरकार और जनता के बीच विश्वास मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने उचित दर विक्रेताओं से पात्र लाभार्थियों को पारदर्शिता, ईमानदारी और सम्मान के साथ खाद्यान्न उपलब्ध कराने को कहा। डीएम ने स्पष्ट किया कि राशन दुकानों पर घटतौली, कालाबाजारी या निर्धारित दर से अधिक वसूली किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रशासन का लक्ष्य सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पारदर्शी तरीके से पहुंचाना है। महापौर कामिनी राठौर ने भी लाभांश बढ़ाने के निर्णय को कोटेदारों और आम जनता के हित में महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि पारदर्शी व्यवस्था से राशन वितरण प्रणाली में लोगों का विश्वास और मजबूत होगा। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष उदय प्रताप सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राम बदन राम, उप जिलाधिकारी सुदर्शन सिंह, जिला पूर्ति अधिकारी स्वीटी सिंह, मीडिया प्रभारी अमित गुप्ता सहित संबंधित अधिकारी और गणमान्य लोग मौजूद रहे।

नशे के कारोबारी 15 करोड़ की नाजायज चरस के साथ गिरफ्तार

नेपाल से लाते थे चरस, मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र के शहरों में ऊंचे दामों में बेचते

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। थाना फजलगंज पुलिस और सर्विलांस की टीम ने साढ़े पंद्रह किलो चरस के साथ दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। इस चरस की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत पंद्रह करोड़ रुपए है। यह जानकारी देते हुए पुलिस उपायुक्त सेंट्रल अतुल कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि यह चरस नेपाल के रास्ते लाई जा रही थी और इसको मध्यप्रदेश व महाराष्ट्र के शहरों में बेचने का प्लान था। पुलिस ने इस चरस के साथ आसमित गौतम पुत्र राकेश कुमार गौतम निवासी डूडा कालोनी स्वर्ण जयन्ती विहार यशोदा नगर थाना नौबस्ता कानपुर नगर उम्र 26 वर्ष व आयूष तिवारी पुत्र सन्तोष कुमार तिवारी निवासी 392 काजीखेडा लालबंगला थाना चकेरी कानपुर नगर उम्र 25 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस उपायुक्त सेंट्रल अतुल कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि चरस तस्करों के अंतरराज्यीय सिंडिकेट के बारे में और गहनता से

जानकारी की जा रही है। यह नाजायज चरस एक बैग में अल्टो कार से लाई जा रही थी। अभियुक्तों से पूछताछ के दौरान यह जानकारी प्राप्त हुई कि अभियुक्त इवेंट मैनेजमेंट का कार्य करते हैं। अभियुक्त आसमित गौतम जिम संचालक है तथा अधिक पैसा कमाने की लालच में नेपाल से सस्ते दाम पर नाजायज चरस खरीदकर लाते है तथा आस पास के जिलों एवं मध्यप्रदेश व महाराष्ट्र के कुछ जिलों में अधिक दामों पर चरस की सप्लाई करते है। पूछताछ के दौरान यह भी जानकारी प्राप्त हुई कि गिरफ्तार अभियुक्त आसमित गौतम का भाई नवीत गौतम फरवरी 2026 में राजस्थान के सिरोही जनपद में 20 किलोग्राम नाजायज चरस के साथ गिरफ्तार हुआ था तथा वर्तमान में सिरोही जिला कारागार में निरुद्ध है। नवीत गौतम के जेल जाने के बाद से आसमित गौतम द्वारा नाजायज चरस के कारोबार किया जा रहा था तथा अभियुक्त नशे के अवैध कारोबार से अर्जित धनराशि का उपयोग अपने महंगे शौक पूरे करने में कर रहे थे।

संक्षिप्त खबरें

स्वतंत्रता दिवस पर एटा एसओजी प्रभारी श्रवण कुमार निगम सम्मानित

कानपुर। स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर पुलिस सेवा में उत्कृष्ट और सराहनीय योगदान देने वाले जांबाज पुलिस अधिकारियों को सम्मानित किया गया। इसी कड़ी में आगरा क्षेत्र के अपर पुलिस महानिदेशक (एडीजी) एस.के. भगत नेकानपुर के बर्रा निवासी, एटा के एसओजी प्रभारी श्रवण कुमार निगम को उनके शानदार सेवा रिकॉर्ड के लिए पुलिस महानिदेशक का प्रशंसा चिन्ह 'सिल्वर मेडल' और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। एसओजी प्रभारी श्रवण कुमार निगम को यह प्रतिष्ठित सम्मान कानून व्यवस्था को मजबूत बनाने, अपराधियों के खिलाफ सफल अभियानों को अंजाम देने और पुलिस सेवा में निरंतर कर्तव्यनिष्ठा दिखाने के लिए दिया गया है। आगरा में आयोजित एक गरिमामय समारोह के दौरान अपर पुलिस महानिदेशक एस. के. भगत ने उन्हें पदक पहनाकर और प्रशस्ति पत्र सौंपकर उनके हौसले की सराहना की। इस बड़ी उपलब्धि पर एटा पुलिस विभाग में हर्ष का माहौल है। वरिष्ठ अधिकारियों और सहयोगियों ने एसओजी प्रभारी श्रवण कुमार निगम को बधाई देते हुए कहा कि यह सम्मान पूरी टीम के लिए अत्यंत गौरवपूर्ण है और इससे अन्य पुलिसकर्मियों को भी पूरी निष्ठा के साथ काम करने की प्रेरणा मिलेगी।

बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

बरेली/स्वतंत्रता दिवस पर कार्यालय में किया गया ध्वजारोहण सभी ने बड़े सम्मान और गौरव के साथ ध्वज को सलामी दी इस क्रम में विकासखंड भदपुरा कार्यालय में ब्लॉक प्रमुख रश्मि गंगवार थाना क्यों लड़ियां पर प्रभारी निरीक्षक वेद सिंह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर प्रभारी डॉक्टर मुगीश। खंड शिक्षा कार्यालय पर विजय कुमार खंड शिक्षा अधिकारी ने बाल विकास परियोजना पर सुपरवाइजर कंचन गंगवार पंचायत भवन पर ग्राम प्रधान पुष्पा देवी पशु चिकित्सालय में वहां के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी राजीव ने साधन सहकारी समिति पर अध्यक्ष सर्वेश कुमार गंगवार मदरसा गौसिया इशाहकाकिया फैजुल इस्लाम में अफजाल अहमद समेत अनेकों स्थानों पर ध्वजारोहण किया गया।

डीएसपी संजीव कुमार को राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित किया गया

चंडीगढ़। डीएसपी संजीव कुमार, पीपीएस, डीएसपी सीआईडी अमृतसर को पुलिस विभाग में उत्कृष्ट एवं सराहनीय सेवाओं के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक (मेरिटोरियस सर्विस) से सम्मानित किया गया है। डीएसपी संजीव कुमार ने अपने सेवाकाल के दौरान समर्पण, ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा के साथ पुलिस सेवा में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने कानून-व्यवस्था बनाए रखने, अपराध नियंत्रण, जनसुरक्षा और खुफिया कार्यों के साथ सामाजिक सेवा के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय भूमिका निभाई है। उनकी कार्यशैली में व्यावसायिक दक्षता और जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता को विशेष रूप से सराहा गया है।

सावन के तीसरे सोमवार को हर हर महादेव की स्वर लहरियों से गूंज उठे शिवालय

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- सावन के तीसरे सोमवार को 'हर-हर महादेव' और 'बोल बम' की स्वर लहरियों से शिवालय गूंज उठे। भगवान भूतभावन को समर्पित श्रावण मास के इस सोमवार को भी नगर व क्षेत्र के शिवालयों में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। बड़े भोर से ही उमड़ा आस्था का यह सैलाब 'हर-हर महादेव' और 'बोल बम' के जयकारों से वातावरण को शिवमय बना रहा था। महिलाओं ने आशुतोष भगवान भोले शंकर को प्रसन्न करने के लिए उनका जलाभिषेक किया, पंचामृत स्नान कराया और विधि विधान से उनका पूजन कर भोग प्रसाद समर्पित किया। चंदकुआं पर भूतेश्वर महादेव मंदिर पर भूत भावन का नयनाभिराम श्रृंगार किया गया। महाकालेश्वर मंदिर (नायक का मठ) में भी महिलाओं की भारी भीड़ रही, उक्त मंदिर में समूचे शिव परिवार के साथ भगवान नारायण, भगवान विवस्वान, आंजनेय हनुमान, एकदंत गणेश, नंदीश्वर और मां दुर्गा की प्रतिमाएं भी प्रतिष्ठित हैं जो अपने आप में विस्मयकारी है। अति प्रचीन इस मंदिर को इतिहासकार मराठाकालीन बताते हैं। सायं वेला में यहां सैकड़ों महिलाओं ने भजन कीर्तन कर भोलेनाथ को प्रसन्न किया। नईबस्ती के सिद्धेश्वर महादेव मंदिर में भी बड़े भोर से ही महिलाओं की भारी भीड़ जलाभिषेक के लिए जुटने लगी थी और यह सिलसिला दिन चढे तक जारी रहा। भगवान मारकंडेयश्वर, बक्शेश्वर, गुप्तेश्वर आदि मंदिरों में भारी भीड़ रही। सुरक्षा के दृष्टिगत सभी शिवालयों में पुलिस की भी व्यवस्था देखने को मिली।

ग्रामीणों ने भदेवरा प्रधान की एडीएम से की शिकायत

कोंच(जालौन)- कोतवाली क्षेत्र के ग्राम भदेवरा में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर निकाली गई तिरंगा बाइक रैली के दौरान संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण को लेकर विवाद सामने आया है। सोमवार को गांव के कुछ ग्रामीणों ने सम्पूर्ण समाधान दिवस में एसडीएम को शिकायती पत्र देकर ग्राम प्रधान पर बाबा साहब का जानबूझकर अपमान करने का आरोप लगाते हुए मामले की जांच कर कार्रवाई की मांग की है। शिकायतकर्ताओं के मुताबिक, 15 अगस्त को पंचानन चौराहा कोंच से युवाओं द्वारा तिरंगा बाइक रैली निकाली गई थी। दोपहर में रैली ग्राम भदेवरा स्थित पंचायत भवन पहुंची जहां डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया जाना था। आरोप है कि प्रतिमा स्थल पर ताला लगा हुआ था जिसको लेकर रैली में शामिल लोगों ने मोबाइल फोन के माध्यम से ग्राम प्रधान से संपर्क किया। ग्राम प्रधान ने ताले की चाबी गांव में ही किसी के पास में होने की बात कहते हुए चाबी तलाश करने की बात कही। ताला न खुलने पर रैली में शामिल लोगों को मजबूरन गेट पर ही माल्यार्पण करना पड़ा। शिकायतकर्ताओं ने आरोप लगाया कि प्रतिमा स्थल पर ताला लगाए जाने से उनकी भावनाएं आहत हुई हैं।

बेटे पर मारपीट करने का मां ने लगाया आरोप

कोंच(जालौन)- कोतवाली क्षेत्र के भदेवरा गांव निवासी एक महिला ने अपने बेटे पर जमीन बेचने के लिए दबाव बनाने सहित शराब के नशे में गाली-गलौज और मारपीट करने का आरोप लगाते हुए एसडीएम को शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। शिकायतकर्ता महिला रामकुमारी पत्नी स्व. रामप्रसाद के अनुसार, पति की मृत्यु के बाद उनके और पुत्र अमित कुमार के नाम पांच-पांच एकड़ भूमि विरासतन स्थानांतरित हुई थी। आरोप है कि पुत्र अमित अपने हिस्से की भूमि का कुछ भाग बेच चुका है और अब उसकी भूमि भी बेचने के लिए उस पर दबाव बना रहा है। शिकायत में कहा कि सोमवार की सुबह करीब 8 बजे पुत्र ने एक बार फिर जमीन उसके नाम करने का दबाव बनाया, मना करने पर उसने गाली-गलौज करते हुए मारपीट की और जान से मारने की भी धमकी दी। चीख पुकार सुनकर पुत्री रंजना ने मौके पर आकर उसे बचाया। इस दौरान पुत्र ने पुत्री रंजना के साथ भी अभद्रता करते हुए उसे धमकाया। घटना की सूचना उसने तत्काल ही 112 नंबर पर दी। शिकायतकर्ता महिला ने एसडीएम से पुत्र के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

चक्की का ताला चटकाकर चोर ले गए मोटर और गेहूं से भरी बोरियां

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच (जालौन)- आटा चक्की में लगा ताला तोड़कर चोर चक्की की मोटर, कांटा-बांट, एक दर्जन गेंहूं से भरी बोरियां चोरी कर ले गए। पुलिस घटना की जांच में जुटी है। जानकारी के अनुसार, कोतवाली क्षेत्र के ग्राम तीतरा निवासी प्रदीप वर्मा पुत्र ठाकुरदास तीतरा और झीलरा गांव के बीच में आटा चक्की लगाए हुए है। रविवार की देर शाम प्रदीप चक्की पर ताला लटकाकर वापस घर आ गया था। सोमवार की सुबह वह चक्की पर पहुंचा तो देखा कि ताला टूटा हुआ पड़ा था और बाहर से खाली कुंडी लगी हुई थी। अंदर जाकर जब देखा तो चक्की की मोटर सहित कांटा बांट और एक दर्जन की संख्या में गेहूं से भरी बोरियां नदारद थी। चक्की के बाहर वाहन गुजरने के निशान भी देखे गए हैं। पीड़ित प्रदीप ने बताया कि करीब दो साल पहले उसने लोन निकालकर चक्की खरीदी थी और इसी से वह अपनी जीविका चलाता है, लोन की किश्त के रूप में वह प्रतिमाह 13 हजार रुपए अदा करता है। पीड़ित ने चोरी की घटना में पुलिस से कार्यवाही किए जाने की गुहार लगाई है। कोतवाल निगवेंद्र प्रताप सिंह का कहना है कि सुनसान स्थान पर चक्की का संचालन किया जा रहा है, चक्की के बाहर वाहन गुजरने के निशान देखे जा रहे हैं। आसपास के सीसीटीवी कैमरों की मदद से चोरों की पहचान का प्रयास किया जा रहा है।

समाधान दिवस में एडीएम ने सुनी जन शिकायतें

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- सोमवार को आयोजित किए गए तहसील स्तरीय संपूर्ण समाधान दिवस में अलग-अलग विभागों से संबंधित 13 शिकायतें फरियादियों द्वारा दर्ज कराई गई। मौके पर सिर्फ 4 शिकायतें ही निस्तारित की जा सकी। शेष लंबित शिकायतों के शीघ्र निस्तारण हेतु विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया। तहसील स्थित सभा कक्ष में आयोजित किए गए संपूर्ण समाधान दिवस में पहुंचे अपर जिलाधिकारी राजीव राज ने फरियादियों की बारी-बारी से शिकायतें सुनी। एबेनेजर पब्लिक स्कूल के प्रबंधक डॉ ए एक्स जोसफ ने शिकायती पत्र देकर बताया कि पंचानन से लौना (स्कूल मार्ग) के बीच बीते काफी समय से सड़क जर्जर हालत में है जिससे बारिश इन दिनों में बच्चों को आवागमन में काफी कठिनाई उठानी पड़ रही है और दुर्घटनाओं की आशंका बनी हुई है। जोसफ ने जनहित में सड़क को दुरुस्त कराए जाने की मांग की है। वहीं दर्ज कराई गई शिकायतों को लेकर अपर जिलाधिकारी ने कहा कि निर्धारित समय के भीतर गुणवत्ता के साथ शिकायतों का निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, एक बार दर्ज कराई गई शिकायत दोबारा से सामने नहीं आनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जनता से जुड़ी समस्याओं के निस्तारण कार्य में लापरवाही जरा भी न बरती जाए अन्यथा संबंधित अधिकारी कर्मचारी के विरुद्ध कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। इस दौरान एसडीएम अभिनव कुमार, प्रभारी तहसीलदार जितेंद्र सिंह पटेल, बीडीओ यज्ञदेव सिंह, एसडीओ बिजली धर्मेंद्र कुमार आदि मौजूद रहे।

स्कूल में केवल एक शिक्षक व तीन विद्यार्थी मिले, खंड शिक्षा अधिकारी का वेतन रोका

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह ने सोमवार को सदर तहसील क्षेत्र स्थित प्राथमिक विद्यालय लोधवा खेड़ा का औचक निरीक्षण किया। विद्यालय में तैनात पांच अध्यापकों में से चार विद्यालय में उपस्थित नहीं मिले और केवल शिक्षामित्र महेश प्रसाद मौजूद थे। वहीं, नामांकित 106 विद्यार्थियों के सापेक्ष मात्र तीन विद्यार्थी उपस्थित मिले। विद्यालय में शिक्षक एवं विद्यार्थियों की अत्यंत कम उपस्थिति पर कड़ा रुख अपनाते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित खंड शिक्षा अधिकारी का वेतन रोकने तथा जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी से स्पष्टीकरण तलब करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान प्रभारी प्रधानाध्यापक रंजना गुप्ता और शिक्षिका क्षमा श्रीवास्तव आकस्मिक अवकाश पर थीं। साफिया खातून अंसारी बीआरसी में आयोजित प्रशिक्षण में गई थीं, जबकि सबीहा हसन जैदी चिकित्सकीय अवकाश पर थीं। विद्यालय में केवल शिक्षामित्र महेश प्रसाद उपस्थित मिले। जिलाधिकारी ने गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि खंड शिक्षा अधिकारी का दायित्व था कि शिक्षकों के अवकाश एवं प्रशिक्षण के बावजूद विद्यालय में पठन-पाठन की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। एक ही दिन अधिकांश शिक्षकों के विद्यालय में उपस्थित न रहने से शिक्षण कार्य प्रभावित होना गंभीर विषय है। उन्होंने भविष्य में ऐसी स्थिति उत्पन्न न होने देने के निर्देश दिए। डीएम ने 106 के सापेक्ष केवल तीन विद्यार्थियों की उपस्थिति पर भी जवाबदेही तय करने और बच्चों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने मध्याह्न भोजन की व्यवस्था की जानकारी प्राप्त की।

बताया गया कि निर्धारित मेन्यू के अनुसार विद्यार्थियों के लिए रोटी और सब्जी तैयार की जा रही थी।

गुजैनी में अवैध हुक्का बार चलता मिला, दो लोगों को किया गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। गुजैनी पुलिस ने एक रिहायशी मकान में संचालित अवैध हुक्का बार पर दबिश देकर दो लोगों को गिरफ्तार किया है। ये काफी समय से यह अवैध हुक्का बार संचालित कर रहे थे और युवाओं को नशे का आदी बना रहे थे। गुजैनी थाना पुलिस के अनुसार मुखबिर की सूचना पर एक रिहाईशी मकान में फ्लेक्स हाउस 2.0 के नाम से कैफे संचालित है जिसमें अवैध रूप से नयी उम्र के लड़के लड़कियों को हुक्का परोसा जा रहा है यदि जल्दी की जाये तो पकड़ा जा सकता है। इस सूचना पर थाना गुजैनी पुलिस बल द्वारा दविश दी गई, मौके पर रेस्टोरेंट में पोर्च में लगी टेबलों पर कुछ व्यक्ति हुक्का पीते मिले जिसके सम्बन्ध में रेस्टोरेंट में काउण्टर पर मौजूद व्यक्ति से नाम पता पूछते हुए हुक्का पिलाने का लाइसेंस तलब किया गया तो काउण्टर पर मौजूद व्यक्ति ने अपना नाम विष्णु गुप्ता उर्फ लकी पुत्र घनश्याम गुप्ता निवासी एमआईजी फेस- 03, 131 दबौली वेस्ट थाना गोविंद नगर कानपुर नगर उम्र 27 वर्ष बताया और कहा कि मैं ही हुक्काबार का मालिक एवं मैनेजर हूँ इस फ्लेक्स हाउस 2.0 कैफे को मैने किराये पर लिया है जिसे मैं एवं मेरे पार्टनर अर्पित पुत्र छुन्ना शर्मा निवासी जी-173 गुजैनी थाना गोविंद नगर कानपुर नगर उम्र 21 वर्ष मिलकर चलाते हैं। हम लोग ग्राहकों को हुक्का सर्व कराते है और ग्राहकों से अच्छा खासा पैसा लेते है यही हम लोगो की कमाई का स्रोत है। तत्पश्चात हुक्काबार मैनेजर व मौके पर मौजूद पार्टनर उपरोक्त से रेस्टोरेंट में हुक्का पिलाने के सम्बन्ध में लाइसेंस तलब किया गया तो दिखा नहीं सके तथा गलती की माफी मांगने लगे। मौके पर मौजूद ग्राहकों से पूछा गया तो बताया कि हम लोग यहां पर आज कुछ खाने पीने आये थे कि तभी रेस्टोरेंट के मैनेजर ने हम लोगो को कम पैसे में हुक्का पीने का ऑफर दिया था इसलिए हम लोग हुक्का फ्लेवर का आनन्द लेने लगे थे। रेस्टोरेंट में मौजूद ग्राहकों को हुक्का पीने की हिदायत देते हुए मौके से जाने दिया गया। मैनेजर विष्णु गुप्ता उर्फ लकी व पार्टनर अर्पित उपरोक्त द्वारा यह कार्य जानबूझ कर किया जा रहा था। इनके विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जेल भेजा गया है।

महेश नाथ मंदिर पर छुट्टी अपार भीड़ क्षेत्राधिकार पहुंचे

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली/ सावन मास के तीसरे सोमवार को विकासखंड भदपुरा की ग्राम पंचायत परसरामपुर के गांव महेशपुर में स्थित प्राचीन शिव मंदिर श्रद्धालुओं की आस्था का प्रतीक है इस मंदिर से लोगों की भावनाएं जुड़ी है ऐसा मानना है के यहां पर भोलेनाथ से जो भी मांगा जाता है। वह कभी निराश नहीं जाता किसी आस्था के तहत आज तीसरे सोमवार को यहां पर कावड़ लेकर लौटे श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटी जिसकी सुरक्षा के लिए प्रभारी निरीक्षक वेद सिंह के अतिरिक्त अन्य पुलिस बल भी लगाया गया परंतु इसका निरीक्षण करने क्षेत्र अधिकारी नवाबगंज निलेश मिश्रा भी शिव मंदिर पहुंचे उन्होंने वहां की व्यवस्थाओं को दिखा।

लेकिन उनके पहुंचने तक वहां पर श्रद्धालुओं की भीड़ काफी कम हो चुकी थी फिर भी उन्होंने पुलिस की कार्यवाही पर हर्ष व्यक्त किया और कहा एक सोमवार और शेष बचा है उसे पर भी इसी तरह चौकसी रखती है इसी क्रम में दलेल नगर के प्राचीन शिव मंदिर पर ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ छुट्टी वहां पर भी नवाबगंज की पुलिस मौजूद रही।

श्रीभूमि जिले के दुल्लभछड़ा में उत्साह से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

श्रीभूमि: हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जिले के दुल्लभछड़ा क्षेत्र में सरकारी एवं निजी शिक्षण संस्थानों तथा विभिन्न व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में राष्ट्रीय ध्वज फहराकर स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। इस दौरान राष्ट्रगान, सांस्कृतिक कार्यक्रम, नृत्य, कविता, नाटक और प्रभात फेरी सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। दुल्लभछड़ा वन विभाग के बीट कार्यालय में बीट अधिकारी आसपाक उद्दीन ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस अवसर पर फकर उद्दीन, कृष्णपद मालाकार और अर्जुन शर्मा सहित अन्य लोग मौजूद रहे। वहीं, दुल्लभछड़ा डाकघर में कर्मचारियों ने ध्वजारोहण के साथ राष्ट्रगान प्रस्तुत किया। निजी शिक्षण संस्थानों में स्वतंत्रता दिवस को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला। बच्चों ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेकर समारोह को आकर्षक बना दिया। कई मामलों में निजी संस्थानों द्वारा सरकारी संस्थानों की तुलना में अधिक व्यापक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। स्थानीय लोगों के अनुसार, दुल्लभछड़ा में स्थापना काल से ही टेलीकॉम विभाग का कार्यालय रहा है, जिसका बाद में नाम बदलकर भारत संचार निगम लिमिटेड (BSNL) कर दिया गया।

कोटेदारों का कमीशन 90 से बढ़ाकर 125 रुपये प्रति क्विंटल

कोटेदार होंगे अब अब होंगे अन्नपूर्णा भवन संचालक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सचिन बाजपेई

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार 17 अगस्त को लोक भवन में सिंगल स्टेज डोर-स्टेप डिलीवरी के अंतर्गत ई-पॉस आधारित उचित दर विक्रेता फीडबैक प्रणाली का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेश के 78 हजार से अधिक उचित दर विक्रेताओं (कोटेदारों) के लाभांश में वृद्धि की घोषणा की। अब उनका कमीशन 90 रुपये से बढ़ाकर 125 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है। इसके साथ ही कोटेदारों को अब 'अन्नपूर्णा भवन संचालक' कहा जाएगा। उचित दर की दुकानों को अन्नपूर्णा भवन के रूप में विकसित किया जा रहा है, जहां राशन वितरण के साथ गोदाम और अन्य जन सुविधाएं उपलब्ध होंगी। मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार को पत्र लिखकर कमीशन में अतिरिक्त 25 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ाने की सिफारिश भी की है। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, खाद्य एवं रसद मंत्री मनोज कुमार पांडेय तथा राज्य मंत्री सतीश चंद्र शर्मा भी मौजूद रहे। पूरे प्रदेश में कार्यक्रम का सजीव प्रसारण देखा गया और विभिन्न जिलों में स्थानीय स्तर पर अन्नपूर्णा भवन संचालकों ने भाग लिया।

सीएम योगी का संबोधन

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 से पहले राशन व्यवस्था में भ्रष्टाचार का खामियाजा कोटेदारों को भुगतना पड़ता था। 'लूट उनकी होती थी, खामियाजा आपको भुगतना पड़ता था। आपकी गलती नहीं थी, लेकिन गाली आप खाते थे।' उन्होंने बताया कि अब एफसीआई गोदाम से राशन सीधे दुकानों तक पहुंच रहा है और ई-पॉस मशीनों के जरिए वितरण में पारदर्शिता आई है, जिससे कोटेदारों की छवि में भी सुधार हुआ है। ई-पॉस आधारित नई फीडबैक प्रणाली के तहत विक्रेता राशन की डिलीवरी और वितरण से जुड़ी समस्याओं तथा सुझावों को सीधे डिजिटल माध्यम से सरकार तक पहुंचा सकेंगे। इससे निगरानी और जवाबदेही मजबूत होगी।

लाभ और पृष्ठभूमि

इस वृद्धि से औसत 100 क्विंटल मासिक आवंटन वाले विक्रेता को पहले लगभग 9,000 रुपये के स्थान पर अब 12,500 रुपये का लाभांश मिलेगा, जिससे उनकी आय में सीधा इजाफा होगा। इससे पहले 2022 में कमीशन 70 रुपये से बढ़ाकर 90 रुपये किया गया था। हाल के दिनों में कुछ जिलों में कोटेदारों ने कमीशन बढ़ाने की मांग को लेकर प्रदर्शन भी किए थे। अन्नपूर्णा भवन योजना के तहत दुकानों को बहुउद्देशीय केंद्र बनाया जा रहा है, जहां राशन के अलावा कॉमन सर्विस सेंटर की सुविधाएं, जनरल स्टोर और अन्य सेवाएं भी उपलब्ध होंगी। सरकार का लक्ष्य राशन वितरण प्रणाली को पूरी तरह पारदर्शी, तकनीक आधारित और लाभार्थी-केंद्रित बनाना है। यह कदम विधानसभा चुनाव 2027 से पहले उठाया गया है और प्रदेश के हजारों अन्नपूर्णा भवन संचालकों में इसे आर्थिक सहायता तथा सम्मान बढ़ाने वाला कदम बताया जा रहा है।

फर्जी पहचान पत्र बनाकर जमीन बेचने के आरोप में दंपती गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। बहरिया थाना पुलिस ने फर्जी एवं कूटरचित दस्तावेज तैयार कर दूसरे की जमीन को अपने नाम से बेचने के आरोप में एक दंपती को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार दोनों आरोपी एक पुराने मुकदमे में वांछित थे। यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट प्रयागराज के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत की गई। पुलिस के मुताबिक थाना बहरिया में दर्ज मु0अ0सं0 009/2023, धारा 419, 420, 467, 468 व 471 भादवि से संबंधित आरोपी इंद्रभान हरिजन पुत्र नंदलाल हरिजन तथा उसकी पत्नी कंचन देवी को 14 अगस्त 2026 को उनके कपसा स्थित घर के सामने से गिरफ्तार किया गया। इंद्रभान की उम्र करीब 38 वर्ष तथा कंचन देवी की उम्र करीब 37 वर्ष बताई गई है।

राजकुमारी के नाम की जमीन हड़पने का आरोप-पुलिस के अनुसार इस मामले की शुरुआत 16 जनवरी 2023 को प्राप्त शिकायत से हुई थी। शिकायतकर्ता राजकुमारी पत्नी स्वर्गीय टेढ़ूराम, निवासी ग्राम कपसा, थाना बहरिया ने आरोप लगाया था कि उनके नाम दर्ज आराजी संख्या 1075स, रकबा 0.3080 हेक्टेयर, मौजा कपसा की जमीन को फर्जी तरीके से चंदा देवी के नाम इकरारनामा करा दिया गया। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया कि इकरारनामे में आधार कार्ड के स्थान पर वोटर आईडी का इस्तेमाल किया गया तथा ऋक्ष्लस के माध्यम से 1.50 लाख रुपये के हस्तांतरण को दर्शाते हुए कूटरचित दस्तावेज तैयार किए गए। मामले में कंचन देवी, इंद्रभान, चंदा देवी और छोटेलाल के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था।

खुद को राजकुमारी बताकर जमीन बेचने का आरोप-विवेचना के दौरान पुलिस के सामने मामला और गंभीर रूप में सामने आया। पुलिस के अनुसार कंचन देवी ने कथित तौर पर शिकायतकर्ता राजकुमारी का फर्जी निर्वाचन कार्ड तैयार कराया और खुद को राजकुमारी के रूप में प्रस्तुत करते हुए उक्त जमीन को चंदा देवी पत्नी छोटेलाल, निवासी सरायखंदुदमीर, थाना फूलपुर के पक्ष में बेच दिया। जांच के दौरान निर्वाचन कार्यालय से राजकुमारी के नाम दर्ज वोटर कार्डों का ऑनलाइन सत्यापन कराया गया। पुलिस के अनुसार एक वोटर कार्ड नंबर रिकॉर्ड में प्रदर्शित नहीं हुआ, जबकि दूसरे कार्ड का विवरण राजकुमारी पत्नी टेढ़ूराम के नाम दर्ज मिला। इसके बाद सब-रजिस्ट्रार फूलपुर कार्यालय से इकरारनामा की प्रमाणित प्रति प्राप्त कर उसमें लगे फोटो का शिकायतकर्ता के फोटो से मिलान कराया गया। पुलिस के मुताबिक इकरारनामे में लगा फोटो शिकायतकर्ता राजकुमारी का नहीं बल्कि आरोपी कंचन देवी का पाया गया।

जांच में सामने आया कथित फर्जीवाड़ा-पुलिस का कहना है कि विवेचना में सामने आए तथ्यों के आधार पर विक्रेता, क्रेता और गवाहों द्वारा आपस में मिलकर कथित रूप से कूटरचित निर्वाचन कार्ड तैयार किया गया और उसी के आधार पर इकरारनामा तैयार कराया गया। इन तथ्यों की पुष्टि के बाद पुलिस ने इंद्रभान और कंचन देवी को नियमानुसार गिरफ्तार कर लिया।

पहले रंगदारी अब जानलेवा हमला, जयसिंहपुर में बेख़ौफ़ बदमाश

आरोपित पर पहले से हत्या समेत कई संगीन मुकदमे दर्ज, पीड़ित ने पूर्व में भी रंगदारी मांगने का मुकदमा कराया था; अब खुलेआम फायरिंग से क्षेत्र में दहशत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सुलतानपुर। जयसिंहपुर थाना क्षेत्र में रविवार रात हुई फायरिंग की घटना ने कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। डेयरी से दूध लेकर घर लौट रहे एक युवक पर कथित तौर पर जानलेवा हमला किया गया। खास बात यह है कि जिस व्यक्ति पर फायरिंग का आरोप लगा है, उसके खिलाफ पहले से हत्या समेत कई गंभीर मुकदमे दर्ज बताए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार, हालापुर निवासी अनुराग तिवारी रविवार रात करीब आठ बजे तिवारीपुर तिराहे के पास स्थित अनिल यादव की डेयरी से दूध लेकर वापस लौट रहे थे। पीड़ित के अनुसार, वह अपनी मोटरसाइकिल स्टार्ट कर रहे थे, तभी पहाड़पुर रायपट्टी निवासी मोलू सिंह अपने एक साथी के साथ वहां पहुंच गया। आरोप है कि मोलू सिंह ने अनुराग तिवारी को निशाना बनाते हुए जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। हालांकि, संयोगवश गोली उन्हें नहीं लगी और उनकी जान बच गई। घटना के बाद आरोपित अपने साथी के साथ मौके से फरार हो गया। मामले को और गंभीर इसलिए माना जा रहा है, क्योंकि पीड़ित अनुराग तिवारी ने इससे पहले भी मोलू सिंह के खिलाफ रंगदारी मांगने का मुकदमा दर्ज कराया था। इसके बावजूद आरोपित पर किसी तरह का प्रभावी अंकुश नहीं लग पाया। अब एक बार फिर उसी व्यक्ति पर जानलेवा हमला करने का आरोप लगने के बाद पुलिस की कार्यप्रणाली भी सवालों के घेरे में आ गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि किसी आरोपित के खिलाफ पहले से हत्या जैसे गंभीर मामले दर्ज हैं और उसके बाद भी वह खुलेआम फायरिंग जैसी घटनाओं को अंजाम दे रहा है, तो यह आम लोगों की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा है। पीड़ित की तहरीर के आधार पर जयसिंहपुर थाने में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच उपनिरीक्षक प्रेम नारायण राजपूत को सौंपी गई है। पुलिस आरोपितों की तलाश में जुटी हुई है। अब लोगों की निगाहें पुलिस की कार्रवाई पर टिकी हैं। क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते कठोर कार्रवाई नहीं की गई, तो आपराधिक घटनाओं पर अंकुश लगाना मुश्किल हो जाएगा।

श्रीभूमि जिले के पाथारकांदी में ध्वजारोहण के दौरान ऊपर से रस्सी टूटकर राष्ट्रीय ध्वज नीचे गिर गया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि। स्वतंत्रता दिवस के केंद्रीय समारोह के दौरान पाथारकांदी में उस समय असहज स्थिति पैदा हो गई, जब ध्वजारोहण के बीच ऊपर से रस्सी टूटकर राष्ट्रीय ध्वज नीचे गिर गया। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सुबह 9 बजे ध्वजारोहण होना था, लेकिन करीब 10 मिनट की देरी से सुबह 9:10 बजे ध्वजारोहण किया गया। अनुमंडलाधिकारी ससती एंडोये द्वारा ध्वजारोहण किए जाने के दौरान ही ऊपर से रस्सी टूट गई और राष्ट्रीय ध्वज नीचे गिर पड़ा। घटना के बाद समारोह स्थल पर कुछ देर के लिए अफरातफरी और असहजता का माहौल बन गया। स्थिति को संभालते हुए तत्काल दूसरा राष्ट्रीय ध्वज लाया गया और दोबारा ध्वजारोहण कर कार्यक्रम को आगे बढ़ाया गया।

तैयारियों पर उठे सवाल

स्वतंत्रता दिवस जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय समारोह में इस तरह की घटना ने प्रशासनिक तैयारियों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। लोगों के बीच चर्चा है कि ध्वजारोहण से पहले राष्ट्रीय ध्वज और पूरी व्यवस्था की उचित जांच एवं परीक्षण किया गया था या नहीं।

घटना के बाद पाथारकांडी में लोगों के बीच नाराजगी और चर्चा का माहौल है। अब सवाल यह उठ रहा है कि इतने महत्वपूर्ण सरकारी आयोजन में ऐसी चूक आखिर कैसे हुई। सरकार इस पर क्या कार्रवाई करते हैं देखने का विषय है.

श्रीभूमि जिले के पूर्व हरिनगर भुवनेश्वर साधु ठाकुर कलाक्षेत्र में धूमधाम से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस।

श्रीभूमि। श्रीभूमि जिले के पूर्व हरिनगर स्थित भुवनेश्वर साधु ठाकुर कलाक्षेत्र में 15 अगस्त को धूमधाम से स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। पूर्व सैनिक एवं समिति के अध्यक्ष रुनू सिन्हा के नेतृत्व में तथा सचिव तुषारकांति सिन्हा सहित समिति के सदस्यों के सक्रिय सहयोग से कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रीय ध्वज फहराकर की गई। इसके बाद राष्ट्रगान के माध्यम से उपस्थित सभी लोगों ने देश के स्वतंत्रता सेनानियों एवं शहीदों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की। वक्ताओं ने स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान तथा देश की सुरक्षा में भारतीय सेना के वीर जवानों के योगदान को याद किया। कार्यक्रम में स्थानीय निवासियों एवं समिति के सदस्यों की उत्साहपूर्ण उपस्थिति उल्लेखनीय रही। पूरे कार्यक्रम के दौरान देशभक्ति का माहौल बना रहा। वक्ताओं ने देश की एकता, अखंडता एवं संप्रभुता को बनाए रखते हुए राष्ट्रहित में सभी से आगे आने का आह्वान किया।

सचिव के अभाव में बसंतपुर क्लस्टर की ग्राम पंचायतों का कामकाज ठप, ग्रामीणों में नाराजगी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अंबेडकर नगर। विकासखंड कटेहरी के बसंतपुर क्लस्टर में पिछले डेढ़ महीने से सचिव के पद पर तैनाती न होने के कारण ग्राम पंचायतों का कामकाज प्रभावित होने का मामला सामने आया है। ग्रामीणों का आरोप है कि सचिव के अभाव में जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र सहित कई महत्वपूर्ण कार्य लंबित पड़े हैं, जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों के अनुसार, जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र निर्धारित समय के भीतर जारी होने पर प्रक्रिया ब्लॉक स्तर पर पूरी हो जाती है, लेकिन समय सीमा निकल जाने के बाद लोगों को तहसील का रुख करना पड़ता है। सचिव की अनुपस्थिति के कारण कई लोगों के प्रमाण पत्र समय पर नहीं बन पा रहे हैं, जिससे उन्हें अतिरिक्त भागदौड़ करनी पड़ रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पिछले लगभग 25 दिनों से जिला पंचायत राज अधिकारी (डीपीआरओ) स्तर से जल्द सचिव की तैनाती का आश्वासन दिया जा रहा है, लेकिन अब तक स्थिति में कोई बदलाव नहीं हुआ है। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया है कि पंचायत से जुड़े कई कर्मचारियों और सहायकों का मानदेय भी कई महीनों से लंबित है। उनका कहना है कि पंचायत सहायकों और केयरटेकर को चार से पांच महीने से मानदेय नहीं मिला है, जबकि सरपंच भाई के मानदेय का भुगतान भी लंबे समय से लंबित बताया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, बसंतपुर क्लस्टर में मित्रसेन यादव का स्थानांतरण किया गया था, लेकिन उन्होंने चिकित्सा अवकाश ले लिया, जिसके बाद सचिव का पद फिर से खाली हो गया। ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द से जल्द सचिव की तैनाती करने और लंबित कार्यों का निस्तारण कराने की मांग की है। वहीं, कर्मचारियों से अवैध वसूली के लगाए गए आरोपों पर संबंधित अधिकारियों का पक्ष सामने आना बाकी है। अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस मामले को कितनी गंभीरता से लेते हुए प्रभावित ग्राम पंचायतों में व्यवस्था बहाल करता है।

दो लाख रुपये दो, वरना सोशल मीडिया पर बदनाम करेंगे! पालिकाध्यक्ष की शिकायत से मचा हड़कंप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महमूदाबाद, सीतापुर। नगर पालिका परिषद महमूदाबाद के अध्यक्ष आमिर अराफात ने सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी सार्वजनिक छवि धूमिल करने और कथित तौर पर अनुचित दबाव बनाने के मामले में एक शिकायत की है। पालिकाध्यक्ष ने संपूर्ण समाधान दिवस में शिकायती पत्र देकर मामले की निष्पक्ष जांच कर नियमानुसार विधिक कार्रवाई किए जाने की मांग की है। शिकायती पत्र के मुताबिक पालिकाध्यक्ष का आरोप है कि शिवेंद्र प्रताप यादव, निवासी मोतीपुर चौराहा, सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय के निकट, महमूदाबाद द्वारा नगर पालिका के कार्यों में उन पर अनुचित एवं अनैतिक दबाव बनाने का प्रयास किया जाता है। आरोप है कि नियम-विरुद्ध अथवा किसी व्यक्ति विशेष के हित में कार्य करने से इनकार करने पर सोशल मीडिया, विशेषकर फेसबुक के माध्यम से भ्रामक एवं आपत्तिजनक सामग्री प्रसारित कर उनकी सामाजिक एवं सार्वजनिक प्रतिष्ठा धूमिल करने का प्रयास किया जा रहा है, आरोप है कि दो लाख रुपये की मांग, न देने पर बदनाम करने की धमकी दी जा रही है। शिकायत में पालिकाध्यक्ष ने आरोप लगाया है कि सोशल मीडिया पर लगाए गए कथित आरोपों के संबंध में उन्होंने शिवेंद्र प्रताप यादव से बातचीत की। इस दौरान अकील अहमद पुत्र अब्दुल अजीज, निवासी कटरा महमूदाबाद तथा इमरान पुत्र इदरीस, निवासी रमुआपुर महमूदाबाद के सामने कथित रूप से दो लाख रुपये की मांग की गई। शिकायतकर्ता के अनुसार रुपये न देने पर सोशल मीडिया के माध्यम से बदनाम करते रहने की धमकी दी गई। पालिकाध्यक्ष ने शिकायती पत्र में कहा है कि वह नगर पालिका अध्यक्ष के रूप में जनहित, निष्पक्षता और विधि के अनुरूप कार्य करना अपना कर्तव्य समझते हैं तथा किसी व्यक्ति विशेष के अनुचित दबाव में नियम-विरुद्ध कार्य करना उनके लिए संभव नहीं है। उन्होंने संपूर्ण मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी पाए जाने वाले व्यक्तियों के खिलाफ नियमानुसार विधिक कार्रवाई किए जाने की मांग की है। शिकायत के साथ फेसबुक पोस्ट और स्क्रीनशॉट की छायाप्रतियां भी संलग्न किए जाने का उल्लेख किया गया है।

80वें स्वतंत्रता दिवस पर क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान में भव्य समारोह

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस), आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन संचालित क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, इंदिरा नगर, लखनऊ में 15 अगस्त 2026 को 80वां स्वतंत्रता दिवस समारोह हर्षोल्लास एवं देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। समारोह में संस्थान के प्रभारी सहायक निदेशक डॉ. संजय कुमार सिंह ने संस्थान परिसर में ध्वजारोहण किया। इसके पश्चात राष्ट्रगान एवं राष्ट्रगीत का सामूहिक गायन हुआ। कार्यक्रम में संस्थान के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी उत्साहपूर्वक शामिल हुए। अपने संबोधन में डॉ. संजय कुमार सिंह ने संस्थान द्वारा रोगियों को उपलब्ध कराई जा रही विभिन्न आयुर्वेदिक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी दी। उन्होंने आयुर्वेद के क्षेत्र में संस्थान द्वारा किए जा रहे महत्वपूर्ण कार्यों एवं उपलब्धियों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम के वीरों के योगदान को याद करते हुए सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से राष्ट्र के प्रति कर्तव्य, जिम्मेदारी और सेवा भावना के साथ कार्य करने का आह्वान किया। उत्तर प्रदेश में प्रथम पंचकर्म तकनीशियन कोर्स शुरू होने की तैयारी समारोह के दौरान संस्थान की महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में बताया गया कि उत्तर प्रदेश में प्रथम पंचकर्म तकनीशियन कोर्स का संचालन क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, लखनऊ में प्रारंभ होने जा रहा है। यह पहल आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति के क्षेत्र में कुशल एवं प्रशिक्षित मानव संसाधन तैयार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। कार्यक्रम के दौरान मीडिया द्वारा भी समारोह का कवरेज किया गया। समारोह का समापन राष्ट्र की एकता, अखंडता एवं समृद्धि के संकल्प के साथ हुआ।

विकास नगर में फिर धंसी सड़क, दो दिन पहले ही खुला था मार्ग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। विकास नगर इलाके में एक बार फिर सड़क धंसने की घटना सामने आई है। भगवान शिव की मूर्ति के पीछे वाले हिस्से में रविवार देर रात सड़क का एक बड़ा हिस्सा फिर से धंस गया। यह वही स्थान है जहां दो महीने पहले सड़क धंस गई थी और मरम्मत के बाद हाल ही में आवागमन शुरू किया गया था। सोमवार सुबह से इस हिस्से को बंद कर दिया गया है। विकास नगर के सेक्टर-2 में यह घटना हुई। यहां दो महीने से सीवर लाइन की मरम्मत का काम चल रहा था। काम पूरा होने के बाद सड़क पर आवागमन बहाल कर दिया गया था। लेकिन पिछले दो दिनों की जोरदार बारिश के कारण गड्ढे में भरी गई मिट्टी और बालू रात से ही धंसने लगी। सुबह प्रशासन ने बैरिकेडिंग लगाकर सड़क को पूरी तरह बंद कर दिया। स्थानीय लोगों के अनुसार, यह इलाका बार-बार सड़क धंसने की घटनाओं के लिए चर्चा में रहता है। क्षेत्र में पुरानी सीवर लाइन की समस्या लंबे समय से बनी हुई है। पहले भी कई बार इसी हिस्से में धंसाव हो चुका है। बारिश के पानी और सीवर लाइन से रिसाव के कारण मिट्टी कमजोर पड़ जाती है, जिससे सड़क धंस जाती है। नगर निगम और संबंधित विभागों के अधिकारी मौके पर पहुंचे। यातायात को वैकल्पिक मार्गों से मोड़ा जा रहा है, जिससे आसपास के इलाकों में जाम की स्थिति बनी हुई है। स्थानीय निवासी चिंतित हैं कि बार-बार होने वाली इन घटनाओं से दुर्घटना का खतरा बढ़ रहा है। इतिहास पर नजर डालें तो विकास नगर में सीवर लाइन संबंधी समस्याओं के कारण पिछले कुछ वर्षों में कई बार सड़क धंसने की घटनाएं हो चुकी हैं। प्रशासन ने पहले भी नई सीवर लाइन बिछाने और मरम्मत के दावे किए थे, लेकिन समस्या पूरी तरह नहीं सुलझ पाई है। अभी मरम्मत का काम कब शुरू होगा और सड़क कब दोबारा खुलेगी, इस बारे में आधिकारिक जानकारी का इंतजार है। स्थानीय लोग स्थायी समाधान की मांग कर रहे हैं ताकि बार-बार आवागमन बाधित न हो।